हिन्दी दैनिक

# रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, सोमवार | 02 दिसंबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक : 196 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण


## ब्रीफ न्यूज

### जानिए दिल्ली के ऐसे विधायक को, जिसने सर्वश्रेष्ठ विधायक का पुरस्कार जीतने के बाद भी की थी सामूहिक समारोह में शादी

**एजेंसी**

**दिल्ली:** राजधानी दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के नेता विशेष रवि एक लोकप्रिय राजनेता हैं। वे दिसंबर 2013 के चुनावों में करोल बाग निर्वाचन क्षेत्र से दिल्ली विधानसभा के लिए चुने गए, जब उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सुरेंद्र पाल को हराया। वे दिल्ली विधानसभा (2013, 2015, 2020) के लिए लगातार तीन बार चुने गए हैं। वर्ष 2015 में वह मॉस्को में आयोजित ब्रिक्स युवा फोरम सम्मेलन में दिल्ली सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। वर्ष 2017 में उन्होंने दुबई में आयोजित भारत-पाक शांति सम्मेलन में भाग लिया था।

साल 2017 में रवि को दिल्ली विधानसभा में सर्वश्रेष्ठ विधायक के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। फरवरी 2017 को रवि की शादी श्री गुरु रविदास विश्राम धाम मंदिर में सामूहिक सामुदायिक विवाह में हुई, जहाँ एक ही दिन में 8 जोड़ों की शादी हुई। वर्ष 2020 में पहली लहर के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सेवा करते हुए वे कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे।

# नीतीश ने महिलाओं के लिए बहुत काम किए, संवाद यात्रा से पहले निर्मला सीतारमण ने सीएम की तारीफ क्यों की?

**केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के विकास के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं। उन्होंने महिलाओं के उत्थान के लिए काफी काम किया है। बिहार में जीविका दीदी पर मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश पर बेहतरीन काम हुआ है।**

**एजेंसी**

**पटना:** बिहार में अगले साल 2025 में विधानसभा चुनाव होने वाला है। इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर यात्रा पर निकलने वाले हैं। इस बार वे महिलाओं से संवाद करेंगे। महिलाओं के बीच नीतीश कुमार काफी लोकप्रिय भी हैं। इस बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सीएम की इस बात के लिए जमकर तारीफ की है कि उन्होंने महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए बहुत काम किया।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के विकास के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं। उन्होंने महिलाओं के उत्थान के लिए काफी काम किया है। बिहार में जीविका दीदी पर मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश पर बेहतरीन काम हुआ है। यहां महिलाओं को प्रशिक्षण और ऋण भी मिलता है। सेल्फ हेल्प ग्रुप को बैंक द्वारा सहायता दी जा रही है और आगे भी दी जाएगी।केंद्रीय वित्त मंत्री झंझारपुर के ललित कपूर्री स्टेडियम में आयोजित क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थीं। निर्मला सीतारमण ने अपने 11 मिनट के संबोधन में बाढ़ त्रासदी से लेकर महिलाओं के लिए बिहार में किए गए विकासात्मक कार्य की सराहना की। इस दौरान उन्होंने 50,000 से अधिक लाभार्थियों के बीच 1121 करोड़ रुपए का रोजगारोन्मुख ऋण का वितरण किया।केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि कोसी की बाढ़ मिथिलांचल के लिए चुनौती बनी हुई है। इससे निपटने की तैयारी शुरू हो गयी है। बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए प्रधानमंत्री ने योजना दी है। इस वित्तीय वर्ष के बजट में बाढ़ से निपटने के लिए राशि का प्रावधान किया गया है। जल्द ही कारगर कदम उठाने पर काम होगा। उन्होंने कहा कि 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने पर प्रधानमंत्री मोदी तेजी से काम कर रहे हैं, जिसे पूरा करने के लिए महिलाओं को रोजगार के क्षेत्र में आगे आना जरूरी हैकेंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के विकास के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं। उन्होंने महिलाओं के उत्थान के लिए काफी काम किया है। बिहार में जीविका दीदी पर मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश पर बेहतरीन काम हुआ है।

## भाजपा अध्यक्ष का विपक्ष पर तंज, देश बदल चुका है, बस तुम्हारा स्टेटस नहीं बदला

**एजेंसी**

इंदौर (मध्यप्रदेश)। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व में देश बदल चुका है लेकिन विपक्षी दलों का ह्यविपक्ष का दर्जाह्न अब तक नहीं बदला। नड्डा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हैं। उन्होंने विश्व एड्स दिवस पर इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान कहा,ह्यह्यमैं आज राजनीति नहीं करना चाहता हूं लेकिन कई लोग बोलते हैं कि देश में कुछ भी नहीं बदला है। मैं उन्हें बस इतना बोलता हूं कि तुम्हारा स्टेटस (दर्जा) नहीं बदला, बाकी सब बदल गया है। तुम विपक्ष के विपक्ष में ही रहे और ऐसे रहोगे, तो आगे भी ऐसे ही रहोगे।नड्डा ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ भारत के सफल अभियान का जिक्र किया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में चिकित्सा के अलग-अलग क्षेत्रों में मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा,ह्यह्ययह किसी को दिखाई दे जाए कि देश कैसे बदलता है, तो बहुत अच्छी बात है। मैं कई बार बोलता हूं कि मैं आपकी देखने की क्षमता में सुधार तो कर सकता हूं पर आपको नजरिया नहीं दे सकता। अब किसी में नजरिया ही ना हो, तो मैं क्या करूं? नड्डा ने यह भी कहा कि नजरिये के लिए बुद्धि की आवश्यकता होती है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा, ह्यह्यभारत में टिटनेस की दवा आने में 40 वर्ष, टीबी की दवा आने में 20 से 25 वर्ष, डिप्थीरिया की दवा आने में 20 वर्ष और जापानी इन्सेफेलाइटिस (दिमागी बुखार) की दवा आने में 100 साल लग गए थे।

## कांग्रेस लिखकर दे तो असम में गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूं : हिमंत विश्व शर्मा

**एजेंसी**

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अगर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख भूपेन कुमार बोरा उन्हें पत्र लिखकर गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करें तो वह ऐसा करने के लिए तैयार हैं। मुस्लिम बहुल सामगुड़ी विधानसभा सीट पर हुआ उपचुनाव जीतने के लिए भाजपा पर लगे गोमांस वितरित करने के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि उन्हें खुशी है कि कांग्रेस ने इस मामले को उठाया। इस सीट पर पहले लगातार पांच बार कांग्रेस को जीत मिली थी।शर्मा ने शनिवार को यहां भाजपा की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, ह्यह्यसामगुड़ी सीट 25 साल तक कांग्रेस के पास रही। सामगुड़ी जैसे निर्वाचन क्षेत्र में 27,000 मतों के अंतर से हारना कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी शर्म की बात है। यह भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार है।ह्नह्न पिछले महीने हुए उपचुनाव में भाजपा के दिप्लू रंजन शर्मा ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील को 24,501 मतों के अंतर से हराया था। सांसद की कथित टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा।

## जांच जारी रहेगी, कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायिक आयोग के सदस्यों ने किया संभल में हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा

**एजेंसी**

उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले महीने शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच चल रही है। इसके लिए तीन सदस्यीय न्यायिक जांच समिति गठित की गयी थी, जिसमें रविवार को इलाके का दौरा किया। आयोग के प्रमुख एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अरोड़ा और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अरविंद कुमार जैन ने कड़ी सुरक्षा के बीच मस्जिद सहित शहर के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया।आयोग के तीसरे सदस्य पूर्व आईएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद रविवार के दौरे के दौरान मौजूद नहीं थे। अरोड़ा और जैन के साथ मुरादाबाद के

मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज जी, संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार भी थे।संभल का दौरा पूरा होने के बाद अरविंद कुमार जैन ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जांच जारी रहेगी, यह दो महीने तक जारी रहेगी। बता दें, आयोग को दो महीने के भीतर अपनी जांच पूरी करने का निर्देश दिया गया है।संभल, उत्तर प्रदेश: संभल हिंसा की जांच कर रही न्यायिक जांच समिति के सदस्य और उत्तर प्रदेश के पूर्व ऊ्रह्ल ए.के. जैन ने कहा, "जांच जारी रहेगी, यह दो महीने तक जारी रहेगी।" आयोग इस बात की जांच कर रहा है कि क्या पिछली 24 नवंबर को हुई हिंसक झड़पें स्वतःस्फूर्त थीं या किसी सुनियोजित आपराधिक साजिश का हिस्सा थीं। इसके साथ ही स्थिति को संभालने में पुलिस और प्रशासन की तैयारियों की भी जांच होगी।

## महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का नाम तय, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी का इंतजार : रावसाहेब दानवे

**एजेंसी**

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता रावसाहेब दानवे ने कहा कि महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री का नाम तय हो गया है और पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा इसकी पुष्टि किए जाने का इंतजार है। पूर्व केंद्रीय मंत्री दानवे ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि महाराष्ट्र के लोग जानते हैं कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने शनिवार को कहा था कि पांच दिसंबर की शाम को दक्षिण मुंबई के आजाद

मैदान में महाराष्ट्र की नयी महायुति सरकार का शपथग्रहण समारोह होगा जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे।अभी तक इस बात की घोषणा नहीं की गई है कि नया मुख्यमंत्री कौन होगा लेकिन भाजपा सूत्रों ने बताया कि देवेंद्र फडणवीस का नाम सबसे आगे है। फडणवीस दो बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं और वह कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली निवर्तमान सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। शिंदे शुक्रवार को सातारा जिले में अपने पैतृक गांव के लिए रवाना हुए थे। इस बीच अटकलें लगाई जाने लगीं कि वह राज्य की नयी सरकार के गठन के लिए हो रही कवायद के तरीके से खुश नहीं हैं।

## पाकिस्तान से घुसपैठ रोकने के लिए बीएसएफ ने जम्मू में दो और बटालियन तैनात कीं

**एजेंसी**

**नयी दिल्ली।** सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तान सीमा से घुसपैठ को बेहतर ढंग से रोकने और क्षेत्र में हाल में बढ़ी आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जम्मू क्षेत्र में 2,000 से अधिक कर्मियों वाली दो नयी बटालियन तैनात की हैं।

बीएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि इन बटालियन के जवानों को पाकिस्तान से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की तैनाती वाले स्थान

के ठीक पीछे रक्षा की दूसरी पंक्तिके रूप में तैनात किया गया है। बल की इन दो बटालियन को हाल में ओडिशा के नक्सल-रोधी अभियान क्षेत्र से हटा लिया गया था और अब इन्हें पूरी तरह से जम्मू क्षेत्र में तैनात कर दिया गया है।

सूत्रों ने बताया कि यह कार्य सर्दियों के शुरू होने से पहले पूरा किया जाना था, जब पाकिस्तान से होने वाली घुसपैठ के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सीमा को सुरक्षित रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। सूत्रों ने बताया कि नयी इकाइयों के कर्मियों को सांबा क्षेत्र, जम्मू क्षेत्र के कुछ अन्य संवेदनशील इलाकों और जम्मू से लगती पंजाब सीमा पर तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की सुविधा से लैस अनेक तैनाती बिंदु बनाए गए हैं।

## नाराजगी की अटकलों पर एकनाथ शिंदे ने तोड़ी चुप्पी, कहा- बीजेपी के फैसले को पूरा समर्थन

**एजेंसी**

**महाराष्ट्र:** नाराजगी की अटकलों के बीच महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि सरकार गठन को लेकर महायुति सहयोगियों के बीच कोई मतभेद नहीं है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि राज्य के नए मुख्यमंत्री के बारे में भारतीय जनता पार्टी जो भी फैसला करेगी, उसे उनका पूरा समर्थन होगा। बता दें, ऐसी अटकलें थीं कि शिंदे नयी सरकार के गठन से खुश नहीं हैं, लेकिन उनके एक सहयोगी ने बताया कि वह बीमार हैं और रविवार शाम को मुंबई लौटेंगे।सतारा जिले में अपने पैतृक गांव दारे में पत्रकारों से बातचीत में शिंदे ने कहा कि सरकार गठन पर बातचीत चल रही है और सभी निर्णय महायुति के तीनों सहयोगियों शिवसेना, भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) द्वारा आम सहमति से लिए जाएंगे। अपने पैतृक गांव के दौरे पर शिंदे ने कहा कि वह नियमित रूप से अपने गांव आते हैं और उनके दौरे को लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए, क्योंकि उन्होंने पिछले सप्ताह ही मुख्यमंत्री पद पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया था।शिंदे ने कहा, 'अभी मेरी तबीयत अच्छी है। मैं यहां पर आराम करने आया था। चुनाव में बहुत भाग दौड़ हो गई थी। मैंने एक में दिन 8-10 सभाएं की थी।

# 2 से ज्यादा बच्चे होने चाहिए...

## मोहन भागवत के बयान पर छिड़ी बहस, विपक्ष ने भाजपा को घेरा

**एजेंसी**

**नागपुर:** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के एक बयान पर बवाल मच गया है। दरअसल, नागपुर में ह्यकठाले कुलसम्मेलनह्न में भागवत ने जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट पर चिंता व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने तीन बच्चे पैदा करने पर जोर दिया। उनके इस बयान पर बहस छिड़ गयी है। कांग्रेस, समाजवाद पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी ने भागवत को निशाने पर लिया है।मोहन भागवत ने क्या कहा?

नागपुर में ह्यकठाले कुलसम्मेलनह्न में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, 'जनसंख्या में कमी चिंता का विषय है, क्योंकि जनसंख्या विज्ञान कहता है कि अगर जनसंख्या दर 2.1 से नीचे चली गई तो वह समाज नष्ट हो जाएगा, कोई उसे नष्ट नहीं करेगा, वह अपने आप नष्ट हो जाएगा।' उन्होंने कहा, 'हमारे देश की जनसंख्या नीति, जो 1998 या 2002 के आसपास तय की गई थी, कहती है कि जनसंख्या

वृद्धि दर 2.1 से नीचे नहीं होनी चाहिए।'

ज्यादा बच्चे पैदा करने पर जोर देते हुए भागवत ने कहा, 'हमें दो से अधिक अर्थात तीन (जनसंख्या वृद्धि दर) की आवश्यकता है, यही जनसंख्या विज्ञान कहता है। यह संख्या महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे (समाज को) कायम रहना चाहिए।'समाजवादी पार्टी ने उठाया सवाल

समाजवादी पार्टी (रढ) के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने भागवत के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'मोहन भागवत पिछले कुछ समय से जब कुछ बोलते है तो वह बीजेपी को असहज कर देता है। पिछली बार उन्होंने कहा कि हर मस्जिद में मंदिर क्यों ढूंढना तब भी बीजेपी वाले जो केवल मंदिर मस्जिद की राजनीति करते हैं उनके पास कोई जवाब नहीं था। बीजेपी पूरे देश जनसंख्या को लेकर केवल राजनीति करने का काम कर रही है, सपा समझती है कि अब मोहन भागवत के बयान के बाद अब बीजेपी के पास जवाब नहीं होगा। सपा की विचारधारा भले आरएसएस से न मिलती हो लेकिन अगर कुछ उन्होंने सही कहा है तो सही को सही कहना गलत नहीं है।'कांग्रेस ने भागवत पर साधा निशानाकांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने तीन बच्चों वाले बयान को लेकर मोहन भागवत को घेरा। उन्होंने भागवत से सवाल पूछा कि ?

# डॉ. राजेंद्र प्रसाद जयंती समारोह पर आयोजित 'देशरत्न कॉन्क्लेव' का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने किया उद्घाटन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के आदर्श सदैव प्रेरणादायी : डॉ. दिलीप जायसवाल

देश रत्न कॉन्क्लेव' का उद्देश्य उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना : डॉ. दिलीप जायसावल

**पटना।** देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी की जयंती समारोह के शुभ अवसर पर आयोजित 'देशरत्न कॉन्क्लेव' का उद्घाटन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने किया।

पटना के ज्ञान भवन में आयोजित इस कॉन्क्लेव में देश के प्रतिष्ठित विद्वान, राजनीतिक विशेषज्ञ और समाजसेवी उपस्थित होकर देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जीवन, आदर्शों, और उनके योगदान पर अपने विचार साझा करेंगे। इस अवसर पर डॉ. दिलीप जायसवाल जी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और हमारे संविधान निर्माण के महानायक थे। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें राष्ट्र निर्माण के प्रति अपना समर्पण और अधिक मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमसभी के लिए राजेन्द्र प्रसाद के जीवन का आदर्श सदैव प्रेरणादायी रहेगा। भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा, ह्यह्यवह साधारण दिखते थे, लेकिन वह एक महान व्यक्ति थे। वह एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, अंतरिम सरकार में मंत्री और कांग्रेस तथा संविधान सभा के अध्यक्ष थे। उस दौर के सभी प्रमुख गांधीवादियों ने कहा कि वह गांधी के एकमात्र सच्चे उत्तराधिकारी थे।उन्होंने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में आजादी के आंदोलन में एक अनुयायी के रूप में शामिल हुए और पूरे आंदोलन को पग-पग पर अपना नेतृत्व प्रदान किया। वहीं स्वतंत्र भारत के लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में ही संविधान का निर्माण किया गया। वह देश की आजादी की लड़ाई के अग्रिम योद्धा के साथ स्वतंत्र भारत की व्यवस्था के भी सूत्रधार थे। उनके इन कार्यों के चलते वे आज भी स्मरणीय हैं।उन्होंने कहा कि वे भारतीय संस्कृति और परंपरा के प्रबल पक्षधर थे। सही अर्थों में तत्कालीन सरकार के विरोध के बावजूद सोमनाथ मंदिर के पनुरोद्धार कार्यक्रम में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने भाग लिया। 'देश रत्न कॉन्क्लेव' की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से महान विभूतियों को समझने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने प्रदेश और देश के विभिन्न कोनों से आये प्रतिष्ठित विद्वानों, समाजसेवियों का पटना की धरती पर स्वागत किया

## पहसारा पूर्वी एवं पश्चिमी पैक्स का जिला सहकारिता पदाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी/बेगूसराय/प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पहसारा पूर्वी एवं पहसारा पश्चिमी पंचायत के पैक्स का किया गया औचक निरीक्षण।जिला सहकारिता पदाधिकारी सत्येंद्र पाल के द्वारा पहसारा पूर्वी एवं पश्चिमी पैक्स का औचक निरीक्षण करते हुए पैक्सों में साफ- सफाई पर ध्यान देने का निर्देश दिया। वहीं धान अधिप्राप्ति से संबंधित क्रय पंजी, भंडारण पंजी, नमी जांच पंजी, माप तौल मशीन, बायोमेट्रिक मशीन का भी गहन निरीक्षण किया। वहीं प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी अनिल चौधरी को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं हो।धान खरीद के 48 घंटे के अंदर उनके खाता में भुगतान सुनिश्चित करें।पैक्स अध्यक्ष रणवीर कुमार ने कहा कि सर्वप्रथम छोटे एवं मझौले किसानों से धान की खरीदारी पैक्स की प्राथमिकता है।मौके पर कृषक मुकेश कुमार झोपो से 80 क्विंटल, सिद्धू कुमार से 40 क्विंटल,समप्रिया कुमारी से 35 क्विंटल,अवधेश झा से 30 क्विंटल,सुबोध कुमार से 40 क्विंटल धान खरीद की गई।वहीं पहसारा पूर्वी पैक्स अध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि आगे धान अधिप्राप्ति हेतु सी०सी० बढ़ाने के लिए आवेदन दिया गया है।

## नव निर्वाचित पैक्स अध्यक्षों ने की धान खरीद पर चर्चा, बैठक में उपस्थित नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष व पदाधिकारीगण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

**समस्तीपुर।** जिले के बिथान के स्थानीय व्यापार मंडल कार्यालय सभागार में रविवार को नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्षों की बैठक हुई।अध्यक्षता पैक्स अध्यक्ष शत्रुघन प्रसाद ने की इसमें जिला सहकारिता पदाधिकारी अरुण कुमार द्वारा जिन समिति के पास गोदाम नहीं है, उससे संबंधित प्रस्ताव मांगा गया धान अधिप्राप्ति पर विचार-विमर्श करते हुए शत्रुघन प्रसाद ने सरकारी नियमानुसार धान अधिप्राप्ति में सहयोग की मांग की। सीएमआर आपुर्ति के 72 घंटे के अंदर भुगतान सुनिश्चित करने सीएमआर के विपरीत मिलर द्वारा शत-प्रतिशत धान का उठाव करने व पैक्स अध्यक्ष के अनुरूप माँग करने की बात कही गयी। इस अवसर पर पैक्स अध्यक्ष के अनुरूप मील का टैगिंग करने की भी मांग की गई। राजेश मुखिया ने सभी नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्षों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार यादव, प्रखंड शाहकरिता पदाधिकारी अजय कुमार, पैक्स अध्यक्ष राकेश कुमार, अरुण कुमार, जनार्दन प्रसाद सिंह, राकेश कुमार समाज सेवी विनेश मुखिया समेत कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

## समस्तीपुर में जेल से निकले हत्यारोपी की रस्सी से बांध की पिटाई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

**समस्तीपुर** जिले के सिंघिया थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। एक हत्या के मामले में जेल से जमानत पर रिहा हुए व्यक्ति पर मृतक के परिजनों ने हमला कर उसे रस्सी से बांधकर बुरी तरह पीटा। इस दौरान, उसकी पत्नी और बेटी को बचाने की कोशिश करना भी भारी पड़ गया, क्योंकि आक्रोशित लोगों ने उनकी भी बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना पिपरा चौक पर शुक्रवार शाम की है, जहां अमरजीत मुखिया की हत्या के आरोप में जेल से रिहा हुए सजन मुखिया पर हमला किया गया। घटना के संदर्भ में बताया गया कि एक साल पहले 31 दिसंबर 2024 की रात अमरजीत मुखिया की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने सजन मुखिया और उसके मित्र राधे मुखिया को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपियों ने पैसे के विवाद को हत्या का कारण बताया था। जमानत पर बाहर आने के बाद शुक्रवार को सजन मुखिया पर मृतक अमरजीत के परिजनों ने हमला कर दिया। उन्होंने उसे सड़क से घसीटते हुए घर ले जाकर रस्सी से बांध दिया। सजन की पत्नी और बेटी ने बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें भी अधमरा कर दिया गया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर सजन मुखिया को छुड़ाया और घायल सजन, उसकी पत्नी और बेटी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। थाना अध्यक्ष विशाल कुमार सिंह ने बताया कि अमरजीत मुखिया के परिवार वाले पैसे की मांग कर रहे थे, जो सजन मुखिया पर बकाया था। इसी को लेकर विवाद हुआ और यह घटना घटित हुई। सजन मुखिया ने पुलिस में आवेदन देकर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की है। वहीं, पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है।

## मशरक के रेल कर्मचारी की बाइक में टैंकर से टक्कर में आसाम में मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बहरौली पांडेय टोला गांव निवासी की बाइक में टैंकर की टक्कर से आसाम में मौत हो गई। मृतक बहरौली पांडेय टोला गांव निवासी स्व रामेश्वर पांडेय का 36 वर्षीय पुत्र मणी शंकर कुमार हैं। वे आसाम में रेलवे में तैनात हैं और वहीं पर ड्यूटी कर बाइक से डेरा पर जा रहें थे कि अनियंत्रित टैंकर ने टक्कर मार दी जिसमें घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजनों में मातम छा गया। वहीं बहरौली में प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह की अध्यक्षता में शोक सभा भी आयोजित की गयी। मुखिया अजीत सिंह ने शोक व्यक्त किया। घटना की सूचना मिलने पर परिजन भी वहां पहुंचे ।वहीं मृतक की पत्नी अणु देवी का रो रो कर बुरा हाल है कि उसकी दो पुत्री साक्षी और प्रिया की परवरिश कैसे होंगा।

## बस कंडक्टर को मारपीट कर किया जख्मी, सीएचसी मशरक में भर्ती

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

तरैया और मशरक के सीमावर्ती गांव गलिमापुर में एस एच 73 पर बस कंडक्टर को मारपीट में घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल बनियापुर थाना क्षेत्र के लौवा छतवा गांव निवासी मरई यादव का 35 वर्षीय पुत्र सनोज यादव हैं। घायल ने बताया कि वह आशीष बिहार के बस में कंडक्टर के पद पर काम करता है ।ट्रक के चालक से विवाद हुआ और मारपीट कर जख्मी कर दिया। घायल ने पुलिस से शिकायत करने की बात बताई।

## बाइक दुर्घटना में महिला घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक सिवान एन एच 227 ए राम जानकी पथ पर महावीर चौंक बस स्टैंड के पास बाइक दुर्घटना में अधेर महिला घायल हो गयी। घायल सिवान जिला के भगवानपुर थाना क्षेत्र के माघर गांव निवासी अवध किशोर प्रसाद की 50 वर्षीय पत्नी गीता देवी हैं। महिला घर से ऑटो पकड़कर महावीर चौक पर उतरी और रिश्तेदार के साथ बाइक पर सवार होकर डोईला जा रही थी कि बाइक दुर्घटना में घायल हो गयी

## जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रविवार को शहर के पटेल मैदान में जदयू पार्टी के जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की आयोजित हुआ जिसकी अध्यक्षता, संचालन जिला अध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय ने किया। इस सम्मेलन को जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने कार्यकताओं से संबोधित करते हुए कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने का फिर से संकल्प लें। केंद्र व बिहार में डबल इंजन की सरकार है, आम लोगों के बीच सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करें। विधान सभा चुनाव में अब एक साल रह गया है। उप चुनाव में हम क्लीन स्वीप किए हैं और विपक्ष पस्त हुआ है। झारखंड में भी पार्टी का खाता खुला है, बिहार की जनता को यह ध्यान रखना होगा कि 2005 में नीतीश कुमार को कैसा बिहार मिला था और अब कैसा बिहार है।कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि बिहार के विकास के लिए हमलोग पैकेज ला रहे हैं। केंद्र सरकार की बजट में जब बिहार के बाढ़ की चर्चा हो रही थी, तो विपक्ष हल्ला मचा। नीतीश कुमार ने बिहार में जो विकास का काम किया है, वह देश-दुनियां के लिए नजीर है। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री मदन सहनी ने कहा कि नीतीश कुमार ने अती पिछड़ा समाज को आगे बढ़ाने का काम किया है। दस लाख नौकरी और दस लाख रोजगार देने का वादा किया था। केंद्र सरकार ने बिहार के विकास को 60 हजार करोड़ अतिरिक्त बजट दिया। 11.50 हजार करोड़ बाढ़ के निदान के लिए केंद्र से आया। 19 वर्षों से नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं तब से विकास हो विकास हो रहा है। उन्होंने 12 लाख नौकरी और 24 लाख लोगों को रोजगार दिया है। यह क्रम आगे भी जारी रहेगा?।

## समस्तीपुर में बेटी के आशिक ने कर दी बाप की हत्या, रात के अंधेरे में साथ पकड़े गए थे दोनों.

हुसैनगंज संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

**समस्तीपुर** जिले के डीहा गांव में बदमशों ने एक व्यक्ति की उसकी पत्नी के सामने ही चाकू मारकर हत्या कर दी। इस घटना को बदमाशों ने बीती रात मृतक के घर के सामने ही अंजाम दिया। मृतक की पहचान कामेश्वर सिंह के पुत्र संजय कुमार सिंह 42 वर्ष के रूप में की गई है। हत्यारा युवक का मृतक की बेटी से अफेयर था। रात के अंधेरे में प्रेमिका से मिलने आया था। जब पकड़ा गया तो प्रेमिका के बाप को चाकू गोदकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सिंघिया थाना क्षेत्र के डीहा गांव की है।मृतक सिंघिया के पैकरा स्थित एक ट्रैक्टर एजेंसी में सेल्समैन का काम करता था। घटना के संबंध में थाना अध्यक्ष विशाल कुमार सिंह ने बताया कि मामला मृतक के पुत्री के प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है। हत्यारा उसकी पुत्री का प्रेमी है जो रात अपने एक दोस्त के साथ प्रेमिका से मिलने उसके घर गया था। जहां उसके आने की आहट से दूसरे घर में सो रही मृतक की पत्नी की नींद खुल गई । उसने अपने पति संजय को जगाया। पति के जगने पर दोनों साथ घर से बाहर निकले। इसी बीच उक्त युवक भागने लगा जिसे संजय ने पकड़ लिया। युवक ने पकड़े जाने के भय से अपने जेब से चाकू निकालकर संजय के बाएं सीने में घोंप दिया। जिससे वो अचेत हो कर जमीन पर गिर गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

रात अधिक होने के कारण जब तक लोग जागते आरोपी युवक भाग खड़ा हुआ। लोगों ने आनन फानन में बाइक पर संजय को लाद कर इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया । जहां चिकित्सक डॉ0 अंसारी ने उसे मृत घोषित कर दिया।इधर पुलिस ने मृतक की पत्नी के पहचान पर सिंघिया बाजार स्थित शुभंकर प्रसाद सिंह के घर छापामार कर उसके पुत्र गौतम कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उसके घर से उसका जैकेट भी बरामद किया जिसमें खून लगा हुआ था।गौतम की निशानदेही पर पुलिस उसके एक मित्र से वो चाकू बरामद करने में जुट गई है ।

## विकास पथ पर बढ़ता नगर परिषद ताजपुर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

**समस्तीपुर।** ताजपुर के वार्ड संख्या 18 गुदरी रोड में पिछले 50 वर्षों से अब तक नाला कभी बना ही नहीं, बहुत से मुखिया, प्रमुख और विधायक बने, लेकिन इस मोरवा विधानसभा अंतर्गत मुख्य बाजार ताजपुर होने के बावजूद नाला नहीं बनवा सकें, जनता मजबूरी में सड़क पर ही अपने घर का पानी गिराने को विवश थे, नगर परिषद ताजपुर द्वारा इस अति आवश्यक कार्य को आज डिप्टी चेयरमैन प्रतिनिधि अनिकेत कुमार अंशु द्वारा विधिवत पूजा कर ढलाई कार्य शुरू करवा गया। जनता और दुकानदारों के द्वारा इस कार्य के लिए चेयरमैन प्रतिनिधि संतोष चौधरी एवं कार्यपालक पदाधिकारी सचिन कुमार का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

## शिव संपूर्ण विश्व के गुरु है: शिव शिष्य हरिन्द्रानंद जी

### एक दिवसीय शिव गुरु परिचर्चा का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
चंद्रकिशोर पासवान

नावकोठी/बेगूसराय/ प्रखण्ड क्षेत्र अन्तर्गत रजाकपुर के चक्का ग्राम वार्ड न० 3 में एक दिवसीय शिव परिचर्चा का आयोजन किया गया।शिव परिचर्चा में प्रखण्ड के सभी पंचायतों से गुरु बहनों ने भाग लिया।शिव परिचर्चा में कहा गया कि शिव के स्मरण मात्र से सभी कष्टों से प्राणी मुक्त हो जाता है फिर उनके शिष्य बनने के बाद तो उद्दार होना निश्चित है।मुख्य वक्ता अरुण यादव ने शिव द्वारा सुझाए गए धर्म और आध्यात्म के मार्ग पर लोगों को चलने की प्रेरणा दी।उन्होंने कहा की देवाधिदेव महादेव को अपना गुरु मान उनके द्वारा संचालित सृष्टि के नियमों को जीवन में आत्मसात करने की जरूरत है।वरेण्य गुरु भ्राता साहब हरीन्द्रानंद जी ने हम लोगों को बताया है कि शिव जगत गुरु है, अर्थात संसार के जितने भी लोग हैं सभी उनके शिष्य हैं।हम सदियों से उनका भगवान भाव से पूजा अर्चना करते आ रहे हैं। यदि हम उन्हें गुरु भाव से याचना पूर्वक दया मांगें तो हमारा कल्याण निश्चित होगा।यदि इस संसार के प्रत्येक व्यक्ति उनका शिष्य बनकर गुरु भाव दे तो पूर्ण जगत का कल्याण निश्चित होगा।हम लोगों का पहला कार्य है, अपने आसपास के लोगों को प्रेरित कर उन्हें भी जागृत करना और शिव शिष्य परिवार में जोड़कर परिवार का विस्तार करना।कार्यक्रम के दौरान विस्तृत रूप से शिव चर्चा का बखान किया गया।कलाकारों के संगीतमय भजन कीर्तन से पूर्ण इलाका भक्तिमय हो गया।इस दौरान अरविंद पासवान, अशोक कुमार सिंह अंजनी, मनोज कुमार चौधरी, राजाराम पाल, रोहन कुमार, सुशील भारती, चंद्रा देवी, मीना देवी, पुतुल देवी, सुजानती देवी, द्रौपदी देवी सहित सैकड़ों की संख्या में शिव शिष्य उपस्थित थे।

## मथुरापुर की पुलिस ने अलग अलग मामले में तीन युवकों को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

**समस्तीपुर।** जिले के वारिसनगर प्रखंड के अंतर्गत मथुरापुर थाना अपर थाना अध्यक्ष अश्वथामा कुमार ने अलग अलग मामले में तीन युवकों को किया गिरफ्तार। पकड़े गये युवकों की पहचान अंकित कुमार पिता सोनम राम, शंकर राम पिता चंदेश्वर राम एवं गुड्डू कुमार पिता आनंद राय के रूप में हुई है। पूछे जाने पर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि अंकित कुमार एवं शंकर राम को नशे की हालत में मुक्तापुर से पकड़ा गया वही गुड्डू कुमार को सारी से गिरफ्तार किया गया जो कोर्ट का वारंटी था। इधर थाना अध्यक्ष ने तीनों को कागजी प्रक्रिया के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

## नव निर्वाचित पैक्स अध्यक्षों ने की धान खरीद पर चर्चा, बैठक में उपस्थित नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष व पदाधिकारीगण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

**समस्तीपुर।** जिले के बिथान के स्थानीय व्यापार मंडल कार्यालय सभागार में रविवार को नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्षों की बैठक हुई।अध्यक्षता पैक्स अध्यक्ष शत्रुघन प्रसाद ने की इसमें जिला सहकारिता पदाधिकारी अरुण कुमार द्वारा जिन समिति के पास गोदाम नहीं है, उससे संबंधित प्रस्ताव मांगा गया धान अधिप्राप्ति पर विचार-विमर्श करते हुए शत्रुघन प्रसाद ने सरकारी नियमानुसार धान अधिप्राप्ति में सहयोग की मांग की। सीएमआर आपुर्ति के 72 घंटे के अंदर भुगतान सुनिश्चित करने सीएमआर के विपरीत मिलर द्वारा शत-प्रतिशत धान का उठाव करने व पैक्स अध्यक्ष के अनुरूप माँग करने की बात कही गयी। इस अवसर पर पैक्स अध्यक्ष के अनुरूप मील का टैगिंग करने की भी मांग की गई। राजेश मुखिया ने सभी नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्षों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

# 52वां जिला स्थापना दिवस सह मधुबनी महोत्सव के अवसर पर कार्यक्रमों की धूम

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**मो. अबु बकर सिद्दीकी**

- प्रात :कालीन प्रभात फेरी एवं महापुरुषों की मूर्तियों पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ।
- ढोल नगाड़ों की थाप पर जल ही जीवन है,जल है तो कल है,जल-जीवन-हरियाली,तभी होगी जीवन मे खुशहाली आदि जल संरक्षण के नारों से सुबह-सुबह पूरा मधुबनी शहर गुंज उठा।
- जिलाधिकारी ने वॉटसन स्कूल परिसर स्थित मुख्य समारोह स्थल पर केक काटकर एवं गुब्बारा गुच्छ उड़ाकर समारोह के कार्यक्रम का किया आगाज।
- विकास मेला में विभिन्न विभागों ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं सहित विकास कार्यो को किया प्रदर्शित । उद्यान विभाग के द्वारा क्रियान्वित योजना अंतर्गत दो किसानों को क्रमशः चेक और छोटा ट्रैक्टर की चाभी दिया गया
- आपदा प्रबंधन विभाग के स्टॉल पर एसडीआरएफ की टीम ने मॉक ड्रील द्वारा विभिन्न आपदाओं से बचाव की दी जानकारी।
- कुश्ती,कबड्डी,सहित कई खेल प्रतियोगिता का भी अयोजन।
- सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने अपनी कला से सभी को किया प्रभावित।

मधुबनी 1 दिसंबर 202452वां जिला स्थापना दिवस सह मधुबनी महोत्सव के अवसर पर कार्यक्रमों की धूम रही। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के नेतृत्व में वॉटसन स्कूल मैदान से प्रभातफेरी निकाली गई,जो थाना चौक,स्टेशन होते हुए वापस नगर भवन में समाप्त हुई। ढोल नगाड़ों की थाप पर जल ही जीवन है,जल है तो कल है,जल-जीवन-हरियाली,तभी होगी जीवन मे खुशहाली आदि जल संरक्षण के नारों से सुबह-सुबह पूरा मधुबनी शहर गुंज उठा। बच्चों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा था। लोग सुबह-सुबह अपने घरों की छतों से प्रतिभागियों का हौसला आफजाई करते दिखे। प्रभातफेरी कार्यक्रम के उपरांत महापुरुषों की मूर्तियों पर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित हुई। रेलवे स्टेशन स्थित बापू की प्रतिमा, थाना चौक स्थित महान कवि कोकिल विधापति जी की प्रतिमा एवं बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर जिलाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा, पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सहित तमाम वरीय अधिकारियों ,समाजसेवियों आदि ने माल्यार्पण किया जिलधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा एवं वरीय अधिकारियों ने मुख्य समारोह स्थल पर केक काटकर एवं गुब्बारा गुच्छ उड़ाकर समारोह के कार्यक्रम का शानदार आगाज किया। वॉटसन स्कूल के प्रांगण में आयोजित जिला स्थापना दिवस के मुख्य समारोह के लिए भव्य पंडाल का निर्माण किया गया और विभिन्न विभागों के कुल 32 स्टॉल लगाए गए।विकास मेला में विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं सहित विकास कार्यो को प्रदर्शित किया गया।आपदा प्रबंधन विभाग के स्टॉल पर एसडीआरएफ की टीम ने मॉक ड्रील द्वारा विभिन्न आपदाओं से बचाव की जानकारी दी गई,वही काफी संख्या में आपदा से बचाव से संबधित पुस्तकें, फोल्डर,पम्पलेट आदि का वितरण किया गया।परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर लोगो से शपथ पत्र भरवाया गया। कुश्ती,बैडमिंटन,वॉलीबॉल, कबड्डी आदि खेल प्रतियोगिता के का भी अयोजन किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने अपनी कला से सभी को प्रभावित किया। इसके अतिरिक्त लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, जिला आपूर्ति कार्यालय, आईसीडीएस, जिला कल्याण कार्यालय, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, जिला आपदा प्रबंधन कोषांग, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, विद्युत विभाग, गव्य विकास, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, साक्षरता अभियान, जिला पंचायत शाखा, जिला योजना शाखा, सहकारिता, उद्यान एवं कृषि विभाग के स्टाल शामिल हैं। इतना ही नहीं मशरूम के क्षेत्र में नवाचार आधारित फूड स्टॉल भी लगाए गए थे। इन सभी स्टॉल का जिलाधिकारी द्वारा बारी बारी निरीक्षण किया गया।

# रात्रि रक्त पट्ट संग्रह में 140 व्यक्तियों का लिया गया ब्लड सैंपल

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

नावकोठी/बेगूसराय/ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नावकोठी पंचायत के आंगनवाड़ी केन्द्र संख्या 40 और 44 पर जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम एवं फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत फाइलेरिया जांच हेतु रात्रि ब्लड सर्वे शिविर का आयोजन किया गया।पीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रामनरेश शर्मा ने बताया कि जांच के बाद उनके फाइलेरिया ग्रसित होने पर अस्पताल द्वारा आवश्यक चिकित्सकीय सहायता दी जाएगी। फाइलेरिया एक लाइलाज बीमारी है जिसकी पहले से ही पहचान होने पर नियंत्रित रखा जा सकता है।नाइट ब्लड कलेक्शन शिविर में लोगों को फाइलेरिया ग्रसित होने से होने वाली समस्याओं की जानकारी देते हुए उन्हें पहले से फाइलेरिया की जांच करवाने के लिए प्रेरित किया।शिविर के दौरान फाइलेरिया के 140 संदिग्ध व्यक्तियों का ब्लड सैंपल लिया गया।शिविर में काउंसलर राजकुमार सिन्हा, सीएचओ विक्रांत कुमार,सूर्यभूषण, जीएनएम रवि शंकर कुमार,एएनएम रेणु कुमारी,एलटी पंकज जोशी आदि मौजूद थे।

# जिस भ्रष्टाचार के खिलाफ दिल्ली में जो सरकार बनाने का काम किया इस भ्रष्टाचार में इनके पार्टी के बड़े से बड़े नेता न सिर्फ लिप्त है: चिराग पासवान

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

लोक जनशक्ति पार्टी ( रामविलास ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व माननीय केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार जिसका नेतृत्व अरविंद केजरीवाल जी इन्होंने अपनी कही हर एक बात से मुकरने का काम किया यह वही आदमी है जो रामलीला मैदान में एक पर्ची लेकर घूमते थे भ्रष्ट नेताओं की और उन तमाम भ्रष्ट नेताओं से समझौता कर अलग-अलग समय पर सरकार बनाने का इन्होंने काम किया यह कहते थे सरकार में आने के बाद बांग्ला नहीं लूंगा गाड़ी नहीं लूंगा सिक्योरिटी नहीं लूंगा वह तमाम कार्य इन्होंने करने का काम किया उनके बंगले का जिक्र जो सुर्खियां बटोरा है उससे भी हर कोई वाकिफ है। इनके

सिक्योरिटी उनकी गाड़ी और आज जिस भ्रष्टाचार के खिलाफ दिल्ली में जो सरकार बनाने का काम किया इस भ्रष्टाचार में इनके पार्टी के बड़े से बड़े नेता न सिर्फ लिप्त है बल्कि जेल भी जाने पड़ा और स्वयं भी जेल गए और ना अब सिर्फ यह भ्रष्टाचार में बल्कि एक्सटॉर्शन में भी सनलिप्ता पाई जा रही है। यह दशार्ता है कि अगर देश के इतिहास में कोई सबसे बड़ी भ्रष्ट पार्टी रही है तो आम आदमी पार्टी है और अब दिल्ली की जनता खास तौर पर पंजाब में भी यही हाल है पर क्योंकि पहले चुनाव दिल्ली में होने वाले हैं जनता ने मन बना लिया इस तरीके से आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और दिल्ली वालों को लूटने का काम किया है अगले साल की शुरूआत में ही दिल्ली में विधानसभा के चुनाव है और इस बार किसी कीमत पर भी आम आदमी पार्टी की सरकार वहां नहीं बनने जा रही है दिल्ली की जनता ने मन बना लिया है जिस तरीके से अलग-अलग राज्यों में हरियाणा महाराष्ट्र में एनडीए भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है इस बार दिल्ली में भी चुनाव परिणाम के बाद एनडीए भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है। संविधान के खतरे होने के सवाल पर जवाब देते हुए श्री चिराग ने आगे कहा कि विपक्ष को अभी तक यही समझ में नहीं आया संविधान आरक्षण संविधान आरक्षण 2024 लोकसभा का चुनाव अपने लड़ लिया आज लगभग 6 महीने होने को आए लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद और इन 6 महीना में अलग-अलग राज्यों ने आपको बता दिया भैया की ना संविधान मुद्दा है ना आरक्षण मुद्दा है।

# चिराग का विशाल जनसमूह को संबोधित किया , बिहार के सर्वांगीण विकास और सामाजिक न्याय का संकल्प दोहराया

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

आज भागलपुर के सबौर हाई स्कूल में आदरणीय श्री चिराग पावान जी के नेतृत्व में बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट और नव संकल्प अभियानसे प्रेरित होकर हजारों समर्थकों की उपस्थिति में श्री विजय यादव जी ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने इस मौके पर उमड़े विशाल जनसमूह को संबोधित किया और नव संकल्प अभियान के तहत बिहार के सर्वांगीण विकास और सामाजिक न्याय का संकल्प दोहराया। पार्टी को पूर्ण विश्वास है कि विजय यादव जी इस अभियान को हर घर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। इस भव्य कार्यक्रम में जमुई लोकसभा क्षेत्र से माननीय सांसद एवं बिहार प्रभारी श्री अरूण भारती जी, खगड़िया से माननीय सांसद श्री राजेश वर्मा जी ,प्रदेश अध्यक्ष श्री राजू तिवारी जी मौजूद थे।

# मकसूदा पंचायत के जरहटिया गांव में , आज गरीबो के बीच अंचल अधिकारी एवं पूर्व मुखिया जुल्फिकार अली के द्वारा कंबल वितरण किया गया

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**मो.अबु बकर सिद्दीकी**

मधुबनी जिला के सकरी थाना अंतर्गत मकसूदा पंचायत के जरहटिया गांव में, आज गरीब असहाय दिव्यांगों के लिए पूर्व मुखिया जुल्फिकार अली उर्फ भुट्टू और रहिका अंचल अधिकारी के द्वारा कंबल वितरण किया गया

इस अवसर पर

: पूर्व पंचायत समिति डॉक्टर मोहम्मद जाकिर हुसैन

प्रेजेंट वार्ड मेंबर, कुलदीप पासवान, मोड्ड रहमत अंसारी,

पूर्व मुखिया पति हैदर अली अंसारी, मोहम्मद इस्लाम जरहटिया एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे '

# श्रीमद् भागवत गीता के प्रथम सत्र का भव्य आगाज

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

बखरी/बेगूसराय। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत गीता का आध्यात्मिक रहस्य पर प्रथम दिन का कार्यक्रम की शुरूआत कलश शोभा यात्रा से हुआ। जहां बखरी के हजारों माता बहनों ने माथे के ऊपर कलश लेकर श्याम मंदिर से कथा स्थल हनुमान राइस मील तक पैदल यात्रा की।उसके बाद कथा स्थल पर कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुंदन कुमार सिंह विधायक बेगूसराय,सूर्यकांत पासवान विधायक बखरी,गीता कुशवाहा अध्यक्ष नगर परिषद बखरी,मनोरंजन प्रसाद वर्मा,आरएसएस प्रचारक बखरी,गुड्डू खेतान, हनुमान राइस मिल बखरी,कृष्णनंदन जी, भाजपा जिला महामंत्री बेगूसराय सहित अन्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम के प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए राजयोगिनी बीके कंचन दीदी ने कहा कि यह दुनिया कुरुक्षेत्र है अर्थात कर्म क्षेत्र है क्योंकि हमारे साथ हमारा किया हुआ अच्छा बुरा कर्म ही साथ जाने वाला है इसके अलावा हमारे साथ और कुछ भी नहीं जाता। ब्रह्मकुमारीज के स्थानीय सेवा केंद्र से जुड़े हुए सदस्यों ने कार्यक्रम स्थल पर आए हुए लोगों का पानी, प्रसाद,फल और फूल से भव्य स्वागत किया।कार्यक्रम में माउंट आबू से आए वीके शंभू, दयानंद,नवीन,बेगूसराय से पधारे बीके रणजीत, राजीव,राज ऋषि, स्थानीय सेवा केंद्र से नंदकिशोर,दिनेश, नरेश,गणेश, रंजन सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

# हत्या मामले के नामजद आरोपी गिरफ्तार

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

बखरी ( बेगूसराय ) ' बखरी पुलिस ने हत्या मामले के नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए अपर थानाध्यक्ष उदय शंकर कुमार ने बताया कि महादेव चक निवासी सुरेश महतो के हत्या मामले के नामजद आरोपी सरयुग महतो के पुत्र महेन्द्र महतो को गुप्त सूचना पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। बताते चलें कि सुरेश महतो के पुत्र रामनाथ महतो ने कुल नौ लोगों पर पिता को पीट-पीटकर मारने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

# हुसैनगंज प्रखण्ड में पैक्स चुनाव में 45 प्रतिशत मतदान हुआ , प्रशासन मुस्तैद रही

**हुसैनगंजा संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

- मतदान केंद्र पर तैनात पदाधिकारी, बूथों का निरीक्षण करते हुए पदाधिकारी,

सीवान जिले के हुसैनगंज प्रखण्ड क्षेत्र के पाँच पैक्सों में चौथे चरण में रविवार को प्रखंड के स्थानीय पंचायत खानपुर खैरांटी, मचकना, पूर्वी हरिहांस, हथौड़ा व छाता में 13 बूथों पर शांतिपूर्ण माहौल में लगभग 45 % मतदान हुआ. ठंड मौसम के कारण भी बुजुर्ग मतदाताओं में भी मतदान की गर्मजोशी ऐसी देखी गई. बूथ संख्या 1 हसनपुरवा में बुजुर्ग महिला तेतरिया देवी,छाता में बूथ संख्या 4 पर बुजुर्ग मतदाता झमन भगत,बब्बन भगत,भागमती देवी एवं दिव्यांग नन्द कुमार यादव ने अपने परिजनों के साथ

मतदान किया .वहीं बूथ संख्या 4 पर एक फर्जी मतदाता दूसरे के नाम पर वोट डाल दिया था. विदित है कि प्रखंड में मतदाताओं की कुल संख्या 8790 है जिसमें 4054 मतदाताओं ने अपने मतदान का प्रयोग किया.जिसको लेकर कुछ देर माहौल गर्म था. कड़ी व्यवस्था को लेकर एसडीपीओ अजय कुमार सिंह,थानाध्यक्ष विजय कुमार यादव,सीओ दिव्य प्रकाश सहित अन्य पदाधिकारी सभी 13 बूथों पर जाकर जायजा लिये.वहीं मतदान के दौरान जोनल मजिस्ट्रेट डीएसओ सीमा कुमारी, ऑब्जर्वर निशांत कुमार भी बुथों का निरीक्षण किया.साथ ही दो जोनल मजिस्ट्रेट,ऑब्जर्वर एवं निवार्ची पदाधिकारी राहुल कुमार ने दो दिसम्बर की सुबह पाँच प्रखण्डों के लिए होने वाले मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया. ????वहीं निवार्ची पदाधिकारी ने बताया कि दो दिसम्बर को सुबह 8 बजे से हुसैनगंज, आंदर,रघुनाथपुर, सिसवन एवं हसनपुरा प्रखण्ड की मतगणना अल्फाबेटिकल सिस्टम से प्रशासन के देख रेख में कराया जायेगा. उन्होंने बताया कि सभी प्रखण्ड के लिए अलग मतगणना काउंटर बनाया गया है. मतगणना केंद्र पर कोई हुल्लड़ या हंगामा नहीं हो इसको लेकर पुलिस व प्रशासन की व्यवस्था की गई है.

# थानेदार व महिला सीओ के बीच मारपीट

**मो. सदरे आलम नोमानी**

**सीतामढ़ी:**जिला के परिहार थाना परिसर में शनिवार को भरे जनता दरबार में थानेदार राजकुमार गौतम एवं सीओ मोनी कुमारी के बीच मारपीट हो गई।इसके बाद वहां अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। घटना की सूचना जिला मुख्यालय पहुंचते ही प्रशासनिक एवं पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।घटना की गंभीरता को देखते हुए डीएम रिची पांडे एवं एसपी मनोज कुमार तिवारी अधिकारियों की टीम के साथ परिहार पहुंचे। यहां बीडीओ के बंद चेंबर में अधिकारी द्वय ने सीओ मोनी कुमारी एवं थानाध्यक्ष राजकुमार गौतम से पूछताछ की। करीब आधे घंटे बाद डीएम एवं एसपी यहां से निकल गए। डीएम एवं एसपी ने मामले में आगे की कार्रवाई के लिए डीएसपी आशीष आनंद एवं एसडीओ को यहां छोड़ गए। कहा जा रहा है कि थाना का सीसीटीवी फुटेज निकाला जा रहा है। मामले को लेकर किसी भी अधिकारी का पक्ष नहीं आ सका है। बताया गया है कि थाना पर सीओ का जनता दरबार था। इसी बीच थानाध्यक्ष राजकुमार गौतम वहां पहुंचे। थाना अध्यक्ष ने शराब विनिष्टीकरण से संबंधित किसी पेपर पर साइन करने को कहा। लेकिन सीओ ने बाद में सिग्नेचर करने की बात कही।इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि धक्का मुक्की भी शुरू हो गई। इसी दौरान सीओ गिर गई। इसके बाद दोनों के बीच मारपीट भी हुई।

# समस्तीपुर। जिला एवं सत्र न्यायाधीश, डीएम.एसएसपी ने मंडल कारा, जिला बाल संरक्षण इकाई का किया निरीक्षण

**वरिष्ठसंवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

(दरभंगा) :- प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री विनोद कुमार तिवारी, जिलाधिकारी सह उपाध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री राजीव रौशन, वरीय पुलिस अधीक्षक सह सदस्य, जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री रंजन देव ने मंडल कारा, जिला बाल संरक्षण इकाई आदि का निरीक्षण किया।

मंडल कारा में सामान्य स्वच्छता, साफ-सफाई, शौचालय की स्थिति, बैरकों में सीपेज, पानी टंकी की आवश्यकता जैसे मूलभूत सुविधाओं आदि के संबंध में जानकारी ली गई।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने महिला बैरक में महिला बंदियों को कारा में मिलने वाली सुविधाओं के बाबत पूछताछ किया। उन्होंने पुरुष वार्डों का निरीक्षण कर कैदियों से विधिक सेवा के बारे में फीडबैक लिया। साथ ही जेल अस्पताल, रसोई घर, पुस्तकालय आदि की व्यवस्था को देखा।

उन्होंने कारा में पीने के पानी, कैदियों की शिक्षा एवं उनके मनोरंजन आदि की व्यवस्था को भी देखा।

उन्होंने कारा की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में भी मंडल काराधीक्षक से जानकारी लिया।

उन्होंने जे.जे.बी में आवासित बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं का जाएजा लिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की किसी भी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा आदि पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

# इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन का नया कदम: पत्रकारों के लिए डिजिटल सुरक्षा की पहल

**वरिष्ठसंवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

नई दिल्ली, 1 दिसंबर 2024: इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (क्क्अ) ने पत्रकारों के लिए डिजिटल सुरक्षा को लेकर एक नई पहल की घोषणा की है। इस पहल के तहत, एसोसिएशन पत्रकारों को साइबर हमलों, डिजिटल उत्पीड़न और ऑनलाइन हिंसा से बचाने के लिए एक व्यापक डिजिटल सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करेगा।पत्रकारों का काम अब सिर्फ छपाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वे अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल करके भी समाचार प्रसारित करते हैं। ऐसे में पत्रकारों के खिलाफ ऑनलाइन हमला और साइबर खतरे बढ़ते जा रहे हैं। इसके मद्देनजर एसोसिएशन ने यह कदम उठाया है ताकि पत्रकार अपनी ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर जागरूक रहें और उनका डिजिटल जीवन सुरक्षित रहे।

डिजिटल सुरक्षा प्रशिक्षण की मुख्य विशेषताएं:साइबर सुरक्षा शिक्षा: पत्रकारों को ऑनलाइन हमलों और हैकिंग से बचने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जाएगी।डेटा सुरक्षा: पत्रकारों को उनकी व्यक्तिगत और पेशेवर जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए सशक्त कदम उठाने की सलाह दी जाएगी।ऑनलाइन उत्पीड़न से बचाव: डिजिटल उत्पीड़न के खिलाफ पत्रकारों को कानूनी मार्गदर्शन और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जाएगी।एथिकल हैकिंग और सुरक्षा टूल्स: पत्रकारों को सुरक्षित नेटवर्क और एप्लिकेशन्स का उपयोग करने के बारे में जानकारी दी जाएगी।

क्क्अ की योजना:

इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन का मानना है कि पत्रकारों को केवल शारीरिक सुरक्षा की ही नहीं, बल्कि डिजिटल सुरक्षा की भी आवश्यकता है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जाहंगीर ने कहा, ह्लहमारा उद्देश्य पत्रकारों को एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण प्रदान करना है, ताकि वे बिना किसी डर के अपना काम कर सकें और स्वतंत्र रूप से खबरें साझा कर सकें।

उम्मीद की किरण:इस पहल के माध्यम से, एसोसिएशन पत्रकारों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षा और आत्मविश्वास देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। यह कदम न केवल पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि समाज में स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता को भी बढ़ावा देगा।

भविष्य की योजनाएं:

क्क्अ ने घोषणा की है कि आने वाले समय में पत्रकारों के लिए साइबर सुरक्षा कार्यशालाओं और कानूनी जागरूकता अभियान का आयोजन भी किया जाएगा, ताकि पत्रकार अपने डिजिटल अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें और सुरक्षित तरीके से काम कर सकें।

इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन की इस नई पहल से निश्चित रूप से पत्रकारों को एक सुरक्षित और समर्पित कार्यक्षेत्र मिलेगा, जिससे वे बिना किसी डर के अपने कर्तव्यों का पालन कर सकेंगे।

# गंगा नदीतंत्र में नदी पुर्नस्थापन (रिवर रँचिंग कार्यकम)का हुआ आयोजन

**वरिष्ठसंवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

(दरभंगा) :- गंगा नदी तंत्र में नदी पुर्नस्थापन (रिवर रँचिंग) कार्यक्रम के तहत दरभंगा जिले के बहेड़ी अंचल स्थित करेह नदी के कोठरा घाट में 2.60 लाख अंगुलिका का संचयन कर शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आम जनता उपस्थित हुए। जिसमें अपर समाहर्त्ता (आपदा प्रबंधन), दरभंगा, उप मत्स्य निदेशक (रा०प०ई०), मत्स्य निदेशालय, बिहार पटना, उप मत्स्य निदेशक, दरभंगा परिक्षेत्र, दरभंगा एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी, दरभंगा के द्वारा इस योजना के बारे में विस्तार से बताया गया।

बैठक में बताया गया कि बढ़ते बाहरीकरण, प्रदूषण एवं मानव जनित क्रियाकलापों के कारण नदियों में जलजीवों की संख्या, प्रजनक मछलियों एवं प्रजनन स्थल नष्ट हो जाने से मछलियों की संख्या लगातार घट रही है।

नदियों में सामान्यतः पाई जाने वाले मछलियों की घटती संख्या से जलीय पारिस्थिकी तंत्र एवं जैव विविधता पर प्रतिकूल असर हुआ है, जिससे मानव समुदाय पर भी प्रभावित हो रहा है।

प्राकृतिक जल संपदा को बचाने मत्स्यजीवी को जीविका का अतिरिक्त साधन उपलब्ध कराने तथा विलुप्त हो रहे एवं संकटग्रस्त मछलियों की प्रजाति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु नदी पुर्नस्थापन जैसे महत्ती उद्देश्यों की पूर्ति हेतु राज्य सरकार के द्वारा अपने संसाधन से प्रमुख नदियों में रिवर रैचिंग करने की योजना संचालित की जा रही है।

रिवर रैचिंग अर्थात नदी पुर्नस्थापन कार्यक्रम के तहत राज्य के गंगा नदी एवं प्रमुख सदाबहार सहायक नदियों यथा- करेह, कमला, बुढी गंडक, कोशी, बागमती आदि में वहाँ के मूल कार्य प्रजाति की बुडर से विभिन्न हैचरियों के द्वारा स्पॉनिंग कराकर तैयार की गयी अंगुलिकाओं की संचयन किया जाना है।

यह एक दीर्घकालीन कार्यक्रम है, जिसके तहत 08-10 साल तक रिवर रैचिंग कार्यक्रम के पश्चात इसका असर मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता पर दिखाई पड़ेगा।

# पांच पंचायत में पैक्स अध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न

**वरिष्ठसंवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

केवटी (दरभंगा)। प्रखण्ड के पांच पंचायत में पैक्स अध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो गया। पांच पैक्स चुनाव को लेकर 11 मतदान केन्द्र पर सुबह 7 बजे से शाम 4:30 बजे तक शांतिपूर्ण मतदान हुआ।वरीय उप समाहर्ता दरभंगा, श्री निशांत कुमार एवं अपर समाहर्ता, आपदा प्रबंधन दरभंगा श्री सलीम अख्तर बूथों का निरीक्षण किये। वहीं आरओ (सङ्सङ्)-सह-बीडीओ सुश्री रुखसार दिन भर प्रखण्ड क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर चुनाव कार्य का जायजा लेती रहीं । वहीं अंचल पदाधिकारी, श्री भास्कर कुमार मंडल, प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी श्री जय प्रकाश मंडल, प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी श्री नन्दन कुमार, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी श्री दिलीप कुमार सहित सेक्टर पदाधिकारी मोङ्खुरशीद आलम एवं विकास कुमार दत्ता अपने -अपने जोन व सेक्टर स्थित मतदान केन्द्र का दौरा करते रहे। प्रखण्ड में 53.38 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान समाप्ति के बाद सभी मतपेटी को प्रखण्ड कार्यालय में बने बज्र गृह में रखा जायेगा। जहां सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम किया गया है। शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रखण्ड मुख्यालय में कन्ट्रोल रूम से अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे थे।

# दरौली में अधिकतर पैक्सों पर वर्तमान अध्यक्षों का कब्जा बरकरार, समर्थकों में रहा उत्साह

**वरिष्ठसंवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

- दस पैक्स में से चार पैक्स पर वर्तमान पैक्स अध्यक्षों ने चौथी बार तो तीन पैक्स में वर्तमान पैक्स अध्यक्ष हैट्रिक लगाई

दरौली, सिवान:- दरौली प्रखंड तीसरे चरण में हुए दस पैक्सों मतदान के बाद शनिवार को हुए मतगणना में दस पैक्सों मे नौ पैक्स पर वर्तमान पैक्स अध्यक्षों का कब्जा बरकरार रहा, केवल एक पैक्स पर नए अध्यक्ष जलवा रहा।

जीरादेई मे बनें मतगणना केंद्र निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ शिखा दीप्ति ने परिणाम की घोषणा कर जीतें पैक्स अध्यक्षों व सदस्यों की सर्टिफिकेट दिया गया। दरौली पैक्स में वर्तमान अध्यक्ष राजकिशोर सिंह, करोम पैक्स से वर्तमान अध्यक्ष शकुंतला देवी, दोन पैक्स से वर्तमान अध्यक्ष लक्ष्मण राय, कुम्हटी भिटौली पैक्स में वर्तमान अध्यक्ष नवल किशोर पांडेय ने चौथी बार तों कशीला पैक्स से वर्तमान अध्यक्ष सिद्धेश्वर सिंह, कृष्णपाली पैक्स से वर्तमान पैक्स अध्यक्ष संजय सिंह, तीयर पैक्स से वर्तमान अध्यक्ष श्रद्धा सिंह ने हैट्रिक लगाई। वहीं हरनाटार पैक्स से वर्तमान अध्यक्ष फुल कुमारी देवी, डुमरहर पैक्स से वर्तमान अध्यक्ष यशोदा देवी दूसरी बार अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया , तों एक पैक्स बेलांव पैक्स अध्यक्ष निवर्तमान पैक्स अध्यक्ष को हराकर आर्यन राय उर्फ मुन्ना राय ने जीत दर्ज किया।

# मधुबनी जिला स्थापना दिवस इसका उद्घाटन जिला पदाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा, सुशील कुमार ,अनुमंडल पदाधिकारी सदर एवं उप विकास आयुक्त के द्वारा संयुक्त रूप से किया

**वरिष्ठसंवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**मो.अबु बकर सिद्दीकी**

मधुबनी जिला की स्थापना दिवस के अवसर पर कुश्ती, कबड्डी ,वालीबाल और बैडमिंटन खेलों का आयोजन मधुबनी के वाटसन स्कूल के प्रांगण में किया गया इसका उद्घाटन जिला पदाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा ,आरक्षी अधीक्षक , अनुमंडल पदाधिकारी सदर एवं उप विकास आयुक्त के द्वारा संयुक्त रूप से नारियल फोड़ कर तथा बच्चों से परिचय प्राप्त करके किया गया इसमें कबड्डी बालक वर्ग में मधुबनी टाउन ने मधुबनी सदर को 17-16 से हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया कबड्डी बालिका वर्ग में मधुबनी टाउन ने अंबेडकर विद्यालय को 12-5 से हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया इसी तरह वॉलीबॉल बालक वर्ग में पंडौल की टीम ने जयनगर की टीम को 2- 1 से हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया इसी तरह बालिका वर्ग में जयनगर की टीम ने पंडौल को 2- 0 से हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया जानकारी देते हुए कला संस्कृति सह जिला खेल पदाधिकारी नीतीश कुमार ने बताया कि बालिका वॉलीबॉल टीम में कई राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी माही कुमारी, काजल कुमारी, ललिता कुमारी, सोनी कुमारी ,चांदनी कुमारी, संजना कुमारी शिरकत कर रही है


हर किसी की ख्वाहिश होती है कि जीवन में कामयाब होने का सपना जो उसने देखा है वो समय से पूरा हो और उसे अपनी हर सोची हुई मंजिल प्राप्त हो। किसी भी क्षेत्र में कामयाब होने के लिए हर कोई अपने जब तक है जिंदगी मंजिलों का सफर कहां खत्म होता है! हम चाहें अगर तो आसमां के तारे भी तोड़ लाएं, हमें किसी ने कहां रोका है! ये कामयाबी मुबारक हो

आपने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए सच में प्रयास किया। बधाई हो, आपने 12वीं में पास होने पर स्वीकार की है!

# 'पहले निवेश के लिए जमीन नहीं मिलती थी'

## गोरखपुर में सीएम योगी बोले-अब निवेशकों की लाइन लग गई, युवाओं को भी रोजगार मिल रहा

**गोरखपुर।** सीएम योगी शनिवार को गोरखपुर पहुंचे। औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के स्थापना दिवस समारोह में निवेशकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा-पहले लोग उद्योग लगाने के लिए जमीन तलाशते थे। नहीं मिलती थी। आज गीडा 800 एकड़ा में फैल चुका है। निवेशकों की लाइन सी लग चुकी है। अब गीडा के पास लैंड बैंक होगा। कोई भी आकर यहां पर निवेश कर सकता है। इससे शौचालय, सड़क स्ट्रीट लाइट अन्य का विकास होगा। इसके साथ ही युवाओं को रोजगार मिलेगा। इसे कहते हैं मेक इन इंडिया। योगी ने कहा-भाजपा ने 30 हजार करोड़ का इन्सेंटिव निवेशकों को दिया है। ये सभी चीजें बताती हैं। यूपी निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। सुरक्षा के लिए तो यूपी जाना ही जाता था। हम 2029 तक यूपी की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रियल तक पहुंच देंगे। ये हमारा संकल्प है। बहुत कुछ आपको देखने को मिलेगा। यहां का प्रोडक्ट प्रदेश के अंदर भी, देश के अंदर भी और विदेश तक भी जाएगा। यहां का प्रोडक्ट जब लोग देखेंगे, तो जानेंगे कि यह भी कोई जगह है। सीएम योगी ने इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से जुड़ी कुल 209 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास किया। शिलान्यास के प्रोजेक्ट्स में 94 करोड़ के सिविल और 29 करोड़ रुपए के विद्युत कार्य शामिल हैं। जबकि लोकार्पण की परियोजनाओं में 72 करोड़ के सिविल और 14 करोड़ रुपए के विद्युत कार्य सम्मिलित हैं। पिछले स्थापना दिवस समारोह में गीडा ने नाइलिट (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) से एमओयू कर स्थानीय युवाओं के कौशल विकास के लिए 9280 वर्गमीटर का कैंपस, निर्मित भवन के साथ निशुल्क उपलब्ध कराया था। नाइलिट का गीडा कैंपस कौशल विकास का केंद्र बनकर उभरा है। यहां अभी तक 13 पाठ्यक्रमों में 617 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। गीडा के 35वें स्थापना दिवस समारोह में सीएम योगी नाइलिट से प्रशिक्षित पांच युवाओं को सर्टिफिकेट वितरित करेंगे।

# लखनऊ में गन्ना किसानों का हंगामा

**लखनऊ।** गन्ना किसानों का भुगतान नहीं होने से नाराज किसानों ने लखनऊ में बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड के ऑफिस का घेराव किया। बड़ी संख्या में किसान और महिलाएं ऑफिस के बाहर एकत्र हुए और जमकर हंगामा किया। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह ने कहा-लखीमपुर, सीतापुर और अन्य पूर्वी जिलों में अभी तक गन्ना किसानों को एक भी रुपया नहीं दिया गया। इसको लेकर किसान अनिश्चित कालीन धरना दे रहे है। 10 दिसम्बर को लखनऊ में महापंचायत होगी। प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह ने कहा- उत्तर प्रदेश में बजाज की 14 शुगर मिलें हैं। इनमें पश्चिमी यूपी की चार-पांच शुगर मिलों में आंशिक भुगतान किया गया है, लेकिन लखीमपुर, सीतापुर और अन्य पूर्वी जिलों में अभी तक एक भी रुपया नहीं दिया गया। हरिनाम सिंह ने कहा- प्रधानमंत्री डिजिटल इंडिया की बात करते हैं, लेकिन यहां किसानों को अपने हक के लिए सड़कों पर आना पड़ता है। इसके बाद किसानों ने गन्ना ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से उतार कर कार्यालय परिसर में रख दिया। हरिनाम सिंह ने कहा- 14 दिन में किसानों का बकाया 1,033 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाए, नहीं तो यहां से कोई किसान वापस नहीं जाएगा। उन्होंने आगे कहा- जिस व्यापारी की 14 शुगर मिल और पावर प्लांट हैं, उसके लिए 1,033 करोड़ रुपए बहुत छोटी रकम है। प्रशासन ने शुगर मिल का गेट खुलवा दिया है। हम अंदर बैठकर अपनी मांग रख रहे हैं। मुख्यमंत्री भी बगल में आएंगे, वह भी हमारी समस्या देखेंगे। विभूति खंड थाना क्षेत्र स्थित बजाज शुगर लिमिटेड कार्यालय के बाहर किसानों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर और अयोध्या समेत अन्य जिलों से भी किसान लखनऊ पहुंच रहे हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत रखने के लिए भारी बल तैनात कर दिया है। अधिकारी किसानों से बातचीत में लगे हुए हैं। किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने धरनास्थल पर एक बैनर लगाया है। इसमें 10 दिसंबर को लखनऊ में महापंचायत की सूचना दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह ने बताया कि गन्ना किसानों का अनिश्चित कालीन धरना चलता रहेगा। 10 दिसम्बर को महापंचायत में प्रदेश भर के गन्ना किसान जुटेंगे।

# लाडले अर्णव के जन्मोत्सव पर हुआ पौधरोपण

संवाददाता

**कसया, कुशीनगर।** नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण संग जन्मोत्सव अभियान के क्रम में अंतरराष्ट्रीय बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित अनिरुधवा में शनिवार को पत्रकार हृदयानंद शर्मा के पोते लाडले अर्णव के जन्मोत्सव पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन कर पौधे को ब्रिक गार्ड से सुरक्षित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा किसान सभा के जिला सचिव ध्रुव सिंह पटेल ने कहा कि नयी दिशा द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर चलाया जा रहा अभियान सराहनीय है। स्वच्छ वातावरण के लिए पौधरोपण जरूरी है। समाजसेवी ओमप्रकाश कुशवाहा ने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए अधिकाधिक मात्रा में फलदार, औषधीय, इमारती पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए लाभदायक है। दया शंकर सिंह ने कहा कि पौधों से बहुत लाभ है। अपने घर होने वाले कार्यक्रमों के तहत हर व्यक्ति पौधे लगाए तो धरती हरी भरी रहेगी। इस दौरान पत्रकार मस्तराज सिंह, राम प्रसाद कुशवाहा, राकेश सिंह, डा0 जेपी शर्मा, आदित्य कुशवाहा, विपुल शर्मा, निखिल प्रताप, नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र आदि उपस्थित रहे।

# विधायक पी.एन पाठक ने कार्यकताओं संग देखी द साबरमती रिपोर्ट

संवाददाता

**कसया, कुशीनगर।** शनिवार को कुशीनगर विधायक पी.एन पाठक ने पडरौना के एक सिनेमा हॉल में क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकताओं और पदाधिकारियों के साथ गुजरात पर आधारिक द साबरमती रिपोर्ट फिल्म देखी। फिल्म में कलाकारों द्वारा किए गए अभिनय और एक खास मुद्दे पर सच्चाई को दिखाने पर विधायक पी.एन पाठक ने मुक्तकंठ से सराहना की। इस दौरान फिल्म देखने के दौरान भाजपा सैकड़ों कार्यकताओं व पदाधिकारियों से हाल भरा रहा। सभी ने गुजरात पर आधारित फिल्म को पसंद किया। फिल्म देखने के बाद विधायक पी.एन पाठक ने कहा कि इस फिल्म में एक सत्य को देशवासियों के सामने लाने का बड़ा और सफल प्रयास किया गया है। मैं द साबरमती रिपोर्ट की पूरी टीम व कलाकारों को बधाई देता हूं जिन्होंने इस वास्तविक सच को देश की जनता के सामने फिल्म के माध्यम से बाहर लाने का सफल प्रयास किया है। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि रुद्र प्रकाश सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव,शैलेन्द्र सिंह, अमित मालवीय, राज पाठक, संजीव सिंह सिब्लू, दिनेश तिवारी समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

# ब्रजेश पाठक ने ईंट से ईंट बजाकर तोड़ी

## बोले- एक-एक चवन्नी वसूल करूंगा, वाराणसी में कहा- अखिलेश अपने गिरेबान में झांकें

**वाराणसी ।** डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक शनिवार को पहले वाराणसी और फिर मुगलसराय के चंदौली पहुंचे। चंदौली के महेवा में बन रहे ट्रामा सेंटर का निरीक्षण करते समय ईंट की खराब क्वालिटी देखकर भड़क गए। उन्होंने दो ईंटों को आपस में टकरा कर कहा- ये कौन-सा ईंट यूज किया जा रहा है? ये बजाते ही टूट जाएगी। बिल्डिंग की नींव देख कर बोले- ऐसे कौन बनाता है। आप लोगों ने जो तमाशा किया है। आप लोगों से एक-एक चवन्नी वसूल करूंगा। आप लोगों ने बेस पिलर की हालत खराब कर रखी है। पाठक ने काम करने वाली संस्था को जमकर फटकार लगाई। साथ ही मौके पर मौजूद मुख्य विकास अधिकारी को संस्था को ब्लैकलिस्ट करने और सरकारी धन की रिकवरी का आदेश दिया। डिप्टी सीएम ने कहा- यह सरकार के धन की खुली बबार्दी है। उन्होंने कार्यदायी संस्था के इंजीनियर को फटकार लगाते हुए चेतावनी दी कि इस तरह की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी। पाठक ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों के लिए धन आवंटित करती है, ताकि जनता को बेहतर सुविधाएं मिलें। इस तरह की लापरवाही और भ्रष्टाचार कतई स्वीकार्य नहीं है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक वाराणसी में 51 शक्तिपीठों के साथ द्वादश ज्योतिर्लिंग समागम कार्यक्रम में पहुंचे।

उन्होंने कहा- कानून व्यवस्था से छेड़छाड़ करने की इजाजत किसी को भी नहीं है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। संभल की घटना समाजवादी पार्टी के अपराधियों की देन है। जो संभल के अपराधी हैं, वो सब समाजवादी हैं। देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। सपा डेलिगेशन के संभल जाने पर कहा- अखिलेश यादव को सबसे पहले अपनी समाजवादी पार्टी को संभालना चाहिए। उसके बाद संभल को देखना चाहिए। संभल और आसपास में जिस तरह से उनके सांसद और विधायक आपस में लड़ रहे हैं। सिर फुटौव्वल कर रहे हैं। ऐसे में वह संभल की घटना पर विचार व्यक्त न करें तो अच्छा है। उन्होंने कहा- सपा के लोग संभल को राजनीतिक पर्यटन समझ रहे हैं। ये लोग ऐसी घटनाओं पर राजनीतिक पर्यटन की दृष्टि से जाते हैं। अखिलेश अभी तक यूपी में हुए उपचुनाव की हार से उभर नहीं पाए हैं। इसलिए वह तरह-तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। हम संभल में कानून व्यवस्था को मेंटेन करेंगे। अपराधियों पर ऐसे ही अंकुश जारी रहेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद डिप्टी सीएम ने कहा- सनातन धर्म पर जब भी अवसर मिलता है। लोग अनाप-शनाप बोलकर सुर्खियों में आ जाते हैं। हम पूरी दुनिया को परिवार मानते हैं। फिर भी हम पर हमला होता है। लेकिन हमारी संस्कृति ने दुनिया को मार्ग दिखाने का काम किया। उन्होंने कहा- बाबा की कृपा से कुछ तो होने वाला है। 2014 से पहले बहुत सी सरकार बनी, लेकिन 2014 के बाद से सनातन सोच की धारा बढ़ी। यह सब पीएम मोदी के चलते हुआ। उन्होंने कहा- हम अच्छा काम करेंगे तो हमारी आत्मा परमात्मा में विलीन होगी। वो लोग जाएंगे तो उनको हूरें मिलेंगी। सनातन को लोग तोड़ने का काम कर रहे हैं। वोट लेकर सिर्फ सत्ता लेना चाहते हैं।

# शिविर जीवन में अनुशासन, नेतृत्व व सेवा भावना विकसित करता है: अजय त्रिपाठी

संवाददाता

**कुशीनगर।** फाजिलनगर के सेंट जोसेफ स्कूल में चल रहे तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर के समापन के अवसर पर शिविरार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सबका मन मोह लिया। अन्त में बेहतर करने वाले छत्र छात्राओं को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत आरटीओ परिवहन अजय त्रिपाठी ने शिवरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड का शिविर जीवन में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा भावना विकसित करने की प्रेरणा देता है। शिविर में मिले अनुभव को आत्मसात कर आप अपने जीवन को सुंदर और अनुशासित बना सकते हैं। यह शिविर भविष्य में आपके कार्यक्षेत्र और व्यक्तिगत जीवन में अमूल्य योगदान देगा।भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डा.सत्येंद्र सिन्हा ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि स्काउट गाइड के प्रशिक्षण की अपनी एक अलग पहचान है। भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम पांडेय ने कहा कि यह छात्रों को आत्मनिर्भरता और समाजसेवा की दिशा में प्रेरित करता है। विद्यालय के निदेशक सीओ जोश ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिविर में सिखाई गई बातें उनके जीवन को नई दिशा देंगी। शिविर में प्रशिक्षक एमडीआई खान और जेपी रावत ने छात्रों को विभिन्न प्रकार की कौशल और तरकीबें सिखाई, जिनमें प्राथमिक उपचार, अनुशासन, और नेतृत्व क्षमता का विकास शामिल था। इसके बाद अतिथियों ने शेयर का निरीक्षण किया। शिवर में प्रथम ,द्वितीय और तृतीय स्थान लाने वाले टोलियों का मेडल एयर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। संचालन शिक्षकअजय उपाध्याय ने किया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष शत्रुमर्दन शाही, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला,मुजिबुल्लाह राही,कवि मनंजय तिवारी निर्मल,विद्यालय परिवार की प्रधानाचार्य श्रीमती जेसी जोश,बी. जमा,अशोक राय, सुधाकर मणि त्रिपाठी, प्रमोद पाण्डेय, उपेंद्र नाथ त्रिपाठी,संजय राय, रीतेश पांडेय,शुभम पांडेय, अनुराग मिश्र, आशीष पांडेय, वंदना मिश्रा,रीना गुप्ता,अंकिता राय, प्रवीनजहां, अर्चिता ,इशरत जहां, सहित सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

## संक्षिप्त डायरी

### धम्म चारिका पदयात्रा 8 दिसम्बर को बुद्ध स्थली पहुंचेगी

संवाददाता

**कुशीनगर।** बीते 16 नवम्बर को सारनाथ से शुरू हुई विशाल धम्म चारिका पदयात्रा आगामी 8 दिसम्बर को बुद्ध की महा परिनिर्वाण स्थली कुशीनगर पहुंचेगी। जहां धम्म देशना व पदयात्रा का समापन होगा। धम्म चारिका पदयात्रा संयोजक व पूर्व अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान भिक्षु चंदिमा के हवाले से देते हुए टीके राय ने देते हुए बताया कि यात्रा बुद्ध के प्रथम उपदेश स्थल सारनाथ से शुरू हुई यात्रा बनारस, गाजीपुर, बलिया देवरिया, गोरखपुर, महराजगंज होते हुए 7 दिसम्बर शनिवार को कुशीनगर में प्रवेश करेगी। रामकोला में भोजन दान व टेकुआटार में रात्रि विश्राम होगा। अगले दिन रविवार को धम्म चारिका पदयात्रा कुशीनगर पहुंचेगी। जहां मुख्य महा परिनिर्वाण मन्दिर में भिक्षु व उपासक पूजन अर्चन करेंगे।

### गोरखपुर में मिला युवक का शव: शरीर पर चोट के गहरे निशान

**गोरखपुर ।** एक 28 साल के युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में रेलवे परिसर के पास मिला। घटना सहजनवां इलाके में वार्ड नंबर 14 लुचुई की है। युवक के सिर और शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे, जिससे खून बह रहा था। परिवार वालों ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए मामले की गहराई से जांच की मांग की है। दरअसल, शनिवार सुबह रेलवे स्टेशन के पश्चिमी हिस्से में खाली पड़ी जमीन पर कुछ स्थानीय लोगों ने खून से लथपथ शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान वार्ड नंबर 7 निवासी अनिल (पुत्र सुरेंद्र) के रूप में की। घटनास्थल पर पहुंचे स्वजनों ने मृतक के सिर और शरीर पर चोट के गहरे निशान देखकर हत्या का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसी ने अनिल की हत्या कर उसका शव यहां फेंका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अनिल तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था और अविवाहित था। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है, और वे मजदूरी कर अपनी जीविका चलाते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि अनिल नशे का आदी था, जिससे उसकी जीवनशैली और सामाजिक संबंधों पर असर पड़ा था। घटनास्थल के पास गांजे की दो अवैध दुकानें संचालित होने की जानकारी मिली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अनिल गांजा पीने का आदी था और संभवतः नशे के दौरान किसी विवाद के कारण उसकी हत्या हुई। पुलिस ने हत्या की आशंका को ध्यान में रखते हुए एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। सहजनवां थाने के प्रभारी विशाल उपाध्याय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण का पता चल सकेगा। हालांकि, मृतक के परिवार ने अब तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

### लखनऊ के फर्नीचर गोदाम में भीषण आग, निकलीं चीखें

**लखनऊ ।** शक्ति नगर स्थित रिहायशी इलाके में अवैध रूप से चल रहे फर्नीचर गोदाम में शुक्रवार शाम को आग लग गई। वहां काम करने वाले 40 लोगों की जान खतरे में पड़ गई। गोदाम में खाना बना रही महिला का कहना है, कि शाम को खाना बना रहे थे, तभी गद्दा कारखाना में एक गद्दे से धुआं निकला और फिर लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ऐसी फैली कि पूरे कारखाने को चपेट में ले लिया। केमिकल, रंग, खाने और काम में प्रयोग होने वाले छोटे सिलेंडरों के धमाके होने लगे। मजदूर से लेकर मालिक तक जान बचाने के लिए बाहर भागे। कोई दीवार चढ़कर भागा तो कोई खिड़की से कूदकर भागा। हम गेट के पास थे तो बच्चों के लेकर बाहर आ गए। यह कहना है बहराइच की रहने वाली नूरबानो बानो का। वो करीब 13 साल से यहां पर पति और बच्चों के साथ दिहाड़ी पर काम करती हैं। मूल रूप से बहराइच के वजीरगंज निवासी अली हुसैन की पत्नी नूरबानो घटना के बाद कारखाने के बाहर बच्चों के साथ बैठी रोती रहीं। उनका कहना है कि आग से पूरी गृहस्थी जल गई है। आग लगते ही बेटे महताब, बेटी साफिया और सदान को गोद में लेकर बाहर भागीं। पति कुछ सामान उठाने के चक्कर में आग में ही फंस गए थे। एक गद्दा जलता हुआ उनके पास गिरा, लेकिन ऊपर वाले ने उन्हें बचा लिया। किसी तरह से उनकी जान बच गई। गद्दा कारखाने में काम करने वाले अनिल कुमार ने आंखों देखी बताई। उन्होंने ही सबसे पहले आग लगते देखा और आग बुझाने में झुलस भी गए। अनिल ने बताया कि बिजली के बोर्ड के पास गद्दा रखा था। तभी अचानक आग लग गई।

## पहला पेज का शेष

### प्रचंड जीत के...

हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि अडानी के साथ बाकी देशवासियों से अलग व्यवहार किया जाएगा। देश का संविधान सभी लोगों, क्षेत्रों और राज्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार की बात कहता है। फिर भी प्रधानमंत्री मोदी ने त्रासदी झेलने वाले वायनाड को सहायता नहीं दी। प्रधानमंत्री के पास मीडिया, पैसा, खुफिया एजेंसियां, सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग सहित पूरी सरकार है, वहीं कांग्रेस के पास लोगों का समर्थन है। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस, भाजपा की विचारधारा को हराएगी।

वहीं प्रियंका गांधी ने अपने भावनात्मक संबोधन में कहा कि सांसद बनाने के लिए वह वायनाड की जनता को तहे दिल से धन्यवाद देती हैं। यह उनका पहला चुनाव था। उन्हें वायनाड का हर एक व्यक्ति याद है, जिसने प्रचार के दौरान उनका स्वागत किया और अपना स्नेह दिखाया।उन्होंने कहा कि वह वायनाड की जनता की आवाज को मजबूती से उठाएंगी और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए अथक प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि उनके कार्यालय और घर के दरवाजे जनता के लिए हमेशा खुले हैं। वह वायनाड की जनता के लिए मजबूत, बेहतर भविष्य बनाने की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने यूडीएफ के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। वायनाड सांसद ने मुंडक्कई और चूरलमाला में हुए भूस्खलन का भी जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर संस्थाओं को नष्ट करने का आरोप लगाया। प्रियंका गांधी ने कहा कि हमारी लड़ाई संविधान के बुनियादी मूल्यों के लिए है। उन्होंने वायनाड के स्थानीय मुद्दों जैसे रात्रि-प्रतिबंध, मानव-पशु संघर्ष, स्वास्थ्य सेवाओं और बेहतर शिक्षा की आवश्यकता का भी उल्लेख किया। इस दौरान कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, वीडी सतीसन, मुरलीधरन समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

जानकारी

# सोने से पहले पैरों की मालिश करना कई वजहों से फायदेमंद

सिर पर तेल की मालिश लंबे समय से सिरदर्द के इलाज, तनाव को कम करने और थकान के प्रभावी उपचार के लिए एक आसान और बेहतर उपाय है। आज बाजार में कई तरह के तेल उपलब्ध हैं, जिनके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। वहीं कुछ लोग एक थका देने वाले सप्ताह के बाद आराम करने के लिए बॉडी मसाज का भी सहारा लेते हैं। चाहे वह त्वचा हो या बाल, विभिन्न प्रकार के तेल हमेशा एक बेहतर इलाज के विकल्प बने रहते हैं। शारीरिक गतिविधियों और व्यस्त कार्यक्रम से पैरों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। दर्द को ठीक करने का सबसे सरल उपचार है कि आप आराम से पैर की मालिश करें। वहीं पैर की मालिश से सिर्फ आपके पैरों को ही आराम नहीं मिलता, बल्कि इसके कई और स्वास्थ्यकारी फायदे भी हैं। नेचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. निलोफर उस्मान खान नियमित रूप से सोने से पहले 10 से 15 मिनट तक पैरों की मालिश करने के कई फायदे बताती हैं। आइए हम आपको बताते हैं इसके बारे में।

## जोड़ों के दर्द के लिए मालिश फायदेमंद

सोने से पहले पैरों की तेल मालिश उन लोगों के लिए बहुत अच्छी है, जो नियमित रूप से जोड़ों में दर्द की शिकायत करते हैं। बस तेल लगाना और दर्दनाक जोड़ों की मालिश करना सबसे अच्छा घरेलू उपाय है, जो कष्टदायी दर्द से तुरंत राहत प्रदान करता है। दर्दनाक जोड़ों पर तेल की मालिश का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे थोड़ा गर्म किया जाए। गुनगुना तेल न सिर्फ जोड़ को मजबूत बनाता है बल्कि दर्द और परेशानी से छुटकारा पाने में मदद करता है। इसके अलावा, नियमित रूप से तेल की मालिश हड्डियों में विकृति से छुटकारा पाने के लिए भी एक अच्छा उपाय है। यही कारण है कि नवजात शिशुओं के लिए तेल की मालिश बहुत जरूरी है।

## पीएमएस के दौरान मिलता है आराम

पीएमएस यानी कि प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम। यह समस्या लाखों महिलाओं को सताती है। महिलाओं को पता है कि वे पीएमएस के दौरान काफी कर्कश हो जाती हैं। साथ ही उन्हें सोने में परेशानी है और कमर में दर्द का भी सामना करना पड़ता है। पीएमएस की वजह से होने वाले दर्द और कर्कशता से राहत पाने के लिए कोई दवा पर्याप्त नहीं है। पर इसमें पहले पैरों की मालिश काम आ सकती है। इसके लिए आप सरसो के तेल को गर्म करके तलवों में और पैरों में लग सकती हैं। इसके अलावा इसे आप अपनी कमर में भी लगा सकती हैं। इस तरह ये आपको काफी आराम पहुंचाएगा। साथ ही साथ आपका माथा भी ठंडा कर देगा और आप स्ट्रेस फ्री फील करेंगी।

## ब्लड सर्कुलेशन को बनाती है बेहतर

हमारे शरीर में ब्लड कई अंगों को ऑक्सीजन व पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है। सोने से पहले कुछ मिनट पैर की मालिश करने से आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पैर और तलवों में कई सारे प्रेशर प्लाइंट्स है, जिन्हें तेल मसाज से फायदा मिलता है। इस तरह तेल मसाज करने से आपको कुछ ही समय में तनाव से छुटकारा मिल सकता है। यह न केवल आपको आराम देता है बल्कि नींद को प्रेरित करता है। साथ ही, मांसपेशियों में ऐंठन और थकान की संभावना को कम करने के लिए उचित रक्त परिसंचरण के लिए भी जरूरी है। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आप पाएंगे कि तेल मालिश से आपके पूरे शरीर को आराम मिल रहा है।

## लो ब्लड प्रेशर का बेहतर इलाज

शरीर को बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए, हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। यदि आप उन लोगों में से हैं, जिनका शरीर बहुत जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है, तो अपने ब्लड प्रेशर का ध्यान रखें। कारणों और अन्य कारकों के आधार पर लो ब्लड प्रेशर को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। इन कारकों में मानसिक विकार, खाने के बाद तंत्रिका तंत्र को नुकसान, और यहां तक किसी चीज की कमी के कारण भी अचानक खड़े होने से आपको लो ब्लड प्रेशर की परेशानी हो सकती है। ऐसे में सोने से पहले 10 मिनट के लिए अपने पैरों की मालिश करें। यह शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को नियंत्रित करेगा, जिससे एक आरामदायक नींद आएगी और धीरे-धारे आपका ब्लड प्रेशर नॉर्मल हो जाएगा।

# माइग्रेन को लेकर आपके मन में हैं ये भ्रम? तो जानें इनके पीछे की सच्चाई

माइग्रेन से पीड़ित व्यक्तियों में गंभीर सिरदर्द के साथ-साथ मतली, उल्टी और लाइट के प्रति सेंसिटिविटी के साथ इसे संदर्भित किया जाता है। औसतन लोगों में माइग्रेन का दर्द 4 घंटे से 3 दिनों तक रहता है और कभी-कभी अधिक समय तक के लिए भी बढ़ सकता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में माइग्रेन आम तौर पर अधिक पाया जाता है। माइग्रेन के कारणों में लाइफ स्टाइल के अलावा भी कई और वजह हैं। वहीं माइग्रेन के कारण मस्तिष्क में परिवर्तन के साथ-साथ परिवारों में चलने वाले जीन से संबंधित भी हो सकते हैं। आप इसे इनहेरीटेड ट्रिगर भी कर सकते हैं, जो आपको थकान, तेज रोशनी, सिरदर्द, मौसम परिवर्तन और अन्य जैसे कई कारणों से माइग्रेन देता है। पर आम लोगों में माइग्रेन से जुड़े कुछ मिथक या कहें कि भ्रम भी हैं। आइए आज हम आपको इन मिथकों से जुड़े कुछ तथ्य भी बताते हैं।

आम लोगों में माइग्रेन को लेकर कई गलतफहमियां भी हैं, जिस पर भरोसा करने से पहले आप उसके पीछे के साइंस और अपने डॉक्टर की राय जरूर जान लें।

## माइग्रेन के जुड़े 4 मिथक और उनके पीछे के तथ्य

### मिथक 1

#### सिर्फ सिरदर्द है माइग्रेन

अक्सर लोगों को लगता है कि माइग्रेन सिर्फ एक सिरदर्द है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। दरअसल बहुत से लोगों को लगता है कि माइग्रेन एक तरह का तेज सिरदर्द होता है, जबकि साइंस की मानें, तो माइग्रेन में सिरदर्द सिर्फ एक लक्षण है, जबकि इसके कई और भी लक्षण हैं। सिरदर्द के साथ-साथ, माइग्रेन में मतली, लाइट के प्रति सेंसिटिविटी, एकाग्रता में कठिनाई, चक्कर, कमजोरी, उल्टी और चेतना की हानि का कारण बनता है। माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें मस्तिष्क में कभी-कभी कार्यात्मक और संरचनात्मक परिवर्तन होते हैं। इसके अलावा, माइग्रेन की कई और विशेषताएं भी हैं। सिरदर्द विकारों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण ढांचा है, जिसका उपयोग डॉक्टर सिरदर्द के दर्द को मापने के लिए कर सकते हैं और अमेरिकन माइग्रेन फाउंडेशन ने माइग्रेन से पीड़ित लोगों को इसे निर्धारित करने में कई मापदंड बनाए हैं। माइग्रेन सिर दर्द से अलग है, क्योंकि इसकी अवधि, गंभीरता और लक्षण इसे कई और तरह से अलग करते हैं।

### मिथक 2

#### कैफीन ही माइग्रेन का कारण है

हमेशा कैफीन माइग्रेन का कारण नहीं होता है, बल्कि कैफीन कुछ सबसे प्रभावी सिरदर्द दवाओं में पाया जाता है। कई रोगियों के लिए कॉफी या सोडा जैसे कैफीनयुक्त पेय सिर दर्द को कम करने में मदद करता है। आपके लिए कैफीन दैनिक सिरदर्द में भी कारगार साबित हो सकता है। इसके अलावा भी कैफीन के कई और नुकसान हो सकते हैं, माइग्रेन ही अकेला क्यों? दरअसल बात ये है कि सभी को कैफीन से जुड़ी ये कोई भी चीज एक नियमित मात्रा में ही लेनी चाहिए। इसके अलावा अपने बाकी जीवनशैली का ख्याल रखें, क्योंकि कुछ प्रमाण हैं कि बार-बार माइग्रेन होने के पीछे न्यूट्रास्युटिकल कारण हो सकते हैं। इसके अलावा आपके खाने से मिलने वाले कुछ पदार्थों में राइबोफ्लेविन (विटामिन -बी 2) कोएंजाइम और मैग्नीशियम भी कारण हो सकते हैं। इसके लिए किसी भी डॉक्टर या सिरदर्द विशेषज्ञ से पूछें और वे आपको बताएंगे कि इसके इलाज में पूरक आहार को सर्वोत्तम रूप से कैसे और किस तरह से लें।

#### माइग्रेन से बचने का उपाय

आमतौर पर माइग्रेन को ट्रिगर में अल्कोहल, ग्लूटेन, मोनोसोडियम ग्लूटामेट और हिस्टामाइन युक्त खाद्य पदार्थ, डार्क चॉकलेट आदि शामिल हैं, तो इसे ठीक करने के लिए इन चीजों का सेवन कम करें या बंद करें, क्योंकि हर रोगी के शरीर में भोजन की प्रक्रिया अलग-अलग होती है। माइग्रेन से पीड़ित लोग के लिए सबसे अच्छा उपाय ये हैं, अपने माइग्रेन को ट्रिगर्स करने वाले कारणों को जानें और ज्यादा से ज्यादा उससे बचने की कोशिश करें। इसके साथ ही स्ट्रेस, गलत जीवनशैली और देर रात तक जागने की आदत पर कंट्रोल करने की कोशिश करें।

### मिथक 3

#### केवल महिलाओं और वयस्कों को माइग्रेन होता है

माइग्रेन बच्चों को भी हो सकता है। वास्तव में, पांच साल से छोटे बच्चे माइग्रेन के सिरदर्द का अनुभव कर सकते हैं। वे पेट में दर्द, चिड़चिड़ापन, एपिसोडिक भ्रम, गंभीर चक्कर आना, एकाग्रता में कठिनाई और अत्यधिक थकान महसूस कर सकते हैं। महिलाओं को माइग्रेन होने की संभावना तीन गुना अधिक होती है, लेकिन पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित होते हैं, जैसे कि 18-20 प्रतिशत महिलाएं, तो 8-10 प्रतिशत पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित हैं। इसलिए किसी विशेष आयु वर्ग और लिंग को किसी भी बीमारी से जोड़ना गलत है।

### मिथक 4

#### माइग्रेन को ठीक करने के लिए लें ज्यादा से ज्यादा दवाइयां

दुर्भाग्य से, व्यक्तिगत तौर पर माइग्रेन के इलाज के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा दवाइयों की मदद लेने के बारे में सोचते हैं। हालांकि ये गलत है। दवाईयां वास्तव में इसे बदतर बना सकती है। माइग्रेन के साथ रहने वाले कुछ लोग 'रिबाउंड सिरदर्द' की शिकायत करते हैं, लेकिन उस घटना के लिए चिकित्सा शब्द 'मेडिकेशन ओवर्यूज सिरदर्द' है। तीव्र माइग्रेन के दर्द का इलाज करने के लिए बहुत अधिक दवा लेने से भविष्य में अधिक लगातार और अधिक गंभीर माइग्रेन के होने का खतरा पैदा हो सकता है। यहां तक कि इसका इलाज करना और अधिक कठिन हो सकता है।

सेहत

# रात में केला खाने से नहीं होता कोई नुकसान

वैसे तो लोग सभी फ्रूट्स को सेहतमंद मानते हैं, लेकिन कुछ फ्रूट्स ऐसे होते हैं, जो हमारे लिए काफी फायदेमंद होते हैं। केला एक ऐसा ही फल है, जो पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में खाया जाता है। केले में बहुत से जरूरी न्यूट्रीएंट्स और विटामिन मौजूद हैं, जो हमारे शरीर में कई तरह की पूर्ति करता है। येलो फ्रूट्स में फाइबर, पोटैशियम, मैगनेशियम, कैल्शियम और विटामिन मौजूद होते हैं। यह हमारे वजन को कम करने के साथ ही हमारे हार्ट को भी स्वस्थ रखता है, लेकिन कई लोग मानते हैं की केले का रात में सेवन करने से सर्दी और खासी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

## नींद को और अच्छा बनाने में मददगार है येलो फ्रूट्स

रात में केले का सेवन करने से कोई परेशानी हो सकती है या नहीं इसका कोई साइंटिफिक प्रूफ सामने नहीं आया है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक केले का सेवन रात में करने से कई तरह की दिक्कत हो सकती है। जैसे की सर्दी होना या फिर गला बंद हो सकता है। फ्रूट्स की बात करें तो केला एक ऐसा फ्रूट है, जो भारी मात्रा में हमें स्वस्थ रखने का काम करता है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक, रात में केले का सेवन करना सही नहीं। रात में केले का सेवन करना इसलिए हानिकारक है, क्योंकि रात के समय हमारे शरीर में मैटाबॉलिसम कम होता है जिससे केला हमारे पेट में कई दिक्कतें पैदा करता है।

अध्ययन में इस बात का पता चला कि येलो फ्रूट्स में कई तरह के जरूरी न्यूट्रीएंट्स होते हैं, जो हमारी नींद को और अच्छा बनाने में मदद करता है। इसके अलावा आप अगर नींद के लिए किसी गोली या दवाई का सेवन कर रहे हैं तो आप उन दवाई को छोड़कर रात में पहले केले का सेवन कर सकते हैं। एक केले में लगभग 105 कैलोरी होती है। आप रात में 500 से कम कैलोरी का सेवन करना चाहते हैं तो, दूध के साथ 2 केले खाना आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। अगर आधी रात में मीठा खाने की इच्छा होने लगे तो केला खा लें। केले की मिठास आपकी लालसा को दूर करने में मददगार साबित होती है।

यदि आप शाम के समय में एक्सरसाइज करने के बाद केला खाते हैं, तो लाभदायक होगा। एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग मसालेदार फूड ज्यादा खाते हैं। उनके लिए रात में केला खाना फायदेमंद है। दरअसल, ज्यादा मसाले वाली चीजें खाने से सीने में जलन होने लगती है, लेकिन रात में एक केला खाने से जलन की समस्या दूर हो सकती है। इसके साथ ही मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा के कारण केला आसानी से पच जाता है, जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म दुरुस्त रहता है।

केले में पोटैशियम की मात्रा अधिक और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए यह ब्लड सर्कुलेशन और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में कारगर होता है। केले में खास तरह के प्रोबायोटिक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जो खाने से कैल्शियम को मात्रा को सोखते हैं। कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाती है और उम्र बढ़ने के साथ ही हड्डियों से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं को भी दूर रखती है। अगर आप फिर भी रात में केले का सेवन नहीं छोड़ना चाहते तो आप उसका सेवन कर सकते हैं, क्योंकि केले का सेवन रात में करने से किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता, लेकिन कभी कभी आपको इसका त्याग करना जरूरी है। आप जब सर्दी, खासी, अस्थमा या फिर वजन कम कर रहे हों तो आपको केले का सेवन छोड़ना होगा।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

## काकुरो पहेली - 3367

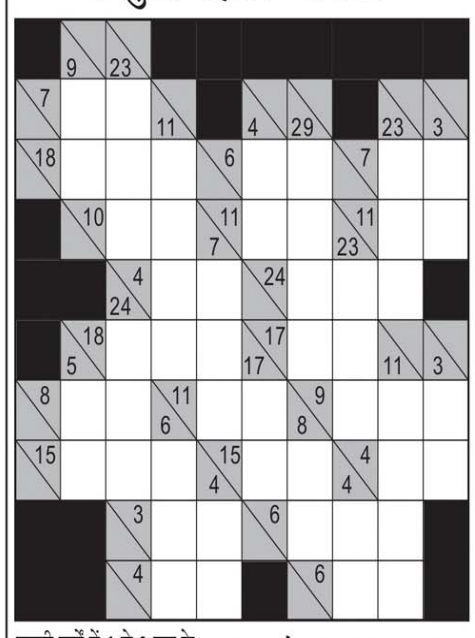

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

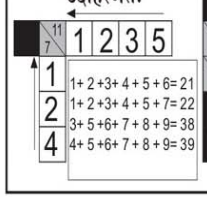

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3366 का हल

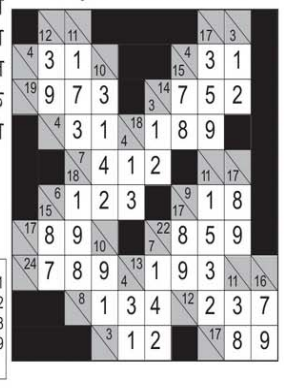

## हंसी के फूव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.

बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते ?

भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं ?

'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे ?'

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय, मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है ?'

प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'

दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी ?'

पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से) भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.

दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

## फिल्म वर्ग पहेली - 3367

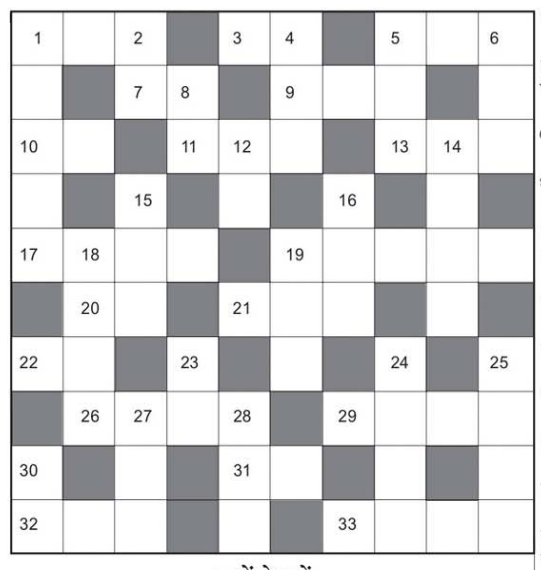

**बायें से दायें:-**

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

**ऊपर से नीचे:-**

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3266

## सूडोकु -3367

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 2 | | | | 1 | | |
| | | | | 2 | 5 | 7 | 3 | |
| | 9 | 4 | | 6 | 7 | | | 2 |
| | 5 | | 4 | | 3 | | | 9 |
| | 8 | | | 9 | | | 7 | |
| 1 | | | 6 | | 8 | | 2 | |
| 6 | | | 7 | 4 | | 9 | 5 | |
| | 4 | 5 | 8 | 3 | | | | |
| | | 8 | | | | 6 | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3366 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 1 | 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 |
| 8 | 2 | 3 | 4 | 5 | 9 | 1 | 7 | 6 |
| 4 | 5 | 7 | 1 | 6 | 8 | 3 | 9 | 2 |
| 5 | 6 | 8 | 7 | 1 | 2 | 9 | 3 | 4 |
| 1 | 7 | 4 | 9 | 8 | 3 | 2 | 6 | 5 |
| 2 | 3 | 9 | 5 | 4 | 6 | 8 | 1 | 7 |
| 7 | 4 | 1 | 8 | 9 | 5 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 8 | 5 | 6 | 2 | 1 | 7 | 4 | 9 |
| 6 | 9 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 | 1 |

## शब्द पहेली - 3367

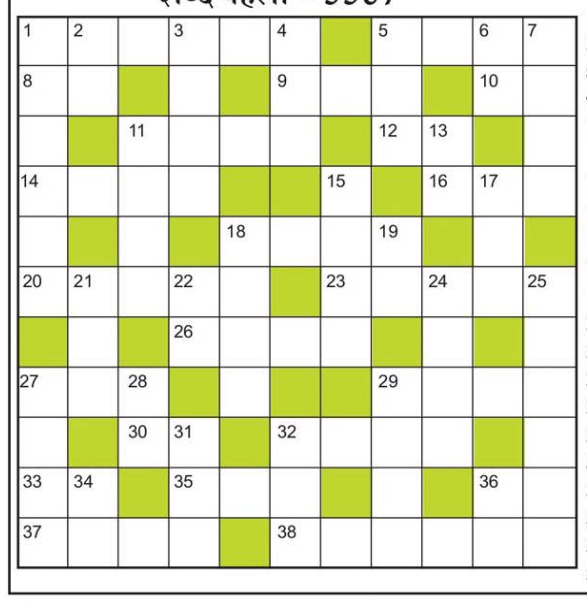

**बाएँ से दाएँ**

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

**ऊपर से नीचे**

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली -3366 का हल

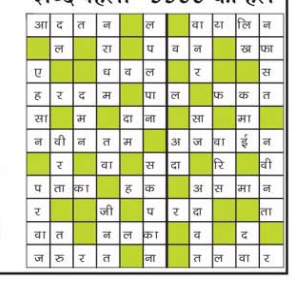

## संक्षिप्त समाचार

### कामधेनु लिमिटेड मध्य प्रदेश में करेगी अपनी उपस्थिति को और मज़बूत

**भोपाल ।** भारत की सबसे बड़ी निर्माता और रिटेल में ब्रांडेड टीएमटी बार की विक्रेता, कामधेनु लिमिटेड ने घोषणा की है की कंपनी ने मध्य प्रदेश में अपने प्रीमियम ब्रांडेड टीएमटी बार 'कामधेनु नेक्स्टकी मांग में जबरदस्त वृद्धि देखी। इस मांग को पूरा करने के लिए कामधेनु ने अपने अगली पीढ़ी के हाई-एंड इंटरलॉक स्टील टीएमटी बार 'कामधेनु नेक्स्टकी उत्पादन क्षमता को और बढाकर 04 लाख मैट्रिक टन करने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा, कामधेनु ने अपने चैनल पार्टनर नेटवर्क को भी और मज़बूत करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी की विकास यात्रा और योजनाओं पर टिप्पणी करते हुए, कामधेनु लिमिटेड के निदेशक श्री सुनील अग्रवाल ने कहा, हम मध्य प्रदेश में अपने प्रीमियम टीएमटी बार, 'कामधेनु नेक्स्टकी बढ़ती मांग को देखकर बेहद खुश हैं। यह वृद्धि हमारे उत्पादों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में बाजार के विश्वास को दर्शाता है। हमारी उत्पादन क्षमता और चैनल पार्टनर नेटवर्क का विस्तार हमारे ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। कामधेनु लिमिटेड नवाचार और ग्राहक संतुष्टि के लिए समर्पित है।

### एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस के साथ की

**मुंबई , एजेंसी।** भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) और भारत की लीडिंग प्राइवेट लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में शामिल भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस ने आज एक रणनीतिक बैंकाश्योरेंस साझेदारी करने की घोषणा की है। भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस, भारती लाइफ वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (भारती ग्रुप ) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। इस साझेदारी का उद्देश्य एयू एसएफबी के ग्राहकों को व्यापक रूप से लाइफ इंश्योरेंस (जीवन बीमा) और वित्तीय सुरक्षा के विकल्प प्रदान करना है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और डिप्टी सीईओ, उत्तम टिबरेवाल और भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ, पराग राजा ने आज मुंबई में एक कार्यक्रम में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए और इस रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह गठबंधन दोनों संस्थाओं की व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है जिसके अंतर्गत विकसित भारत और सभी के लिए इंश्योरेंस उनके लक्ष्य हैं। इस गठबंधन का उद्देश्य लोगों के बीच इंश्योरेंस की पहुंच बढ़ाना, उनकी जरूरतों के अनुसार इंश्योरेंस प्रोडक्ट तैयार करना, इसके लिए प्रमुख बाजारों की पहचान कर वहां तक पहुंचना और बैंकाश्योरेंस और डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन सहित, डिस्ट्रीब्यूशन के साथ रणनीतिक साझेदारी का पता लगाना है। इस साझेदारी के बाद एयू एसएफबी के ग्राहकों को तत्काल प्रभाव से, भारती एक्सा के लाइफ इंश्योरेंस और वित्तीय सुरक्षा समाधानों के व्यापक सेट तक पहुंच हासिल होगी, जिसमें लाइफ इंश्योरेंस, टर्म इंश्योरेंस, यूलिप योजनाएं, बचत योजनाएं, चाइल्ड एजुकेशन प्लान (बाल शिक्षा योजनाएं) और रिटायरमेंट प्लान शामिल हैं। इस रणनीतिक साझेदारी से दक्षिण भारत में एयू एसएफबी की पेशकश में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। एयू एसएफबी को वित्तीय समाधानों, सरल व अधिक कारगर सेवाओं और व्यक्तिगत आधार पर जरूरतों के अनुसार सपोर्ट की एक बड़ी रेंज के साथ ग्राहकों के लिए पूरी तरह से एक इकोसिस्टम बनाने के लिए भारती एक्सा लाइफ के डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो का लाभ मिलेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ यूनिवर्सल बैंकिंग लाइसेंस के लिए अपने हालिया आवेदन के बाद, एयू एसएफबी रणनीतिक रूप से अलग अलग सेगमेंट में फैले हुए अपने एक करोड़ से अधिक के कस्टमर बेस (ग्राहक आधार) को अत्याधुनिक, टेक्नोलॉजी संचालित इंश्योरेंस के विकल्प प्रदान करने के लिए अपने बैंकाश्योरेंस पोर्टफोलियो को बढ़ा रहा है।

# मस्क के लिए भारत पर दबाव बना सकता है अमेरिका !

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क इस समय अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे करीबी बने हुए हैं। उन्हें ट्रंप प्रशासन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी मिल चुकी है। मस्क की नजर इस समय भारत के मार्केट पर है। इसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट भी शामिल है।

हालांकि मस्क भारत में ईवी को लेकर कितने एग्रेसिव हैं, इसके बारे में बहुत ज्यादा नहीं पता। लेकिन उनके हालिया व्यवहार को देखकर लगता है कि वह शायद ही भारत में एंट्री करें। लेकिन ट्रंप का साथ मिलने पर कुछ भी संभव है। अगर मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में प्रवेश करती है तो इसे महिंद्रा और टाटा जैसे ब्रांड से कड़ी टक्कर मिलेगी।

इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार इलेक्ट्रिक व्हीकल के मामले में मस्क भारतीय मार्केट से बहुत ज्यादा खुश नहीं हैं। इसका कारण हैं भारत में ईवी को लेकर नीतियां। मस्क ने वादा किया था कि वह भारत में 497 मिलियन डॉलर (करीब 41.5 अरब रुपये) निवेश करेंगे। इस रकम का इस्तेमाल भारत में तीन साल में नए कारखाने खोले जाएंगे जहां ईवी का प्रोडक्शन होगा।

उस समय भारत ने ईवी नीति में बदलाव किया था। इसमें विदेशी कार निर्माताओं से ईवी पर आयात करों को कम किया गया था। इसके बाद एलन मस्क ने इस साल अप्रैल में भारत आने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बारे में कहा था। हालांकि बाद में उन्होंने कंपनी में दबावपूर्ण मुद्दों का हवाला देते हुए भारत की अपनी यात्रा कैंसिल कर दी थी।

भारत में प्रवेश को लेकर मस्क बहुत ज्यादा उत्सुक नजर नहीं आ रहे हैं। भारत में ईवी परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है जो टेस्ला के लिए कम आकर्षक होता जा रहा है। वहीं भारत को उम्मीद नहीं है कि टेस्ला इंक. जल्द ही देश में निवेश के साथ आगे बढ़ेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि मस्क की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला के अधिकारियों ने उनसे संपर्क करना बंद कर दिया है।

भारत में मस्क की रुचि में कमी तब आई जब टेस्ला ने वैश्विक स्तर पर तिमाही डिलीवरी में लगातार दूसरी बार गिरावट दर्ज की। साथ ही चीन में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना किया।

टेस्ला ने भारत में एंट्री की अपनी योजना को लेकर कुछ नहीं कहा है। हालांकि ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद यह संभावना है कि अमेरिका भारत को टेस्ला को और रियायतें देने के लिए मजबूर करेगा।

### मंदी के बावजूद बेहतर प्रदर्शन

टेस्ला भारत में आएगी या नहीं, यह बाद का विषय है। लेकिन अभी भारतीय ईवी निर्माता बाजार में मंदी के बावजूद अपना इसे आगे बढ़ा रहे हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने हाल ही में बॉर्न इलेक्ट्रिक रेंज पेश की थी। चर्चा है कि महिंद्रा टेस्ला और किआ को टक्कर देने के लिए ऑस्ट्रेलिया में अपने नए मॉडल लॉन्च कर सकती है।

### भारतीय कंपनियां हैं पूरी तरह तैयार

भारत में छोटी और मध्यम आकार की इलेक्ट्रिक कारों की तेजी से बढ़ती और बेहतर होती रेंज के साथ टेस्ला जैसे नए प्रवेशकों को भीड़ भरे बाजार का सामना करना पड़ेगा। लेकिन भारतीय ईवी निर्माता पहले से ही टेस्ला और भारत में प्रवेश की योजना बना रही अन्य बड़ी कंपनियों से चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं।

## लूट सको तो लूट लो, फ्लाइट की टिकट से लेकर स्मार्टफोन तक सब मिल रहा है सस्ते में

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शुक्रवार ब्लैक फ्राइडे है। ऐसा दिन जब बहुत सारी चीजें सस्ती मिल रही हैं। यह डिस्काउंट कंपनियों की ओर से दिया जा रहा है। इसमें फ्लाइट की टिकट से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग तक शामिल है। आपको आईफोन भी सस्ते में खरीदने का मौका मिल रहा है। कई कंपनियां 50 फीसदी से ज्यादा डिस्काउंट दे रही हैं। पहले जानते हैं कि आखिर यह ब्लैक फ्राइडे सेल है क्या और इस दिन चीजें क्यों सस्ती हो जाती हैं। दरअसल, ब्लैक फ्राइडे सेल थैंक्सगिविंग डे के अगले दिन से शुरू होती है। थैंक्सगिविंग डे हर साल नवंबर महीने के आखिरी गुरुवार को मनाया जाता है। इसके अगले दिन यानी शुक्रवार से ब्लैक फ्राइडे सेल अगले शुरू होती है। यह सेल दुनियाभर में शुरू होती है। कह सकते हैं कि इस दिन से क्रिसमस की शॉपिंग शुरू हो जाती है। इस सेल की शुरुआत 1960 के दशक में अमेरिका में हुई थी। लेकिन अब यह लगभग पूरी दुनिया में फैल चुकी है।

आईआरसीटीसी ने भी ब्लैक फ्राइडे सेल शुरू की है। अगर आप आईआरसीटीसी की वेबसाइट या ऐप से फ्लाइट की टिकट बुक कराते हैं तो आपको भारी डिस्काउंट मिलेगा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की बुकिंग पर कन्वीनियंस फीस पूरी तरह माफ होगी। इससे यात्री अपनी यात्राएं सस्ते में प्लान कर सकते हैं। यह ऑफर सिर्फ एक दिन यानी आज के लिए है।

### ई-कॉमर्स पर भारी छूट

अगर आप फ्लिपकार्ट या अमेजन से शॉपिंग कर रहे हैं तो आपको भारी छूट मिलेगी। फ्लिपकार्ट पर ब्लैक फ्राइडे सेल सिर्फ आज यानी 29 नवंबर के लिए ही है। स्मार्टवॉच, ईयरबड्स, पावर बैंक जैसे स्मार्ट गैजेट 80 प्रतिशत तक की छूट पर उपलब्ध होंगे। वहीं टीवी और अप्लायंसेज पर कम से कम 75 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

## दो भाइयों ने लगाया गजब का दिमाग, शुरू किया ऐसा काम जिसमें हींग लगे न फिटकरी रंग चोखा, 3 करोड़ का टर्नओवर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऋषभ और रोहन सूरी सगे भाई हैं। वे केरल के रहने वाले हैं। इन्होंने खेती के दौरान निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों से बायोडिग्रेडेबल बर्तन बनाने का स्टार्टअप शुरू किया है। इस स्टार्टअप का नाम कुदरत है। उनका मकसद प्लास्टिक और कागज के बर्तनों की जगह ऐसे बर्तन उपलब्ध कराना है जो जानवरों के लिए भी सुरक्षित हों। सर्फिंग करते समय समुद्र में फैले प्लास्टिक कचरे ने उन्हें यह काम करने के लिए प्रेरित किया।

## इस बदलते मौसम में कैलिफोर्निया आमंड्स के साथ बनाइये अपनी इम्युनिटी को मजबूत

**नई दिल्ली।** मौसम में बदलाव के साथ इम्युनिटी अक्सर कमजोर हो जाती है और इसे मजबूत करने के लिये प्राकृतिक तरीके अपनाना जरूरी हो जाता है। न्यूट्रीशनिस्ट ऋतिका समद्दर आपके रोजाना के रूटीन में पोषक-तत्वों से भरपूर चीजें शामिल करने की सलाह दे रही हैं, ताकि आपकी इम्युनिटी असरदार तरीके से बढ़ सके। ऐसा ही एक सुपरफूड है कैलिफोर्निया आमंड्स, जिनमें 15 जरूरी पोषक-तत्व होते हैं। बादाम के कई तरह से उपयोग किया जा सकता है और इसे खाकर पेट भरे होने का अहसास होता है। यह किसी भी व्यंजन, स्नैक या आहार में आसानी से मिल जाती हैं और पोषण का पावरहाउस बन जाती हैं। कैलिफोर्निया आमंड्स में प्रोटीन, फाइबर और हेल्थी फैट्स जैसे पोषक-तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जो उन्हें रोजाना के संतुलित आहार में शामिल करने के लिये बेहतरीन बनाते हैं। सेहत को उनसे मिलने वाले लाभों के बारे में व्यापक जानकारी है। फूड सेफ्टी एण्ड स्टैण्डर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) बादाम को प्राकृतिक रूप से इम्युनिटी बढ़ाने के लिये डाइट में आवश्यक रूप से शामिल करने पर जोर देती है। इसके अलावा, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) डाइटरी गाइडलाइंस फॉर इंडियन्स बादाम को एक पोषक नट मानती हैं, जिन्हें अच्छी सेहत के लिये रोजाना खाया जा सकता है।

## बढ़ता कद: जिम रोजर्स बोले- दशकों बाद सही आर्थिक फैसले ले रहा भारत, विकसित राष्ट्र की ओर तेजी से बढ़ा रहा कदम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वैश्विक निवेशक 82 वर्षीय जिम रोजर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत दशकों बाद सही आर्थिक फैसले ले रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों में मोदी के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार में काफी सारे बड़े बदलाव आए हैं।

जिम रोजर्स ने कहा, भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस कारण मैं दोबारा से यहां निवेश करना पसंद करूंगा। आप जानते हैं, कई दशकों से भारत ने बहुत सी अच्छी चीजों के बारे में बात की है, लेकिन उन अमल नहीं किया गया। मुझे कभी भी ऐसा नहीं लगा कि भारत ने अर्थशास्त्र को समझा है और आगे क्या करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अब मेरे जीवन में पहली बार लगता है कि भारत चीजों को समझ रहा है। इसका मतलब यह है कि चीजें आगे और

बेहतर होने वाली हैं। भारत की अर्थव्यवस्था एक दशक में मजबूती से बढ़ी है। आजादी के बाद निवेश हुए 14 लाख करोड़ डॉलर में से 8 लाख करोड़ डॉलर बीते 10 वर्षों में आए हैं। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ से ज्यादा भारतीय लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। एजेंसी

### भारत की विकास दर जी20 में सबसे ज्यादा

रोजर्स ने कहा, भारत की विकास दर जी20 देशों में सर्वाधिक 7 फीसदी है। इसकी वजह देश में निजी उपभोग बढ़ना है। कई वर्षों के बाद भारत को यह अहसास हुआ है कि संपन्नता व सफलता खराब चीज नहीं है।

## रतन टाटा की ख्वाहिश, मैं चाहूंगा...मुझे कुछ इस तरह याद रखे दुनिया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंडियन इंडस्ट्री के लीजेंड और टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया है। हर कोई उनकी विजनरी लीडरशिप का कायल है। रतन टाटा की जिंदगी और उनकी कहीं बातें बहुत सारे लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। रतन टाटा की ख्वाहिशों में से एक यह थी, मेरी चाहत है कि मुझे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया जाए, जिसने कभी दूसरों को आहत नहीं किया और हमेशा बिजनेस के सर्वोत्तम हित में काम किया है। रतन टाटा ने यह बात साल 2014 में कोलकाता में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के लेडीज स्टडी ग्रुप की तरफ से आयोजित एक इंटरैक्शन में कही थी। रतन टाटा ने फरवरी 2018 में सीएनबीसी पर सुहेल सेठ के साथ एक इंटरव्यू में कहा था, मैं चाहूंगा कि मुझे एक ऐसे शख्स के रूप में याद किया जाए, जो बदलाव लाया।

# शेयर.मार्केट ने ट्रेडिंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिस्काउंट ब्रोकिंग में शीट्स की शुरुआत की

### 9 शीट्स यूजर के लिए ट्रेडिंग अनुभव को बेहतर बनाएगी और उन्हें सूचित निवेश निर्णय लेने में सक्षम बनाएगी

**बेंगलुरु, एजेंसी।** फोनपे का प्रोडक्ट, शेयर.मार्केट ने आज शीट्स के लॉन्च की घोषणा की, जो डिस्काउंट ब्रोकिंग जगत में उद्योग की पहली पेशकश है । इससे बाजार हिस्सेदारियों को सशक्त बनाने और उनके ट्रेडिंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। वेब प्लेटफॉर्म ह्लह्लड्डस्त्रद्ग.ह्यद्धड्डह्लद्ग.द्वड्डह्लद्मद्गह्ल पर उपलब्ध, शीट्स बाजार डेटा को सीधे स्प्रेडशीट में आयात करके और अपने ट्रेडिंग मॉडल और रणनीतियों को सहजता से बनाकर ट्रेडर्स की मदद करता है। शेयर.मार्केट ने शीट्स के अभूतपूर्व लॉन्च के साथ उद्योग को फिर से परिभाषित किया है, तथा यह देश का एकमात्र डिस्काउंट ब्रोकर बन गया है जो यह अभिनव सुविधा प्रदान करता है। यह अत्याधुनिक टूल बाजार हिस्सेदार को आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ सशक्त बनाता है, जिससे उन्हें अपनी

share.market
A PhonePe Product

बुद्धिमत्ता का उपयोग करने और कार्रवाई योग्य बाजार को परख कर उसे उजागर करने में मदद मिलती है।

सीमित या बिना प्रोग्रामिंग बैकग्राउंड वाले ट्रेडर्स और निवेशक, विशिष्ट रणनीतियों और मानदंडों मिलाकर सैकड़ों स्टॉक को मैन्युअल रूप से मैनेज और विश्लेषण कर सकते हैं, जो ज्यादा समय लेने वाला और जटिल काम है। शीट्स इस चुनौती का समाधान करता है और ट्रेडर समुदाय को विकल्प रणनीति बनाने, खरीद और बिक्री संकेत तैयार करने और वास्तविक समय के आधार पर विचारधारा को प्रभावी ढंग से विश्लेषण करने में सक्षम बनाती है।

शीट्स के लॉन्च पर, शेयर.मार्केट के ष्टश्वह्र उज्ज्वल जैन जी का कहना हैं, कि शेयर.मार्केट लगातार बाजार हिस्सेदारियों के लिए ब्रोकिंग अनुभव को बेहतर बनाने और उन्हें सूचित निर्णय लेने के लिए बुद्धिमान बुनियादी ढांचे के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करता है। शीट्स डिस्काउंट ब्रोकिंग इकोसिस्टम में एक अनोखा टूल है, जो मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता के बिना कई स्टॉक पर नज़र रखने की प्रक्रिया को ऑटोमेट करेगा।। इससे ट्रेडर्स को जल्द निवेश रणनीति बनाने और एरर के जोखिम को कम कर पाएंगे। ये टूल्स बाजार के सिग्नल, प्रवृत्तियों और मूमेंटम परिवर्तनों की सटीक पहचान करने में सक्षम बनाते हैं। इन शक्तिशाली नई फीचर के साथ, शेयर.मार्केट ट्रेडर्स और निवेशकों को अपनी रणनीतियों को अनुकूलित करने में मदद कर रहा है, जिससे उन्हें स्मार्ट, मार्किट सिग्नल निर्णय लेने में वास्तव में महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है। आने वाली तिमाहियों में, शीट्स उभरते और अनुभवी ट्रेडर्स दोनों के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उन्नत सुविधाएँ पेश करेगी। इनमें कस्टम स्ट्रेटेजी बिल्डर शामिल होगा जो ट्रेडर्स को लाभ और हानि की भविष्यवाणी करने, ब्रेक-ईवन पॉइंट निर्धारित करने और लाइव चार्ट देखने की अनुमति देगा। ट्रेडर्स को पूर्व-निर्मित रणनीतियों, जैसे कि कोंडोर्स, स्प्रेड्स, लैडर आदि तक भी पहुंच प्राप्त होगी, जिन्हें आसानी से उनके मौजूदा टेम्पलेट्स में एकीकृत किया जा सकता है और वे अपने निवेश कदमों की योजना बना सकते हैं।

शेयर.मार्केट ने पिछले वर्ष में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है, जिसका लाइफटाइम ग्राहक आधार 2.5 मिलियन है तथा मासिक एक्टिव म्यूचुअल फंड स्ढ्ढक्कलेनदेन 2 मिलियन से अधिक है। अगस्त 2024 तक, इसने 2 लाख एक्टिव निवेशकों को पार कर लिया, और खुद को भारत में 21वें सबसे बड़े ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित कर लिया।

# ठंड की दस्तक पड़ी तो महंगे हो गए मसाले

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ठंड की दस्तक पड़ गई है। ठंड में आमतौर पर साग-सब्जी सस्ती हो जाती है। लेकिन इस बार अभी तक ऐसा नहीं हुआ है। अभी भी दिल्ली में गोभी का फूल 80 रुपये किलो तो गाजर 40 रुपये किलो, टमाटर 60 रुपये किलो, आलू 40 रुपये किलो प्याज 50 रुपये किलो बिक रहा है। कहा जाता है कि इस बार बारिश का मौसम देर तक चला। इसलिए सब्जियों की बुवाई समय पर नहीं हो पाई। इसलिए लोकल सब्जियां अभी तक बाजार में नहीं आई हैं। अब ठंड बढ़ने के साथ ही दिल्ली के थोक बाजार में मसालों के दाम चढ़ गए हैं।

खुले बाजार में गेहूं के दाम बढ़ने की वजह से इस समय अनब्रांडेड आटा, मैदा और ब्रेड आदि सब महंगे हो गए हैं। कुछ महीने पहले 700 ग्राम के ब्रेड या पावरोटी का जो लोफ 45 रुपये में मिला करता था उसकी कीमत पहले 55 रुपये हुई। अब पिछले दिनों ही चुपके से भी ब्रेड कंपनियों ने इसकी कीमत बढ़ा कर 60 रुपये कर दी।

महंगाई को हवा देने में अब मसाले भी पीछे नहीं हैं। राजधानी दिल्ली में मसालों के थोक बाजार खारी बावली में छोटी इलायची, बड़ी इलायची, काली मिर्च से लेकर अन्य मसालों की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों के मुताबिक डिमांड की अपेक्षा सप्लाई कम है जिसकी वजह से मसाले के भाव बढ़ रहे हैं।

गौरतलब है कि खारी बावली में मसालों की एक बड़ी मार्केट है, जहां सभी प्रकार के मसाले थोक दाम में बिकते हैं। दिल्ली से लेकर आसपास के प्रदेशों में यहां से मसालों की सप्लाई होती है।

नॉर्दर्न स्पाइसेज ट्रेडर्स असोसिएशन के प्रेजिडेंट रविंद्र अग्रवाल बताते हैं कि ठंड की दस्तक के बाद से मसालों की डिमांड बढ़ी है। आलम यह है कि बड़ी इलायची की कीमत थोक मंडी में 1500 रुपये प्रति किलो था जो अब 1700 रुपये प्रति किलो हो गया है। इसके अलावा छोटी इलायची की कीमत 2600 रुपये प्रति किलो थी, अब इसकी कीमत 3000 रुपये प्रति किलो हो गई है। इसके पीछे का कारण क्रॉप की कमी है, जिसकी वजह से दाम बढ़ रहे हैं। वहीं काली मिर्च की कीमत में प्रति किलो 20 रुपये और दालचीनी की थोक कीमत में 5 से 10 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है।

# रॉयल एनफील्ड गोअन क्लासिक 350: सत्तर के दशक की गोवा मोटो-संस्कृति से प्रेरित एक मोटरसाइकिल

**मुंबई, एजेंसी।** 70 और 80 के दशक की गोवा की अनोखी मोटो-संस्कृति से प्रेरित, रॉयल एनफील्ड ने गोअन क्लासिक 350 लॉन्च की है। यह बॉबर-स्टाइल मोटरसाइकिल आजादी, मस्ती और खुली सोच वाले लाइफस्टाइल की पहचान है। गोअन क्लासिक 350 सिर्फ एक बाइक नहीं, बल्कि खुद को अपने अंदाज में जताने का जरिया है। यह भारत की खास गोअन मोटो-संस्कृति से जुड़ी है, जिसने 70-80 के दशक में गोवा की आजाद और रंगीन लाइफस्टाइल को जन्म दिया। इसका दमदार फोर-स्ट्रोक इंजन और स्टाइलिश लुक इसे हर सफर के लिए परफेक्ट बनाते हैं। यह बाइक उन लोगों के लिए है जो हमेशा नई राहें खोजने और जिंदगी को अपने अंदाज में जीने की चाहत रखते हैं।

हर कर्व और कंटूर के साथ, गोअन क्लासिक गोवा के कस्टम बिल्डर्स की स्ट्रिप्ड-डाउन और 'ट्रिप्ड-अप' क्रिएशन से प्रेरित है, जो बॉबर और गोवा की जिंदादिल लाइफस्टाइल के जोश का संगम है। चॉप्ड फेंडर्स, मिड-एप हैंडलबार्स, एर्गोनॉमिक रूप फिट की गई लो-स्लंग सीटें और रियर सिलहॉटे उन दिनों की याद दिलाती हैं जब राइडर्स अपनी मशीनों को केवल ज़रूरी चीज़ों तक सीमित कर देते थे और उनमें उनका व्यक्तित्व नजर आता था। इंजन का हर रेव गोवा के सुनहरे ग्रूव की भावना के साथ गूंजता है, ठीक वैसे ही जैसे सूरज की किरणों से भीगे दिन आपको हर पल का आनंद लेने के लिए प्रेरित

करते हैं। सच्चे बॉबर-प्रेरित डीएनए के साथ, मोटरसाइकिल की विशेषता सिंगल-सीट डिज़ाइन, फ्लोटिंग राइडर सीट और ट्यूबलेस स्पोक व्हील्स पर व्हाइटवॉल टायर हैं जो बॉबर संस्कृति के जाने-माने कस्टमाइज़ेशन को दर्शाते हैं।

नई गोअन क्लासिक 350 के बारे में बात करते हुए, आयशर मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, सिद्धार्थ लाल ने कहा, गोअन क्लासिक स्वतंत्रता और व्यक्तित्व की भावना के लिए एक हार्दिक सम्मान है, जिसका रॉयल एनफील्ड ने दशकों से समर्थन किया है। मेरे लिए, यह मोटरसाइकिल गोवा की मोटो-संस्कृति और रॉयल एनफील्ड के जुनून का प्रतीक है, जो ऐसी मोटरसाइकिलें बनाने के लिए है जो सिर्फ मशीन से कहीं ज़्यादा हैं और यह आत्म-खोज और अभिव्यक्ति का एक साधन हैं। यह मोटरसाइकिल न केवल गोवा की सड़कों पर घर जैसा महसूस कराती है, बल्कि हर जगह जिंदादिल और बेफिक्र राइडर्स के लिए गोवा का खुशनुमा एवं आरामदायक अहसास लाती है। नई मोटरसाइकिल के बारे में बात करते हुए, रॉयल एनफील्ड के सीईओ बी गोविंदराजन ने कहा, कस्टम बॉबर संस्कृति में निहित, गोअन क्लासिक डिजाइन और आधुनिक इंजीनियरिंग का एक सुंदर मिश्रण है। लो-स्लंग सिलहॉटे और सिंगल फ्लोटिंग राइडर सीट, आकृति और एर्गोनॉमिक्स, और रंगों के चमकदार संयोजन से, गोअन क्लासिक में बहुत ही बोहेमियन और जिंदादिली का एहसास देने वाला वाइब है जो आरामदायक सवारी भी है।

# पाक में क्यों बह रहा शिया मुसलमानों का खून

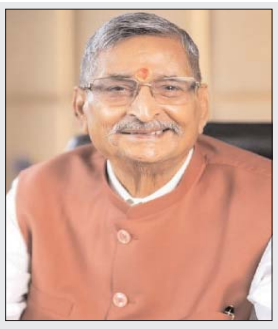

आर.के. सिन्हा

**पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के खिलाफ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों मे देखने को मिलते हैं।**

मोहम्मद अली जिन्ना ने जिस इस्लामिक देश पाकिस्तान को बनवाया था, वहां मुसलमान ही अब मुसलमानों की जान के दुश्मन हो गये हैं। वहां सुन्नी और शिया समुदायों के बीच हुए हालिया संघर्ष में 100 से ज्यादा लोगों का खून बहा। हिंसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में हुई। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में 24 करोड़ की आबादी में शिया मुस्लिम लगभग 15 प्रतिशत ही हैं। पाकिस्तान में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच का हालिया संघर्ष जटिल है, जिसके जड़ें सदियों पुरानी धार्मिक और राजनीतिक विभाजन के इतिहास पर टिकी हैं।

वैसे तो कुछ कट्टरपंथी समूह तो दोनों पक्षों में ही मौजूद हैं जो हिंसा का इस्तेमाल करके ही अपने धार्मिक विचारों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। ये समूह साम्प्रदायिक भेदभाव को बढ़ावा देते हैं और हिंसा को सही ठहराते हैं। पाकिस्तान में सुन्नी समुदाय कतई शिया मुसलमानों को पसंद नहीं करते। इससे साफ है कि इस्लाम अपने मानने वालों को भी नहीं जोड़ता। हालांकि बातें बहुत होती हैं कि सारी दुनिया के मुसलमान एक हैं। लेकिन, ये अपनी इस बात को तो स्वयं ही बार-बार गलत साबित करते रहते हैं।

पाकिस्तान में शिया मस्जिदों में धमाके और विष्फोट होना भी आम बात हो चुकी है। पेशावर में मई, 2022 में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए दिल दहलाने वाले आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 60 से अधिक शिया नमाजी मारे गए थे।। हमलावरों ने निशाना बनाया था शिया मुसलमानों और उनकी इबादतगाह को। यह भी याद रखा जाए कि एक इस्लामिक मुल्क में ही शिया मुसलमानों का जीना मुश्किल हो गया है। वे हर वक्त डर-भय के साए में जीने को मजबूर बने रहते हैं। यह हाल उस पाकिस्तान का है जो मुसलमानों के वतन के रूप में बना था।

पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के खिलाफ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों में देखने को मिलते हैं। वहां पर शिया मुसलमानों के खिलाफ माहौल बनाने वाला साहित्य भी हर जगह आसानी से वहाँ पर आम लोगों को आसानी से उपलब्ध है।

तालिबान और इसी तरह के अन्य अतिवादी समूहों के विचारों का प्रभाव पाकिस्तान में है, जो साम्प्रदायिक संघर्षों को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यह समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए शिया-सुन्नी संघर्ष का उपयोग आम तौर पर करते हैं। पाकिस्तान में कुछ सियासी नेता साम्प्रदायिक तनाव को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। वे मतदाताओं को लुभाने के लिए और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने के लिए साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काते हैं।

बेशक, पाकिस्तान सरकार की सुन्नी परस्त नीति के कारण साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने में नाकामी, या यहां तक कि कुछ मामलों में इसमें सहयोग करने से, इस समस्या को और बढ़ावा मिलता है। पाकिस्तान में कुछ सुन्नी जिन्ना को भी शिया बताते हैं। कौन जाने की एक बार जिन्ना शिया साबित कर दिए गए तो उनकी विरासत को भी बिना कुछ जाने समझे ही पाकिस्तान में धूल में मिला दिया जायेगा।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, विशेषकर शिया मुसलमानों, हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों के साथ भेदभाव के कई जटिल कारण हैं, जिनमें धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक उद्देश्य और कई सामाजिक-आर्थिक कारक शामिल हैं। कोई एकल कारण नहीं है, बल्कि ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान में कुछ अतिवादी आतंकी धार्मिक समूहों का प्रभाव काफी है, जो सुन्नी इस्लाम के एक विशेष व्याख्या का प्रचार करते हैं जो अन्य धर्मों और शिया इस्लाम के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देता है।

कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किया है। वे अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें ₹दूसरे₹ के रूप में चित्रित करते हैं, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अक्सर सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित किया जाता है। उन्हें अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच होती है, जिससे वे और भी हाशिए पर आते ही चले जाते हैं। यह आर्थिक असमानता सामाजिक भेदभाव को और बढ़ाती है। एक समस्या यह भी है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों में अक्सर अपराधियों को सजा नहीं मिलती है, जिससे उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ता है और भेदभाव जारी ही रहता है। न्याय प्रणाली में सुधारों की कमी से अल्पसंख्यकों का भरोसा कम होता है। अगर आप पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो पायेंगे कि पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही अल्पसंख्यकों के साथ लगातार अत्याचार और भेदभाव होता रहा है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारक आज भी भेदभाव को बढ़ावा देते हैं।

पाकिस्तान में हिन्दुओं को भी नफरत की निगाह से देखने वाले भी कम नहीं हैं। हालांकि लगभग सारे पाकिस्तानियों के पुरखे हिन्दू ही तो थे। पाकिस्तान का इतिहास हिन्दुओं के खिलाफ नाइंसाफी और खून से लथपथ है। हालांकि 11 अगस्त, 1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी। यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले। उन्होंने अपनी कैबिनेट में जोगिन्दर नाथ मंडल नाम के एक हिन्दू को शामिल भी किया था। वे पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से थे। मंडल को जिन्ना ने अपनी कैबिनेट में विधि मंत्री की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा था कि इस्लामिक पाकिस्तान में सबके हक सुरक्षित हैं। पर हुआ इसके ठीक विपरीत। मंडल पाकिस्तान के पहले और शायद आखिरी हिन्दू मंत्री बने। वे वहां पर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता थे। मंडल अपने को बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों से बहुत प्रभावित बताते थे। वे दलित समुदाय से आते थे। वे 1946 में पंडित नेहरू के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार में भी विधि मंत्री थे।

जिन्ना की 11 सितंबर, 1948 को मौत के साथ ही मंडल की वहां पर दुर्गति चालू हो गई थी। उनकी हर सलाह को नामंजूर कर दिया जाता। नतीजा यह हुआ कि वे पाकिस्तान को छोड़कर भारत आ गए। ये 1951 के आसपास की बातें हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ नाइंसाफी होती है। इसलिए उनका पाकिस्तान में रहना मुमकिन नहीं होगा। मंडल उसके बाद कोलकत्ता आ गए। उनका 1968 में निधन हो गया। मंडल ने जो कहा था, वह अक्षरशः सही निकला। पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ कभी न्याय नहीं हुआ। इसी का नतीजा था कि जिन्ना का करीबी एक दलित हिन्दू मंत्री तक पाकिस्तान में नहीं रह सका। कुल मिलाकर बात यह है कि पाकिस्तान में अभी तो सिर्फ सुन्नी ही सुरक्षित हैं। आगे क्या होगा शायद खुदा को खुद भी पता न हो। आगे-आगे देखिये होता है क्या?

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

## संपादकीय

### क्या 1971 याद नहीं

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर कातिलाना हमले और उनके मंदिरों को तोडे, आग लगा देने की घटनाओं पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर संसद के दोनों सदनों में वक्तव्य देंगे। विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के सामने भी मंत्रालय बांग्लादेश की घटनाओं का खुलासा करेगा। क्या बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात और हिंदुओं पर किए जा रहे अत्याचारों पर भारत सरकार का यह रुख ही पर्याप्त है? क्या प्रधानमंत्री मोदी को वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस से सख्त लहजे में बात नहीं करनी चाहिए? क्या बांग्लादेश को 1971 की याद नहीं दिलानी चाहिए? हम नहीं जानते कि कूटनीति क्या कहती है, लेकिन हम वहां के हिंदुओं के अस्तित्व को लेकर चिंतित हैं। बांग्ला हिंदू भी बुनियादी तौर पर 'भारतीय' ही हैं। चिंतित सरोकार तो यह है कि यूनुस मौजूदा घटनाओं और हत्याओं को 'हिंदू अत्याचार' मानते ही नहीं! बांग्लादेश की सडकों पर जो बेखौफ भीड़ दिखाई देती है, हिंदुओं को मारने-काटने के जो नारे बुलंद किए जा रहे हैं, रात में हिंदुओं के घरों में घुसकर सेना और पुलिस जो यातनाएं दे रही हैं, अपहरण-धर्मांतरण किए जा रहे हैं, मंदिरों में देवी-देवताओं की जिस तरह प्रतिमाएं खंडित की जा रही हैं, क्या वे खुद हिंदू ही कर रहे हैं? भारत के हिंदू हों या बांग्लादेश में बसे हिंदू हों, सभी सनातनी संस्कृति के आस्थावान समुदाय हैं। उनके जीवन और धार्मिक स्वतंत्रता की सुरक्षा करना प्रधानमंत्री मोदी का ही समान दायित्व है। यह बांग्लादेश का आंतरिक मामला नहीं है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह का राज्यसभा में दिया यह बयान बिल्कुल गलत है कि हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की रक्षा करना वहां की सरकार की जिम्मेदारी है। वहां के कट्टरपंथी तो बांग्लादेश को हिंदू-मुक्त करना चाहते हैं।

वे ऐसे ऐलान भी करते रहे हैं। स्थानीय विश्वविद्यालयों से हिंदू प्रोफेसरों को जबरन निकाला जाता रहा है। वहां की सरकार खामोश, कन्नी काट कर बैठी रहेगी, तो क्या भारत सरकार भी तटस्थ बनी रहेगी? शायद बांग्लादेश की मौजूदा पीढ़ी को याद नहीं है कि 1971 में पूर्वी पाकिस्तान को बांग्लादेश बनाने में भारत का निर्णायक योगदान था। यदि भारतीय सेना तत्कालीन 'मुक्तिवाहिनी' के आंदोलन के साथ न जुड़ती, तो शायद बांग्लादेश ही न बनता! बेखौफ, बेलगाम घूमती कट्टरपंथी जमात को यह इतिहास पढ़ाया जाना चाहिए। बांग्लादेश की मौजूदा पीढ़ी को यह भी याद नहीं होगा कि जब 'बांग्लादेश' बन रहा था, तब चारों ओर भुखमरी, गरीबी के ही हालात थे। उस दौर में 'इस्कॉन' ने ही रोजाना लाखों लोगों को भोजन मुहैया कराया था। भारत में भी करीब 12,000 बांग्लादेशियों को हर रोज खाना खिलाया गया था। आज भी बांग्लादेश में 'इस्कॉन' 77 मंदिरों का संचालन कर रहा है और 75,000 से अधिक उसके अनुयायी हैं। तब प्रख्यात सितारवादक पंडित रवि शंकर ने एक अन्य विदेशी संगीतकार के साथ मिल कर न्यूयॉर्क में कंसर्ट किया था, जिससे बांग्लादेश के लिए 100 करोड़ रुपए जुटाए गए थे।

## चिंतन-मनन

### प्रतिभा की पहचान

यूनान के किसी गांव का एक लड़का लकड़ियां काटकर गुजारा करता था। वह दिन भर जंगल में लकड़ियां काटता और शाम को पास के शहर के बाजार में उन्हें बेच देता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसकी नजर बालक के गट्ठर पर पड़ी जो बेहद कलात्मक ढंग से बंधा था। उसने उस लड़के से पूछा- क्या यह गट्ठर तुमने खुद बांधा है? लड़के ने जवाब दिया- जी हां, मैं दिन भर लकड़ी काटता हूं, स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को बाजार में बेच देता हूं। उस व्यक्ति ने कहा- क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दोबारा बांध सकते हो? लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुंदर तरीके से उसे फिर बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान, लगन और फुर्ती के साथ कर रहा था।

लड़के की एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने के तरीके ने उस व्यक्ति को काफी प्रभावित किया। उसे बच्चे में काफी संभावना नजर आई। उसने पूछा- क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैं तुम्हें अपने साथ रखूंगा, शिक्षा दिलाऊंगा। तुम्हारा सारा खर्चा मैं उठाऊंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया। वह स्वयं भी उसे पढ़ाता था और नई-नई बातें सिखाता था। थोड़े ही समय में उस बालक ने उच्च शिक्षा हासिल की और काफी कुछ ज्ञान अर्जित कर लिया। बड़ा होने पर यह बालक यूनान के महान दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। और जिस व्यक्ति ने उसे अपने यहां रखा था वह था यूनान का विख्यात तत्व ज्ञानी डेमोप्रीट्स।

# राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस : प्रदूषण से बढ़ती मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

ललित गर्ग

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस हर साल 2 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिन प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद, प्रदूषण नियंत्रण तकनीकों, नीतियों, और प्रदूषण को कम करने के महत्व पर ध्यान आकर्षित करना है। यह दिन भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में मनाया जाता है। यह त्रासदी 2-3 दिसंबर, 1984 की रात को हुई थी। इस त्रासदी में जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश एवं दुनिया की हवा में घुलते प्रदूषण का ह्यजहरह्ल अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। प्रदूषण के कारण जल, भूमि, और वायु प्रदूषित होता है, जिससे मौतें होती हैं, प्रदूषण से जीवन और स्वास्थ्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान ह्यहेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूटह्ल की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्मा इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामयियों ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है।

बढ़ता वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दशार्ता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से यह प्रदूषण फैल रहा है और किस तरह वे इससे बचाव कर सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है।

हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर ह्यबेहद खराबह्ल की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है? इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई शहर वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेलते हैं। इसका पता तब ज्यादा चलता है जब वैश्विक पर्यावरण संस्थान अपने वायु प्रदूषण सूचकांक में शहरों की स्थिति को बताते हैं। पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा नहीं हिचकिचा रहे जो हवा

को जहरीला बना रहे हैं।

चिंता की बात यह है कि मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन- प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। मुश्किल यह है कि वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से जमीन से उठने वाली धूल, पराली की धुंध और वाहनों से निकलने वाले धुएं के छंटने की गुंजाइश नहीं बन पाती है। नतीजन, वायु में सूक्ष्म जहरीले तत्व घुलने लगते हैं और प्रदूषण के गहराने की दृष्टि से इसे खतरनाक माना जाता है। हमारा राष्ट्र एवं दिल्ली सहित अन्य राज्यों की सरकारें नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर खड़ी है। देश में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों के हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट के आंकड़े इस वास्तविकता को उजागर करते हुए प्रदूषण की समस्या का कोई दीर्घकालिक और ठोस हल निकालने के लिये चेता रहे हैं। प्रदूषण को कम करने के लिए लोगों को जागरूक करना जरूरी है, विचार और योजनाएं बनानी चाहिए।

# वैश्विकी: सीरिया में रूस विरोधी जेहाद

डॉ. दिलीप चौबे

पश्चिम एशिया में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच युद्ध विराम के तुरंत बाद सीरिया में युद्ध का एक नया मोर्चा खुल गया है। सीरिया पश्चिम एशिया में संभवत एकमात्र धर्मनिरपेक्ष देश है जो अरब-इस्लामी देशों की आंखों की किरकिरी बना हुआ है। लंबे समय तक वहां दुनिया भर के जेहादी संगठन राष्ट्रपति बशर-अल-असद की सरकार के खिलाफ मुहिम चलाते रहे हैं। आतंकवादी संगठन आईएस, अल कायदा और अल-नुसरा सहित अनेक जेहादी संगठनों ने सीरिया में बड़े पैमाने पर खून-खराबा किया। राष्ट्रपति असद की सरकार रूस और ईरान के समर्थन से देश में अपना शासन बनाए रखने में सफल रही। एक समय ऐसा था जब दुनिया भर के जेहादी समर्थक लड़ाकू सीरिया कूच कर रहे थे। यूरोप से भी अनेक गुमराह युवा सीरिया के जेहाद में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने आईएस जैसे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में भाग लिया था। लेकिन उन्होंने असद सरकार के खिलाफ सैन्य अभियान चला रहे खी सीरियन आर्मी और अल-नुसरा जैसे संगठनों को सहायता दी थी। इस्राइल भी असद सरकार को अपने लिए खतरा मानता है। यही कारण है कि उसने भी असद विरोधी संगठनों को मदद दी।

नवीनतम घटनाक्रम में तुर्की समर्थक आतंकवादी संगठन हयात तहरीर अल-शाम (एसटीएस) के विद्रोहियों ने सीरिया के दो शहरों अलेप्पो और अल्दीव पर धाबा बोल दिया। यह हमला इतना आकस्मिक और बड़े पैमाने पर था कि सरकारी सेनाएं लड़खड़ा गइ। दो-तीन दिनों में ही आतंकवादियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। सीरिया की सेना के सामने पीछे हटकर नये सुरक्षा मोर्चा कायम करने के अलावा और कोई चारा नहीं था। आतंकवादियों ने अलेप्पो में राष्ट्रपति असद और अन्य राष्ट्रीय नेताओं की प्रतिमाओं को ध्वस्त कर दिया। ऐसे ही दृश्य कुछ दिन पहले बांग्लादेश में देखने को मिले थे जब इस्लामी उग्रवादियों की भीड़ ने राष्ट्रपति बंगबंधु शेख मुजीबुर्ररहमान की प्रतिमाओं को तोड़ा था।

सीरिया की घटनाक्रम में तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन की भूमिका सबसे अधिक संदिग्ध है। वास्तव में एचटीएस की सैनिक सफलता के पीछे तुर्की का सक्रिय सहयोग है। सीरिया में तुर्की के सीमावर्ती इलाकों में सीरिया की सेनाओं और उसके समर्थक सशस्त्र गुटों की मौजूदगी है। कुछ वर्ष पूर्व रूस और तुर्की के बीच यह सहमति बनी थी कि वह यथास्थिति कायम रखेंगे। एसटीएस के हमले से जाहिर है कि तुर्की ने इस समझौते को तोड़ा है तथा वह असद सरकार को अस्थिर बनाने की साजिश में शामिल है।

कुछ विश्लेषकों के अनुसार इस प्रकरण में अमेरिका, खंस, इस्राइल और यूक्रेन की भी हिस्सेदारी है। रूस ने तुर्की पर समझौता तोड़ने का आरोप लगाया है। रूस की ओर से सीरिया की मदद के लिए युद्ध विमान भेजे गए हैं। रूस की वायु सेवा अलेप्पो और अल्दीव में विद्रोहियों के मोर्चों पर बमबारी कर रही है। इससे आतंकवादियों को जान-माल का नुकसान होगा और उनकी बढ़त रुकेगी। लेकिन जमीनी मोर्चे पर सरकारी सेनाओं के लिए अलेप्पो पर दोबारा कब्जा करना मुश्किल होगा। रूस भी इस समय यूक्रेन युद्ध में उलझा है। उसके लिए भी आसान नहीं होगा कि वह अपने सैन्य संसाधन बड़ी मात्रा में सीरिया भेजे।

फिलहाल, प्रारंभिक झटके के बाद सीरिया की सेना फिर लामबंद हो रही है। उसने नए सुरक्षा मोर्चे काम किए हैं तथा जवाबी हमले की तैयारी में है। कुल मिलाकर, हालात राष्ट्रपति असद के प्रतिकूल हैं। उनकी सरकार को हिजबुल्लाह का सक्रिय समर्थन हासिल था। पिछले एक वर्ष में हिज्बुल्लाह की ताकत काफी कम हुई है। गाजा में हमास और लेबनान में हिजबुल्लाह इस्राइली हमलों के कारण संगठित सैन्य ताकत नहीं रहे हैं। ईरान भी सीरिया की मदद करने की बजाय आत्मरक्षा की कवायद में है। पश्चिम एशिया में सुन्नी और शिया देशों की टकराव का यह ज्वलंत उदाहरण है। इसकी परिणति एक धर्मनिरपेक्ष देश के पतन के रूप में सामने आ सकती है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

# शाहरुख को सबसे बड़ा आउटसाइडर मानते हैं अभिषेक बनर्जी

अभिनेता अभिषेक बनर्जी एक आउटसाइडर हैं, उनका कोई बॉलीवुड कनेक्शन नहीं रहा। इसके बावजूद वह अपने लिए अलग पहचान बनाने में कामयाब रहे। उनका मानना है कि ऐसा हर कोई कर सकता है। इसमें किसी तरह का नेपोटिज्म आड़े नहीं आता है। उन्होंने शाहरुख का उदाहरण दिया और बताया कि किंग खान एक आउटसाइडर थे, इसके बावजूद उन्होंने इतना बड़ा मुकाम बॉलीवुड में बनाया।

## शाहरुख से सीखना चाहिए

अभिषेक बनर्जी एक इंटरव्यू में कहते हैं कि सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र में भाई-भतीजावाद यानी नेपोटिज्म मौजूद है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर शाहरुख खान का हवाला दिया। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि शाहरुख ने इतनी बड़ी सफलता हासिल की है। वह कहते हैं कि आखिरकार बॉलीवुड भी एक बिजनेस है।
इन दिनों जहां भी अभिषेक बनर्जी जाते हैं, सब उनको स्त्री 2 के किरदार जना से पहचानते हैं। वह दर्शकों के बीच एक अलग पहचान बनाने में कामयाब रहे हैं। इस सफलता से वह काफी खुश हैं। अभिषेक बनर्जी आगे भी अलग और खास तरह के किरदार करना चाहते हैं।

## स्त्री 3 का भी हो सकते हैं हिस्सा

जिस तरह से अभिषेक बनर्जी फिल्म स्त्री 2 के कारण खूब पॉपुलर हुए। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह अगली स्त्री सीरीज की फिल्म का हिस्सा भी हो सकते हैं, क्योंकि उनके किरदार के बिना यह फिल्म पूरी नहीं होती है।

## दोस्त के किरदार में ज्यादा दिखे

पिछले कुछ समय से अभिषेक बनर्जी जो किरदार कर रहे हैं, उसमें हीरो के दोस्त के रोल ज्यादा रहे। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उन्होंने मुख्य भूमिका नहीं की। कुछ साल पहले आई एक वेब सीरीज पाताल लोक में उन्होंने हथौड़ा त्यागी का किरदार निभाया था। इस किरदार में उन्हें काफी पसंद किया गया।

# रिद्धि डोगरा ने बताया ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं

**छोटे पर्दे से अपने करियर का सफर शुरू करने वाली रिद्धि डोगरा को जब ओटीटी पर मौका मिला, तो उन्होंने इस माध्यम में भी अपना दम दिखाया। जवान में शाहरुख खान की मां की भूमिका से चर्चा में आई रिद्धि डोगरा इन दिनों द साबरमती रिपोर्ट की जर्नलिस्ट की भूमिका में दिख रही हैं। यहां वे हमसे कई मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखती हैं।**

## मैं ज्यादा पॉलिटिकल बातों से बचती हूं

वो आगे कहती हैं, वैसे भी मैं ज्यादा पॉलिटिकल बातों से बचती हूं। मगर फिर मेकर्स ने मुझसे कहा कि मैं टीम से आकर मिलूं और वे फिल्म पर अपनी रिसर्च को लेकर काफी गंभीर थे। उनके पास विषय को लेकर इतनी सामग्री थी कि मुझे अपने सभी सवालों के जवाब मिल गए और मेरी सारी आशंकाएं निर्मूल साबित हुईं। हमारे प्रोफेशन में कन्विक्शन और इंटेंशन बहुत मायने रखता है और मेरी समझ में आया कि इनकी नियत सच को सामने लाने की है। इस कहानी को वे जर्नलिस्टिक पॉइंट ऑफ व्यू से दिखाना चाहते थे, जो मुझे बहुत रोचक लगा। एक तरह से मेरी भूमिका कैटालिस्ट की है, जो कहीं न कहीं सिस्टम को रिप्रेजेंट करती है।

## जो जलील बातें करता है, उसे ब्लॉक कर देती हूं

अपने बेबाक और बिंदास रवैये के कारण रिद्धि को अक्सर ट्रोल्स का शिकार होना पड़ता है। वे ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं, इस पर वे दो टूक कहती हैं, ट्रोल्स को इतनी तवज्जो नहीं दे सकते। अगर हम ऑनलाइन ट्रोलिंग को इतनी अहमियत देने लगे, तो हम काम नहीं कर पाएंगे। आज तो ऐसा हो गया है कि सबके हाथ में एक फोन आ गया है और वे उस फोन पर कुछ भी लिख सकते हैं।

## हर किसी को अटेंशन चाहिए

वो बताती हैं, कितनी बार ऐसा होता भी है कि कोई कमेंट करता है और मैं जब उसे आड़े हाथ लेने की कोशिश करती हूं, तो वो झट से पलट जाता है और कहने लगता है, अरे हम तो आपके बहुत बड़े फैन हैं। सॉरी मैंने ऐसा कहा, तो आज हर किसी को वो दो मिनट की अटेंशन चाहिए होती है। कभी-कभी जो लोग बहुत ही जलील बातें करते हैं, मैं उन्हें ब्लॉक कर देती हूं। जब लोग औरत होने के नाते मुझे नीचे दिखाने की कोशिश करती हूं, तब मुझसे बर्दाश्त नहीं होता। मैं हजारों को ब्लॉक कर चुकी हूं। हालांकि हमारी निजी जिंदगी पर इनका असर नहीं पड़ना चाहिए, मगर मुझे लगता है, हमें इन्हें एंटरटेन भी नहीं करना चाहिए।

# फिल्म इंडस्ट्री में आउटसाइडर को काम मिलना मुश्किल है

कृति सेनन ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा- आउटसाइडर को इंडस्ट्री में मौके मिलना काफी मुश्किल होता है। इस दौरान एक्ट्रेस ने नेपोटिज्म के लिए फिल्म इंडस्ट्री को नहीं, बल्कि बाहरी लोगों को जिम्मेदार बताया। कृति सेनन गोवा में 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में एक मास्टरक्लास में शामिल हुई थीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि नेपोटिज्म के लिए फिल्म इंडस्ट्री उतनी जिम्मेदार नहीं है, जितने जिम्मेदार मीडिया और ऑडियंस हैं। मीडिया स्टार किड्स के बारे में जो भी दिखाती है उसे ऑडियंस बड़ी दिलचस्पी से देखते है, जिससे फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को लगने लगता है कि ऑडियंस की दिलचस्पी स्टार किड्स में ज्यादा है तो उनके साथ फिल्म करना ज्यादा सही रहेगा। मुझे लगता है कि ये एक सर्कल है। कृति सेनन ने कहा कि अगर आपके अंदर टैलेंट है तो आप कुछ भी कर सकते हो। अगर आप टैलेंटेड नहीं हैं और ऑडियंस से कनेक्ट नहीं कर पा रहे है तो आप कुछ नहीं कर सकते।

## फिल्मी बैकग्राउंड नहीं होने से होती हैं मुश्किल

कृति सेनन ने आगे कहा- जब आप फिल्म इंडस्ट्री के बैकग्राउंड से नहीं होते तो काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हर चीज में थोड़ा स्ट्रगल है। हालांकि, अगर अच्छे से मेहनत करते हैं तो सक्सेस मिल जाती है।

## 2014 में किया बॉलीवुड में डेब्यू

कृति सेनन हाल ही में दो पत्ती में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ शहीर शेख और काजोल भी अहम भूमका में थे। बता दें, कृति सेनन ने साल 2014 में फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

# वेब सीरीज चिट्टा चिट्टा वे से दो साल बाद वापसी कर रही हैं दलजीत कौर

एक्ट्रेस दलजीत कौर दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। आखिरी बार वह टीवी शो ससुराल गेंदा फूल 2 में नजर आई थीं। अब वह जल्द ही वेब सीरीज चिट्टा वे में दिखाई देंगी, जिसमें वह एक ड्रग एडिक्ट का किरदार निभा रही हैं। बातचीत में दलजीत ने अपनी वापसी, नई वेब सीरीज और आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में खुलकर बात की।

## इस रोल के लिए शुरू में थोड़ी हिचकिचाई

मुझे यह रोल तब मिला, जब मेकर्स को एक सिंपल और रियल दिखने वाले चेहरे की जरूरत थी। कहानी पंजाब के छोटे से गांव की है। उन्हें ऐसा चेहरा चाहिए था जो वहां के माहौल में फिट हो सके। भले ही मैं पंजाबी में बहुत फ्लूएंट नहीं हूं, लेकिन मेरी मम्मा पंजाबी बोलती हैं, जिससे मुझे भाषा को समझने और किरदार को अपनाने में थोड़ी मदद मिली। जब मुझे इस रोल के लिए अप्रोच किया गया, तो शुरुआत में मुझे थोड़ी हिचकिचाहट हुई। कहानी ड्रग्स पर आधारित है और बहुत डार्क और इमोशनल है। मैंने सोचा कि क्या मैं इतनी स्ट्रॉन्ग और इमोशनल कहानी निभा पाऊंगी। लेकिन मेकर्स ने मुझ पर भरोसा जताया और कहा कि उन्हें एक ऐसा एक्टर चाहिए जो न सिर्फ इमोशन्स दिखा सके बल्कि किरदार की मजबूती को भी पर्दे पर उतार सके। इस किरदार में बहुत गहराई है और कहानी सिर्फ उस लड़की के स्ट्रगल की नहीं है, बल्कि उसके साहस और बदलाव की भी है। मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझे इस किरदार के लिए चुना।

# बॉलीवुड में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से खुश हैं माधुरी

माधुरी दीक्षित ने अपनी अदाकारी से बॉलीवुड में एक अतुलनीय योगदान दिया है। दिग्गज अभिनेत्री का मानना है कि 80 और 90 के दशक के बाद से बॉलीवुड में बहुत कुछ बेहतर हुआ है। माधुरी ने याद किया कि पहले फिल्म सेट पर केवल महिला कलाकार और उनके हेयरड्रेसर ही हुआ करते थे, लेकिन अब हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।

## महिलाओं की बढ़ी भागीदारी

अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार में बताया, महिलाओं ने एक लंबा सफर तय किया है, यह छोटे-छोटे कदम हैं। जब मैं 80 और 90 के दशक में काम करती थी, तो सेट पर केवल मैं, मेरी सह-कलाकार जो महिलाएं होती थीं या हेयरड्रेसर होती थीं। आज, जब मैं किसी सेट पर जाती हूं तो डीओपी से लेकर एडी, लेखक और एक्शन मास्टर तक हर जगह महिलाएं हैं। मैं सोच भी नहीं सकती थी कि वह इस क्षेत्र में होंगी, जो आश्चर्यजनक है।

## महिलाएं बन रहीं निर्माता

अभिनेत्री ने धीरे-धीरे हुए इस बदलाव की सराहना की और कहा कि महिलाएं अब अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाने लगी हैं और अब वह फिल्मों का निर्माण भी कर रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, हम महिलाओं को एक्शन भूमिकाओं में भी देख रहे हैं, जो आश्चर्यजनक है। जैसे गुलाब गैंग में मैंने एक्शन भूमिका निभाई थी और वह फिल्म महिला-केंद्रित थी, लेकिन हमें ज्यादा व्यावसायिक फिल्में बनाने की जरूरत है, जो महिला-केंद्रित हों, यह धीरे-धीरे होगा। बहुत सी महिला अभिनेता निर्माता बन रही हैं, अगर वह अपनी तरह की फिल्में बनाना चाहती हैं, जो आश्चर्यजनक है और उन्हें और पॉवर मिलनी चाहिए।

## अलग भूमिकाओं की तलाश में माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित को हाल ही में भूल भुलैया 3 में देखा गया, जिसमें कार्तिक आर्यन, तृप्ती डिमरी और विद्या बालन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित यह फिल्म भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है और 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि वह अलग-अलग तरह की रोमांचक भूमिकाओं की तलाश में हैं।

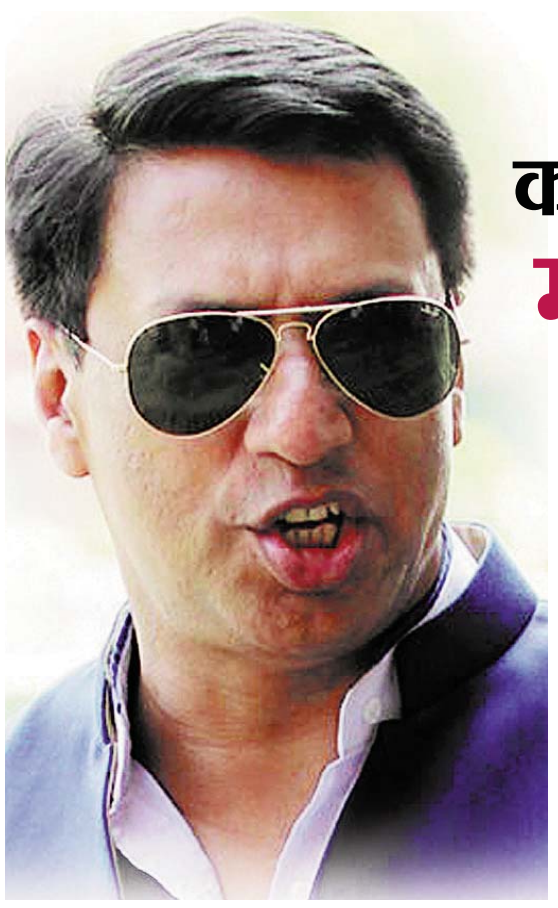

# बॉलीवुड वाइव्स की जिंदगी दिखाएंगे मधुर भंडारकर

मशहूर बॉलीवुड निर्देशक मधुर भंडारकर अपनी खास तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित हो कर फिल्मे बनाते हैं, जो लोगों को काफी कठोर महसूस होती हैं। फैशन, हीरोइन और पेज 3 जैसी कई अन्य फिल्मों के लिए लोकप्रिय मधुर ने हाल में ही आगामी फिल्म को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि उनकी अगली फिल्म वाइव्स ऑफ बॉलीवुड है, जो बॉलीवुड की पत्नियों की असल जिंदगी के बारे में है।
इस बातचीत के दौरान निर्देशक ने कहा कि ये फिल्म मनोरंजन जगत के लोगों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। इस दौरान अपनी फिल्मों से जुड़ी दर्शकों की उम्मीदों को लेकर कहा, मेरे दर्शकों को मुझसे विशेष उम्मीदें हैं। वे अच्छी तरह से जानते हैं कि अगर मैं किसी फिल्म पर काम कर रहा हूं, तो मैं अपनी फिल्म के जरिए किसी खास विषय पर खुलासा करूंगा। इसके अलावा जब भी मैं लोगों से बात करते हुए देखा जाता हूं, तो वे मान लेते हैं कि मैं अपनी रिसर्च कर रहा हूं,क्योंकि मैं शायद उस विषय पर फिल्म बना रहा हूं।

## बॉलीवुड की पत्नियों की जिंदगी दिखाएगी फिल्म

निर्देशक ने आगे कहा कि जब भी वो किसी विषय पर फिल्म बनाने का फैसला करते हैं, तो उससे संबंधित हर छोटे-बड़े विवरणों में जाते हैं। उन्होंने कहा, इस बार, मेरी अगली फिल्म बॉलीवुड की पत्नियों की असल जिंदगी के बारे में है। मैंने अपनी अगली फिल्म का नाम वाइव्स ऑफ बॉलीवुड रखने का फैसला किया है। यह नाम मेरे पास काफी समय से है। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से इस विषय से लगाव रहा है और उन्हें लगता है कि यह उनके दर्शकों के लिए भी दिलचस्प होगा। एक मेगा-सुपरस्टार की पत्नी होना इतना आसान नहीं है, इसमें कई सारे परते होती हैं। दर्शकों को इससे उनके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलेगा।

## फिल्म इंडस्ट्री से समर्थन की उम्मीद

मधुर भंडारकर ने आगे बताया कि उनके पास इसकी एक मैराथन स्क्रिप्ट है। वह इसमें कई बार बदलाव कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये फिल्म निश्चित रूप से दर्शकों के लिए आंखे खोलने वाली होगी। हालांकि, वह इसे लेकर संदेह में हैं कि फिल्म इंडस्ट्री इस विषय पर कैसी प्रतिक्रिया देगी, क्योंकि यह बहुत गंभीर और कठोर फिल्म होगी। निर्देशक ने कहा,मैंने बहुत सारी वास्तविक बॉलीवुड पत्नियों से प्रेरणा ली है और उसमें कल्पना को जोड़ा है। यह सुनिश्चित भी किया है कि यह वास्तविकता के करीब रहे। निर्देशक ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जिस तरह से उनकी फैशन, पेज 3 और कॉर्पोरेट जैसी अन्य फिल्मों को इंडस्ट्री के लोगों ने सराहा था, उसी तरह वे वाइव्स ऑफ बॉलीवुड की भी सराहना करेंगे।

# एलिस कौशिक ने अपने रिश्ते पर की खुलकर बात

टीवी शो बिग बॉस 18 से एलिस कौशिक के एलिमिनेशन के बाद उन्होंने खुलकर अपने अनुभव साझा किए और बताया कि उन्हें पहले से ही यह एहसास था कि वह घर से बाहर होने वाली हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए एलिस ने कहा, मुझे जब भी ऐसी कोई फीलिंग आती है तो वह सही होती है। इस बार भी मैंने खुद के साथ ऐसा महसूस किया था, इसलिए मैंने अपना नाम लिया था। बिग बॉस 18 में एलिस की लव लाइफ भी काफी सुर्खियों में रही थी। बातचीत में अपनी लव लाइफ पर पूछे गए सवाल के जवाब में एलिस ने कहा, मुझे अपने रिश्ते पर पूरा विश्वास है, इसलिए मुझे बाहर आने के बाद इस पर किसी प्रकार की स्पष्टता की आवश्यकता नहीं थी। उस समय जो छोटी सी बात इंटरव्यू में निकाली गई थी, वह मुझे भावुक कर गई थी, लेकिन अगले दिन से मैंने इसका जिक्र तक नहीं किया, क्योंकि मुझे अपने रिश्ते पर पूरा यकीन है। एलिस ने पैनिक अटैक पर भी अपनी बात रखी। अविनाश के एलिमिनेशन के बाद आए पैनिक अटैक पर एलिस ने कहा, यह बहुत दुख की बात है कि इसका मजाक उड़ाया गया। मैं दुनिया में अकेली नहीं हूं जिसके साथ ऐसा होता है। मुझे जब पैनिक अटैक आता है तो मैं कांपने लगती हूं।

# भारत ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश को 6 विकेट से हराया

**कैनबरा (एजेंसी)।** हर्षित राणा के (चार विकेट) के बाद शुभमन गिल (रिटायर्ड नाबाद 50), यशस्वी जायसवाल (45), नीतीश कुमार रेड्डी (42) रनों की शानदार पारियों की बदौलत भारत ने रविवार को मनुका ओवल में गुलाबी से खेले गए अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश को छह विकेट से हरा दिया।

241 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की। इसी दौरान केएल राहुल (नाबाद 27) रन पर रिटायर्ड हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये शुभमन गिल ने जायसवाल के साथ पारी को संभाला। 17वें ओवर में चार्ली एंडरसन ने यशस्वी जायसवाल (45) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई।

कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर विफल रहे और तीन रन बनाकर आउट हुये। शुभमन गिल (नाबाद 50) रन बनाकर रिटायर्ड हुये। नीतीश कुमार रेड्डी ने (42) रनों की पारी खेली। रवींद्र जाडेजा (27) और सरफराज खान (एक) रन बनाकर आउट हुये। वॉशिंगटन सुंदर (37) रन बनाकर और देवदत्त पड़िक्कल (तीन) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 46 ओवर में पांच विकेटपर 256 रन बनाये। भारत ने यह मुकाबला छह विकेट से जीता।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश की ओर से चार्ली एंडरसन ने दो विकेट लिए। लॉयड पोप, मैट रेनशॉ और जैक क्लेटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज भारतीय टीम ने आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिए।

मोहम्मद सिराज ने भारत को पहली सफलता मैट रेनेशॉ को आउट कर दिलाई। इस दौरन बीच में बारिश के कारण कुछ देर खेल रूका रहा। दोबारा खेल शुरु होने पर आकाश दीप ने जेडन गुडबिन (चार) को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट करवाया। इसके बाद जैक क्लेटन ने सैम कॉन्स्टास के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 109 रनों की साझेदारी हुई। 23वें ओवर में हर्षित राणा ने एक ओवर में ऑस्ट्रेलिया को दो झटके दिए।

हर्षित ने पहले जैक क्लेटन (40) को बोल्ड आउट किया उसके बाद ऑलिवर डेविस (शून्य) बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान जेक एडवर्ड्स (एक)और सैम हार्पर (शून्य) भी हर्षित का शिकार बने। हैनो जेकब्स (60) को वॉशिंगटन सुंदर ने आउट किया। आठवें विकेट के रूप में सैम कॉन्स्टास (107) रन पर आउट हुये। उन्हें आकाशदीप ने सैनी के हाथों कैच आउट कराया। जैक निस्बेट (11) और

एडन ओ%कॉनर (चार) रन बनाकर आउट हुये। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश 43.2 ओवर में 240 पर सिमट गई। भारत की ओर से हर्षित राणा ने चार, आकाश दीप ने दो, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा,वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

# आईपीएल में ऋषभ , श्रेयस और वेंकटेश पर रहेंगी नजरें

**मुंबई (एजेंसी)।** पिछले तीन सत्र में आईपीएल नीलामी में सबसे अधिक कीमतों में बिकने वाले खिलाड़ी असफल रहे हैं। ऐसे में साल 2025 सत्र के लिए बिके सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत के अलावा श्रेयस अय्यर और वेंकटेश अय्यर की भी इस बार आईपीएल में कड़ी परीक्षा होगी। ऋषभ नीलामी में सबसे अधिक 27 करोड़ जबकि श्रेयस 26.75 करोड़ और वेंकटेश 23.75 करोड़ में बिकने के साथ ही दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे थे। पिछले तीन सत्र की बात करें तो 153 करोड़ रुपए की कीमत वाले 9 खिलाड़ियों की तुलना में सस्ते खिलाड़ी अधिक सफल रहे जबकि उनकी कुल कीमत 3.35 करोड़ रुपए थी।

पिछले सत्र में मिचेल स्टार्क को 24.75 करोड़ मिले थे और उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से-14 पारी में 26.12 के औसत से 17 विकेट लिए जबकि पैट कमिंस को 20.5 करोड़ मिले थे और उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से 18 विकेट लिए। फाइनल में पहुंचाया। वहीं डैरिल मिचेल ~ 14 करोड़ मिले और उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से 13 मैच में 70 के औसत से 1 विकेट ही लिया। दूसरी ओर पंजाब किंग्स के शशांक सिंह को 20 लाख मिले और उन्होंने पंजाब किंग्स की ओर से 44.25 के औसत के साथ 354 रन बनाये।स्ट्ब्स को 50 लाख मिले ओर उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से 13 पारी में 191 के औसत से 378 रन बनाये जबकि रमनदीप 20 लाख में बिके और उन्होंने फिनिशर के तौर पर काफी अच्छा काम किया। वहीं 2023 और 2022 सत्र में भी करोड़ा की राशि हासिल करने वाले असफल रहे जबकि लाखों पाने वालों ने कमाल किया।

# जय शाह ने आईसीसी अध्यक्ष का पद संभाला

**दुबई (एजेंसी)।** जय शाह ने 1 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नये अध्यक्ष के रूप में अपनी पद संभाल लिया। जय शाह ने ग्रेग बार्कले की जगह ली है। बाकले नवंबर 2020 से इस पद पर थे। आईसीस प्रमुख के रूप में अपने अपने संबोधन में शाह ने कहा कि लक्ष्य लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल किये जाने और महिलाओं के खेल के विकास को प्राथमिकता देने पर वह ध्यान देंगे।

शाह ने कहा, आईसीसी अध्यक्ष की भूमिका निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। आईसीसी निदेशकों और सदस्य बोर्डों के समर्थन और विश्वास के लिए मैं आभारी हूं। यह खेल के लिए एक रोमांचक समय है क्योंकि हम ओलंपिक ओलंपिक खेलों की तैयारी कर रहे हैं और दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए क्रिकेट को अधिक समावेशी और आकर्षक बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हम कई प्रारूपों के एक साथ होने से आ रही परेशानद और महिलाओं के खेल के विकास में तेजी लाने की आवश्यकता पर काम कर रहे हैं। क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर आये जाने की अपार संभावनाएं हैं, और मैं इन अवसरों का लाभ उठाने और खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आईसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

शाह ने साल 2009 में गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन से अपना कामकाज शुरू किया था। वहीं साल 2019 में वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सबसे कम उम्र के मानद सचिव बने। शाह एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष भी रहे है। इसके अलावा उन्होंने आईसीसीसी की वित्त और वाणिज्यिक मामलों की समिति की अध्यक्षता की। शाह ने पिछले चार वर्षों में अपने योगदान को मान्यता देते हुए निवर्तमान आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले का आभार व्यक्त किया।

# इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट में आठ विकेट से दी शिकस्त

**क्राइस्टचर्च (एजेंसी)।** हैरी ब्रूक (171) ब्राइडन कार्स (छह विकेट) और जेकब बेथेल (नाबाद 50) रनों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच में रविवार को न्यूजीलैंड को आठ विकेट से शिकस्त दी। इंग्लैंड की टीम ने महज 12.4 ओवर में दो विकेट पर 104 रन के लक्ष्य को हासिल कर यह जीत दर्ज की। चौथे दिन इंग्लैंड के गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड की पूरी टीम 254 रन पर समेट दिया था। डैरिल मिचेल (84), केन विलियमसन (61) रनों की पारी खेली। रचिन रविंद्र (24), नेथन स्मिथ (21) और ग्लेन फिलिप्स (19) रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद इंग्लैंड को जीत के लिए 104 रनों का लक्ष्य मिला था। जिसे उसने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। इंग्लैंड की ओर से ब्रायडन कार्स ने 19.1 ओवर में 42 रन देकर छह विकेट लिये। क्रिस वोक्स को तीन विकेट मिले। गस ऐटकिंसन ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सबसे कम ओवरों में टेस्ट क्रिकेट में 100 से अधिक रनों के लक्ष्य को हासिल करने का विश्व रिकार्ड भी बना लिया है। इंग्लैंड के लिए जहां हैरी ब्रूक ने (171) रनों की शानदार शतकीय पारी खेली वहीं ब्रायडन कार्स ने पूरे मैच में 10 विकेट झटके। उन्होंने पहले पारी में 19 ओवर में 64 रन देकर चार विकेट लिए।

वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 19.1 ओवर में 42 रन देकर छह विकेट झटके। उन्हें बेहतरीन गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। इससे पहले न्यूजीलैंड ने पहली पारी में केन विलियमसन (93), कप्तान टॉम लेथम (47) और ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 58) की शानदार पारियों की मदद से 348 रन बनाये थे। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में हैरी ब्रूक (171), बेन स्टोक्स (80), गस ऐटकिंसन (48) और बेन डकेट (46) की बेहतरीन पारियों की मदद से499 का स्कोर खड़ा कर पहली पारी के आधार पर 151 रनों की बढ़त ली थी। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने चार, नेथन स्मिथ तीन, टिम साउदी दो और विलियम ओरूर्क ने एक बल्लेबाज को आउट किया था। इंग्लैंड ने इस जीत के साथ ही तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

### वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत को मिला फायदा

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के फाइनल की रेस फिलहाल पांच टीमों के बीच जंग है। भारत, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका और न्यूजीलैंड WTC फाइनल के सबसे बड़े दावेदार हैं। इंग्लैंड के हाथों मिली हार से न्यूजीलैंड को टेबल में रैंकिंग पर कोई नुकसान नहीं हुआ, न्यूजीलैंड चार नंबर पर ही बरकरार रही। वहीं टीम इंडिया को इससे बड़ा फायदा हो सकता है। हाल ही में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पर्थ टेस्ट में हराकर प्वॉइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल किया था। वहीं साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका को हराया और ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर सीधे नंबर 2 पर है। जबकि नंबर 3 पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है।

# सूर्यकुमार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलेंगे

हैदराबाद । भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने की संभावनाएं हैं। सूर्यकुमार मंगलवार से मुंबई की ओर से आंध्र के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) के शेष मैचों में उतरेंगे। इसके बाद वह 21 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में भी खेल सकते हैं। सूर्यकुमार सोमवार को हैदराबाद में मुंबई की टीम से जुड़ेंगे और उनके अगले ही दिन मैच में भी खेलने की उम्मीद है। ग्रुप ई में चौथे स्थान पर काबिज मुंबई ने अब तक अपने तीन मैचों में से दो जीते हैं और रविवार को नागालैंड के खिलाफ होने वाले मैच के बाद उनके पास दो लीग मैच शेष हैं। इस टूर्नामेंट में हार्दिक पांड्या, श्रेयस, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, वरुण चक्रवर्ती और अन्य खिलाड़ी भी खेल रहे है। दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले सूर्यकुमार ने अक्टूबर में रणजी ट्रॉफी का एक दौर भी खेला था। सूर्यकुमार इस टूर्नामेंट में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलेंगे।

# रूट ने तेंदुलकर का एक रिकार्ड तोड़ा

क्राइस्टचर्च । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की चौथी पारी में 22 रन बनाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब रुट चौथी पारी में ज्यादा रन बनाने के मामले में भारतीय टीम के महान बल्लेबाज तेंदुलकर से भी आगे निकल गये हैं। रूट के अब चौथी पारी में 1630 रन हो गये हैं जबकि तेंदुलकर के नाम 1625 रन ही हैं। इससे इंग्लैंड ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पिछले महीने रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में एलिस्टर कुक को पीछे छोड़ा था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने यह उपलब्धि केवल 147 टेस्ट और 268 पारियों में हासिल की जबकि कुक ने 161 टेस्ट और 291 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रूट से आगे अब रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ ही हैं। इससे पहले रूट ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान अपना 33वां और 34वां टेस्ट शतक लगाकर शतकों के मामले में कुक का रिकार्ड तोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक अपने नाम किये थे।

# अपने भविष्य को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकता : मेसी

### -राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने में खुशी होती है

**ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)।** अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने कहा है कि मैंने अभी तक अपने भविष्य और संन्यास को लेकर कुछ तय नहीं किया है, इसलिए इस मामले में कुछ नहीं कह सकता। फीफा विश्व कप 2026 के लिए दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में बोलिविया के खिलाफ अपनी टीम की 6-0 की जीत में मेसी की अहम भूमिका रही है। मेसी ने इस मैच में अर्जेंटीना की ओर से 10वीं अंतरराष्ट्रीय हैट्रिक लगायी। इस दौरान मेसी ने कहा कि जब भी वह राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलते हैं तो उन्हें बेहद खुशी होती है। मेसी ने कहा, यहां आकर हमारे लिए लोगों का समर्थन महसूस करके बहुत अच्छा लग रहा है। जिस तरह से लोग मेरा नाम पुकारते हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। हम सभी लोगों के साथ जुड़ाव का आनंद लेते हैं और हमें अर्जेंटीना में खेलना बहुत पसंद है। हम इस जीत से उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपने भविष्य के लिए कोई तिथि या समय सीमा तय नहीं की है, मैं बस इसका आनंद लेना चाहता हूं। मैं यहां आकर और लोगों का प्यार महसूस करके पहले से कहीं अधिक उत्साहित हूं, क्योंकि मुझे पता है कि ये मेरे आखिरी खेल हो सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं क्लब में साल का अंत अच्छे से करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लूंगा और फिर हर दिन का आनंद ले पाऊंगा।

मेसी अपने देश की ओर से शीर्ष स्कोरर भी बन गए हैं, जिन्होंने 189 मैचों में 112 गोल किए हैं। सीनियर टीम की ओर से उन्होंने पहला गोल 1 मार्च, 2006 को बेसल में क्रोएशिया के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में किया था। अर्जेंटीना फुटबॉल वेबसाइट के अनुसार, नेशनल टीम के लिए उनके आधे से अधिक गोल आधिकारिक थे। विश्व कप क्वालीफिकेशन में 34, कोपा अमेरिका में 17 और विश्व कप में 13 और अर्जेंटीना वह देश था जहां उन्होंने सबसे अधिक गोल 34 किए।

# आईपीएल ऑक्शन के सबसे युवा खिलाड़ी पाक के खिलाफ फ्लॉप

दुबई । आईपीएल ऑक्शन 2024 में सबसे युवा खिलाड़ी के रूप में इतिहास बनाने वाले 13 साल के वैभव सूर्यवंशी एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलने के बाद फ्लॉप साबित हुए। भारत के अंडर-19 टीम के बाएं हाथ के ओपनर सूर्यवंशी पाकिस्तान के खिलाफ मैच में सिर्फ 9 गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए। यह मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था, जहां पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 281 रन बनाए थे। सूर्यवंशी को अपनी पारी के दौरान अली रजा की तेज गेंदबाजी का सामना करना पड़ा, जो एक एंगल बॉल थी। गेंद सूर्यवंशी के बल्ले का मोटा किनारा लेकर विकेटकीपर साद बेग के हाथों में समा गई। इससे पहले, भारत की शुरुआत काफी खराब रही थी। आयुष म्हात्रे भी महज 20 रन बनाकर आउट हो गए थे।

वैभव सूर्यवंशी, जो बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले हैं, को राजस्थान रॉयल्स ने 1 करोड़ 10 लाख रुपये में खरीदा था, जबकि उनका बेस प्राइस सिर्फ 30 लाख था। इस आईपीएल डील के बाद से उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें थीं, खासकर एशिया कप के इस महत्वपूर्ण मैच में। सूर्यवंशी ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय अंडर-19 टीम में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेंचुरी भी बनाई थी, लेकिन एशिया कप में उनका प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। इस मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शाजेब खान के विस्फोटक 159 रन की पारी के दम पर भारत के सामने 282 रन का लक्ष्य रखा। भारतीय टीम ने जवाब में संघर्ष किया, लेकिन उनकी शुरुआत कमजोर रही। हालांकि, भारत अंडर-19 एशिया कप की सबसे मजबूत टीम मानी जाती है, क्योंकि उसने इस टूर्नामेंट में अब तक 8 बार ट्रॉफी जीती है। भारत की टीम इस बार फेवरेट मानी जा रही थी, लेकिन पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में हारने के बाद यह देखा जाएगा कि क्या वे फिर से खिताब हासिल कर पाते हैं या नहीं।

# शमी की फिटनेस और प्रदर्शन की समीक्षा कर रहा बीसीसीआई

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अभी बंगाल की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रहे हैं। शमी को राष्ट्रीय टीम में जगह देने से पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी फिटनेस को लेकर आश्वस्त होना चाहता है। चोट के बाद वापसी कर रहे शमी की फिटनेस और प्रदर्शन की समीक्षा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पदर्शन के आधार पर होगी। राष्ट्रीय चयनकर्ता और बीसीसीआई की स्पोर्ट्स साइंस टीम उनकी फिटनेस का गहरानी से निरीक्षण कर रही है। स्पोर्ट्स साइंस विभाग के प्रमुख नितिन पटेल और चयनकर्ता एसएस दास राजकोट में शमी के प्रदर्शन पर नजर रख रहे हैं। शमी को टीम में शामिल करने से पहले बीसीसीआई पक्का करना चाहता है कि वह टेस्ट क्रिकेट की मांगों को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हों। इस दौरान शमी के दैनिक वर्कलोड, प्री-मैच और पोस्ट-मैच स्थिति पर नजर रखी जा रही है। शमी ने अब तक चार मैच खेले हैं, जिनमें उनका प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। उन्होंने पंजाब के खिलाफ 1/46, हैदराबाद के खिलाफ 3/21, मिजोरम के खिलाफ 0/46 और मध्य प्रदेश के खिलाफ 0/38 का प्रदर्शन किया। फिटनेस के लिहाज से वह इन मुकाबलों में बेहतर नजर आए हैं। इससे पहले उन्होंने रणजी ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेलते हुए 7 विकेट हासिल किए थे। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन शमी की प्रगति पर नियमित अपडेट ले रहा है। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर और उप-कप्तान जसप्रीत बुमराह ने शमी को टीम का अहम हिस्सा बताया है। बुमराह ने कहा, शमी हमारी टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। प्रबंधन उनकी स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है, और उम्मीद है कि वह जल्द टीम के साथ जुड़ सकते हैं। शमी के आगे के प्रदर्शन को देखते हुए बीसीसीआई उनका आंकलन करेगा।

# दूरदर्शन ने हॉकी इंडिया लीग के साथ किया साझेदारी, 28 दिसंबर से प्रसारण शुरू होगा

नई दिल्ली । भारत के राष्ट्रीय प्रसारक दूरदर्शन (डीडी) ने हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के साथ साझेदारी की है, ताकि देशभर के लाखों दर्शकों तक इस रोमांचक टूर्नामेंट का प्रसारण किया जा सके। यह साझेदारी खास है क्योंकि इस बार की लीग महिला हॉकी इंडिया लीग के उद्घाटन सत्र के साथ-साथ पुरुष प्रतियोगिता का भी प्रतीक होगी। एचआईएल 28 दिसंबर से शुरू होगा, और यह टूर्नामेंट भारतीय हॉकी के एक ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनेगा। इस साल के संस्करण में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें भाग लेंगी, जो राउरकेला और रांची में प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस टूर्नामेंट में भारत और दुनिया भर के शीर्ष हॉकी खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। महिला हॉकी इंडिया लीग को शामिल करना हॉकी इंडिया की लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, साथ ही यह महिला हॉकी को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने का भी संकेत है। प्रसार भारती के चेयरमैन नवनीत सहगल ने इस साझेदारी के महत्व को बताया, हमें गर्व है कि प्रसार भारती हॉकी इंडिया लीग के साथ जुड़ा है। यह मंच हमारे राष्ट्रीय खेल का जश्न मनाता है और विभिन्न श्रेणियों के दर्शकों को जोड़ता है। हमारा उद्देश्य हॉकी की रोमांचक भावना को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाना है, जिसमें महिला एचआईएल का ऐतिहासिक डेब्यू भी शामिल है। प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने इस अवसर पर कहा, भारतीय हॉकी का स्वर्ण युग वापस आ रहा है, जैसा कि टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार दो पदक जीतने से स्पष्ट है।

# त्रीसा और गायत्री की जोड़ी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन में महिला युगल खिताब जीता

**लखनऊ (एजेंसी)** भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने रविवार को यहां सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में बाओ ली जिंग और ली कियान की चीन की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर अपना पहला सुपर 300 खिताब जीता। चीन में सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी त्रीसा और गायत्री ने चीन की प्रतिद्वंद्वियों को महज 40 मिनट में 21-18, 21-11 से मात दी।

राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता जोड़ी के लिए यह जीत ऐतिहासिक है क्योंकि त्रीसा और गायत्री इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला युगल जोड़ी बन गईं। यह जोड़ी 2022 चरण में उपविजेता रही थी। भारतीय जोड़ी ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में 4-0 की बढ़त बना ली। हालांकि बाओ और ली ने वापसी की और 14-14 से मुकाबला काफी करीबी हो गया। चीन की खिलाड़ियों की गलतियों ने भारतीयों को 17-15 से आगे कर दिया।

गायत्री के नेट पर फुर्तीले शॉट से भारतीय जोड़ी को दो गेम प्वाइंट हासिल करने में मदद मिली और उन्होंने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में त्रीसा और गायत्री ने ब्रेक तक 11-5 की बढ़त हासिल कर ली। भारतीयों ने लगातार शानदार रैलियों से अंतर 18-7 तक बढ़ा दिया। गायत्री के ताकतवर स्मैश से उन्हें 11 मैच प्वाइंट दिलाए और भारतीय जोड़ी ने खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक की पुरुष युगल जोड़ी तथा तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल टीम ने अपना अभियान उप विजेता के तौर पर समाप्त किया।

पृथ्वी और साइ ने 71 मिनट तक चले पुरुष युगल फाइनल में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन उन्हें चीन के हुआंग डि और लियू यांग से 14-21, 21-19, 17-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। इससे पहले पांचवी वरीयता प्राप्त तनीषा और ध्रुव की जोड़ी एक गेम की बढ़त गंवाकर मिश्रित युगल के फाइनल में थाईलैंड के डेचापोल पुआवारानुक्रोह और सुपिसारा पाएवसम्प्रान की जोड़ी से 21-18 14-21 8-21 से पराजित हो गई। पृथ्वी और साई ने पहले गेम में 8-8 की बराबरी हासिल की हुई थी लेकिन प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में वापसी करते हुए भारतीयों ने ब्रेक तक 11-7 से बढ़त बना ली और यह गेम हासिल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी ने साई के ताकतवर स्मैश की बदौलत 1-5 से उबरते हुए 7-7 से बराबरी प्राप्त की। लेकिन 17-18 का अंतर कम करने के बावजूद चीन की जोड़ी ने संयम बरतते हुए मैच जीत लिया। मिश्रित युगल के फाइनल में तनीषा और ध्रुव 6-0 से आगे थे। पर थाईलैंड की जोड़ी ने

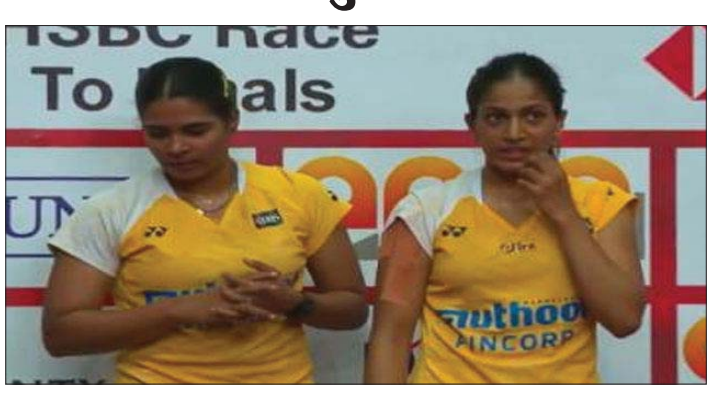

वापसी करते हुए बढ़त 14-12 कर दी। दोनों जोड़ियां फिर 18-18 से बराबर थीं।

तनीषा ने अहम मौके पर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के कमजोर रिटर्न का फायदा उठाया और पहला गेम भारतीयों की झोली में चला गया। दूसरे गेम में डेचापोल और सुपिसारा ने वापसी करते हुए 11-6 की बढ़त बना ली और मैच निर्णायक गेम तक ले गईं। तीसरे गेम में भारतीय जोड़ी की गलतियों का फायदा उठाते हुए थाईलैंड की जोड़ी ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बनाने में कामयाब हो गई और फिर मुकाबला जीत लिया।

## संक्षिप्त समाचार

### जर्मनी- बांग्लादेश के बीच करोड़ों की डील, तकनीकी और वित्तीय क्षेत्र में मिल कर करेंगे काम

**ढाका , एजेंसी।** बांग्लादेश और जर्मनी के बीच 180 मिलियन यूरो ( 190.8 डॉलर ) से अधिक के दो वित्तीय और तकनीकी समझौते हुए हैं। जिसका लक्ष्य विकास कार्यों में सहयोग करना है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से बताया कि बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय में आर्थिक संबंध प्रभाग के सचिव मोहम्मद शहरियार कादर सिद्दीकी और बांग्लादेश में जर्मनी के राजदूत अचिम ट्रॉस्टर ने अपने-अपने पक्षों की ओर से समझौतों पर हस्ताक्षर किए। कुल राशि में से 45.8 मिलियन यूरो का उपयोग तकनीकी सहयोग के लिए तथा 135 मिलियन यूरो का उपयोग वित्तीय मामलों में सहयोग के लिए किया जाएगा। समझौते के तहत नवीकरणीय ऊर्जा, सतत शहरी विकास, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण, सामाजिक और पर्यावरणीय आपूर्ति श्रृंखला, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ घरेलू हिंसा से निपटने जैसे विभिन्न क्षेत्रों में मिल कर काम किया जाएगा।

### उत्तर कोरिया ने कूड़े से भरे लगभग 40 गुब्बारे दक्षिण कोरिया की ओर भेजे : जेसीएस

**सियोल , एजेंसी।** दक्षिण कोरिया की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने पिछली रात से सीमा पार दक्षिण कोरिया में कचरे से भरे लगभग 40 गुब्बारे भेजे हैं, जिनमें से अधिकांश राजधानी के बड़े क्षेत्र में गिरे हैं। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उन्होंने गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक राजधानी क्षेत्र में उत्तर कोरिया द्वारा छोड़े गए लगभग 30 गुब्बारे देखे, जिनमें सियोल के आसपास का ग्योंगगी प्रांत भी शामिल है। सेना ने कहा, (गुब्बारों से) जो सामग्री मिली, उसमें दक्षिण कोरिया के खिलाफ दुष्प्रचार संबंधी पर्चे थे। उसमें ऐसा कुछ भी नहीं था, जिससे सुरक्षा को खतरा हो। मई के अंत से अब तक उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया में 32 बार ऐसे गुब्बारे भेजे हैं, जिनमें यह ताजा घटना भी शामिल है, जो दक्षिण कोरिया के द्वारा सीमा पार भेजे गए प्योंगयांग विरोधी प्रचार पत्रकों के जवाब में की गई है।

### बेल्जियम में सेक्स वर्कर्स को भी मिलेगी पेंशन और छुट्टियां, बनाए गए नौकरी जैसे नियम

**ब्रसेल्स, एजेंसी।** बेल्जियम ऐसा पहला देश है जिसने सेक्स वर्कर्स को भी सामान्य नौकरी पेशा लोगों की तरह सुविधाएं देने के लिए कानून बना दिया है। बेल्जियम के नए कानून के तहत सेक्स वर्कर्स भी अनुबंध के तहत कार्य करेंगी जिसमें स्वास्थ्य बीमा, पेंशन, सिक लीव और मैटरनिटी लीव जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। यानी इसे नौकरी की तरह मान्यता दी जाएगी। 2022 में ही बेल्जियम ने इस पेशे को क्राइम कैटिगरी से बाहर कर दिया था। बेल्जियम के अलावा पेरू और तुर्की में भी इस पेशे को वैध करार दिया गया है। इससे पहले बार, इरोटिक मसाज पार्लर और अन्य जगहों पर अवैध तरीके से ही सेक्स वर्कर्स को काम करना पड़ता था। इसके बदले उन्हें कैश में रुपये मिलते थे। यह शोषण का एक खुला हुआ दरवाजा था। इस नए कानून में कहा गया है कि सेक्स वर्कर्स की भर्ती करते वक्त उनके क्रिमिनल रिकॉर्ड भी चेक किए जाने जरूरी हैं। इसके अलावा अपने कर्मचारियों को सम्मान दिलवाना भी रिक्रूटर की जिम्मेदारी है। कई संगठनों ने इस नए कानून की आलोचना भी की है। उनका कहना है कि इस तरह से वेश्यावृत्ति को बढ़ावा मिलेगा और ह्यूमन ट्रैफिकिंग भी तेज हो जाएगी। वहीं अन्य लोगों का कहना है कि यह समाज की सच्चाई है कि यहां सेक्स वर्कर होते हैं। यह खुला हो या फिर छिपा हुआ। ऐसे में सेक्स वर्कर्स को भी सम्मान और सुरक्षा का जीवन जीने का अधिकार है। सेक्स वर्कर्स का मानना है कि कई बार उन्हें इच्छा के खिलाफ भी शोषण का शिकार होना पड़ता है। अगर कानून उनके पक्ष में हो तो वे आसानी से विरोध कर सकती हैं। इसके अलावा अगर काम देने वाला शख्स भी बुरा बर्ताव करता है तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जा सकता है। बता दें कि कोरोना महामारी के वक्त काम की कमी की वजह से सेक्स वर्कर्स सड़कों पर उतर चुके थे। इसके बाद देशव्यापी प्रदर्शन हुए और सरकार ने इसे वैध घोषित कर दिया।

# सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर पर विद्रोहियों का कब्जा: 250 की मौत

## अलेप्पो में एयरपोर्ट-अस्पताल बंद ; सरकार की मदद के लिए पहुंची रूसी सेना

**दमिश्क, एजेंसी।** सीरिया में विद्रोही गुट ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो और इदलिब के आधे से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक विद्रोही गुट में हयात तहरीर अल-शम और उसके सहयोगी संगठन शामिल हैं। इन्हें अलकायदा का समर्थन हासिल है। साल 2016 में सीरियाई सेना ने विद्रोहियों को खदेड़ दिया था। 8 साल बाद ऐसा फिर हो रहा है जब विद्रोही गुटों ने अलेप्पो पर कब्जा करने जा रहे हैं। ॥ञ्जस्‌ने 27 नवंबर को हमला किया था और शहर के अंदर घुस कर कई मिलिट्री ठिकानों पर कब्जा कर लिया था। सीरिया सरकार ने शनिवार को अलेप्पो एयरपोर्ट, हॉस्पिटल और शहर से जुड़ी सभी सड़कों को बंद कर दिया है। इस बीच रूस, सीरियाई सरकार की मदद में जुट गया है। मॉस्को टाइम्स के मुताबिक रूसी सेना ने शुक्रवार को विद्रोहियों और उनके हथियार गोदामों पर घातक बमबारी की। रूसी सेना ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटे में विद्रोहियों के 23 ठिकानों पर हमला किया और 200 से ज्यादा विद्रोहियों को मार गिराया है। सीरिया में 3 दिन पहले विद्रोहियों का शुरू हुआ हमला बशर अल-असद सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। अब तक हुई झड़पों में दोनों तरफ के 250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

**रूस ने सहायता भेजी, ईरान भी कर सकता मदद :** रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति असद के 3 सबसे बड़े सहयोगी ईरान, हिजबुल्लाह और रूस घरेलू मामले में उलझे हैं। रूस, यूक्रेन से जंग लड़ रहा है, वहीं, ईरान और हिजबुल्लाह का इजराइल के साथ विवाद चल रहा है। इन तीनों ने असद सरकार को गृह युद्ध से निपटने में अहम भूमिका निभाई थी। सीरिया, ईरान के लिए जरूरी है, क्योंकि हिजबुल्लाह और हमास तक हथियार पहुंचाने के लिए ईरान, सीरिया का इस्तेमाल करता है। ऐसे में जल्द ही ईरान, सीरिया को हथियार मुहैया करा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान समर्थक इराकी मिलिशिया सीरिया जा सकते हैं। इन मिलिशिया में कताइब हिजबुल्लाह, असाइब अहल अल हक, हरकत अल नुजबाह शामिल हैं। सीरिया में 2011 में शुरू हुआ गृह युद्ध 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हुई थी। सीरिया के लोगों ने 10 साल से सत्ता में काबिज बशर अल-असद सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए। इसके बाद फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ। विद्रोही गुट के बनने के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसमें अमेरिका, रूस, ईरान और सऊदी अरब के शामिल होने के बाद ये संघर्ष और बढ़ता गया। इस बीच, सीरिया में आतंकवादी संगठन ढ्ढस्ढ्ढस्‌ने भी पैर पसार लिए थे। 2020 के सीजफायर समझौते के बाद यहां सिर्फ छिटपुट झड़प ही हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, एक दशक तक चले गृहयुद्ध में 3 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके अलावा लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा था।

**सीरिया के गृहयुद्ध में तबाह हो गया अलेप्पो शहर :** 1986 में यूनेस्को से वैश्विक धरोहर का दर्जा हासिल करने वाला और दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक अलप्पो शहर 2012 के आते-आते सीरिया के गृह युद्ध की अहम जगह बन गया था। सीरिया का अलेप्पो शहर न सिर्फ वैश्विक धरोहर बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का केंद्र भी था, खूबसूरत मस्जिदों और कलाकृतियों से सजा हुआ यह शहर देखते ही देखते अपनों के हाथों ही तबाह हो गया। जुलाई 2012 तक अलेप्पो दो हिस्सों में बंट चुका था, जिसका एक हिस्सा फ्री सीरियन आर्मी के पास था और दूसरा बशर अल-असद के कब्जे में। सरकार की मदद करने वाले देशों में रूस, ईरान, इराक, अफगानिस्तान, लेबनान और पाकिस्तान शामिल था। वहीं विद्रोहियों को अमेरिका, सऊदी अरब और तुर्किये से मदद मिल रही थी। सरकार के हवाई हमलों में वह सारी खूबसूरत कलाकृतियां मस्जिद और सांस्कृतिक धरोहर खो गईं।

## बांग्लादेश में इस्कॉन पर बैन के लिए सड़कों पर कट्टरपंथी:जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में ढाका हाईकोर्ट के इस्कॉन पर बैन लगाने से इनकार करने के बाद कट्टरपंथी समूहों ने शुक्रवार को भारी हंगामा किया। जुम्मे की नमाज के बाद देशभर की मस्जिदों में लाखों मुसलमानों ने प्रदर्शन किया। सबसे बड़े प्रदर्शन राजधानी ढाका और चटगांव में हुए। प्रदर्शनकारियों ने इस्कॉन को 'हिंदू उग्रवादी संगठन' और 'कट्टरपंथी व राष्ट्र-विरोधी समूह' बताते हुए इस संगठन पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की। इन रैलियों में कट्टरपंथी संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम, खिलाफत मजलिस और इस्लामिक आंदोलन सहित कई धार्मिक-आधारित संगठनों और राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया। हिफाजत ने कहा कि देश की पराजित ताकतें हिंदुओं का इस्तेमाल अराजकता फैलाने के लिए कर रही हैं। पिछले मंगलवार को चटगांव कोर्ट परिसर में जिस तरह से वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या की गई, वह गृहयुद्ध भड़काने की कोशिश थी। वहीं, चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई के लिए इस्कॉन ने कोलकाता में विरोध कीर्तन आयोजित किया। इस्कॉन ने घोषणा की है कि रविवार को दुनिया भर के सभी इस्कॉन मंदिरों में वैश्विक प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाएगा। इसमें बांग्लादेश में हिंदू भक्तों और धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए प्रार्थना की जाएगी। मौजूदा सरकार को मुश्किल में डालने की कोशिश में एक स्थानीय और विदेशी समूह बहुत सक्रिय है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारी आंतरिक सद्भावना और शांति व्यवस्था किसी भी तरह से नष्ट न हो। खालिद हुसैन ने ये भी कहा कि वकील की हत्या में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। चटगांव में 26 नवंबर को चिन्मय प्रभु के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान एक वकील की मौत हो गई थी। मारे गए वकील का नाम सैफुल इस्लाम ऊर्फ आलिफ ( 35 ) था।

## वेटिकन में विश्व धर्म संसद की शुरुआत, सम्मेलन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि होते हैं सम्मिलित

**वेटिकन, एजेंसी।** वेटिकन में शिवगिरि मठ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरधार्मिक सम्मेलन शुक्रवार को शुरू हुआ. यह कार्यक्रम 100 साल पहले अलुवा में श्री नारायणगुरु की ओर से आयोजित अंतरधार्मिक सम्मेलन के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित हो रहा है. सर्वधर्म सम्मेलन एवं विश्व धर्म संसद आज शाम 7 बजे स्नेह संगम के साथ प्रारंभ हुई. सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सद्भावना फैलाना है. विश्व धर्म संसद 29, 30 नवंबर और 1 दिसंबर को आयोजित की जाएगी. पोप फ्रांसिस कल (30 नवंबर) महासभा में एक उपदेश देंगे. सम्मेलन में विभिन्न देशों के 100 प्रतिनिधि, भारत के जन प्रतिनिधि और भिक्षु भाग लेंगे. सच्चिदानंद स्वामी, मठ के महासचिव स्वामी सुभंगानंद, पूर्व महासचिव स्वामी ऋतंबरानंद, पूर्व कोषाध्यक्ष स्वामी विशालानंद, गुरु धर्म प्रचार सभा के सचिव स्वामी असंगानंदगिरि, स्वामी हंसतीर्थ, अलुवा अद्वैत आश्रम के सचिव स्वामी धर्मचैतन्य और स्वामिनी आर्यानंद देवी शिवगिरि मठ के सदस्य हैं. सम्मेलन में प्रतिनिधित्व करना और भाग लेना. सच्चिदानंद स्वामी की ओर से तैयार की गई पुस्तक सर्वमाता सम्मेलनम का इतालवी अनुवाद और गुरु एंड वर्ल्ड पीस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद का विमोचन किया जाएगा।

# बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास समेत इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खाते फ्रीज

**ढाका , एजेंसी।** बांग्लादेश को चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और जेल में डाले जाने पर दुनिया भर के हिंदुओं से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद, मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने कथित तौर पर देश के बैंकों को बांग्लादेश में अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) से जुड़े 17 लोगों के खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया है।

ढाका में स्थानीय मीडिया ने शुक्रवार को बताया कि बांग्लादेश वित्तीय खुफिया इकाई (बीएफआईयू) ने इस्कॉन बांग्लादेश से जुड़े 17 व्यक्तियों के बैंक खातों को 30 दिनों के लिए फ्रीज करने का आदेश दिया है। इसमें जेल में बंद इसके नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी भी शामिल हैं। रिपोर्टों से पता चला है कि देश के कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों को खातों से एक महीने के लिए सभी लेन-देन को निलंबित करने का सरकारी निर्देश भेजा गया है। दास को सोमवार को ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया था और एक दिन बाद जेल भेज दिया गया था। दास के अलावा बांग्लादेश सरकार द्वारा निशाना बनाए गए अन्य 16 हिंदुओं में कार्तिक चंद्र डे, अनिक पाल, सरोज रॉय, सुशांत दास, विश्व कुमार सिंघा, चंदिदास बाला, जयदेव करमाकर, लिपि रानी करमाकर, सुधामा गौर दास, लक्ष्मण कांति दास, प्रियतोष दास, रूपन

दास, रूपन कुमार धर, आशीष पुरोहित, जगदीश चंद्र अधिकारी और साजल दास शामिल हैं। बांग्लादेश के एक प्रमुख बंगाली अखबार प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, बीएफआईयू के पत्र में कहा गया है कि धन शोधन निवारण अधिनियम-2012 की धारा 23(1)(सी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत इस्कॉन और उसके संबंधित पक्षों तथा उनके स्वामित्व वाली संस्थाओं के नाम पर रखे गए खातों (आयात और निर्यात कंपनियों के खातों को छोड़कर) के लेनदेन को 30 दिनों के लिए निलंबित करने का आदेश दिया गया है। साथ ही, बीएफआईयू ने सभी खातों की लेखा संबंधी जानकारी, जैसे खाता खोलने का फॉर्म, केवाईसी फॉर्म, अप-टू-डेट लेन-देन विवरण आदि, अगले तीन कार्य दिनों के अंदर भेजने को कहा है।

सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास पर पिछले महीने चटगांव में भगवा झंडा फहराने के लिए देश के झंडे का कथित रूप से अपमान करने के लिए बांग्लादेशी अधिकारियों द्वारा देशद्रोह का आरोप लगाया गया है। देश में बांग्लादेशी हिंदुओं के सड़कों पर उतरने के बाद दास को मंगलवार को चटगांव की एक अदालत में पेश किया गया और बाद में जेल भेज दिया गया। इसी समय, न्यायालय भवन में हिंसा भड़क उठी, जिसके कारण 32 वर्षीय अधिवक्ता सैफुल इस्लाम अलिफ की मृत्यु हो गई। बांग्लादेश में कट्टरपंथी अब दास के समर्थकों को अधिवक्ता की मृत्यु के लिए दोषी ठहरा रहे हैं, जबकि इस्कॉन और अन्य हिंदू संगठनों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि न्यायालय परिसर में उस दिन हुए उपद्रव में कोई हिंदू शामिल नहीं था।

## चीनी पत्रकार को जासूसी के आरोप में सात साल जेल की सजा

### जापानी राजदूत से मिलते समय हिरासत में लिए गए थे

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन में एक पत्रकार को जासूसी के आरोप में सात साल जेल की सजा सुनाई गई है। आरोपी पत्रकार डोंग युयु चीन की सरकारी मीडिया में भी काम कर चुके थे। डोंग के परिजनों ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डोंग युयु 62 साल के हैं और उन्हें दो साल पहले साल 2022 में फरवरी माह में जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया गया था, तब से वह जेल में ही हैं। जब पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया था उस समय वह गुआंगमिंग डेली में काम करते थे। एक रेस्तरां में जापानी राजनयिक से मिलते वक्त पुलिस ने उन्हें पकड़ा था। पुलिस ने दावा किया था कि वे उस रेस्तरा में अक्सर अपने विदेशी मित्रों से मिलते रहते थे। पत्रकार के परिजनों ने बताया कि बीजिंग नंबर 2 इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने जब यह फैसला सुनाया उस वक्त सभी को अदालत से बाहर कर दिया गया था। इतना ही नहीं फैसले की प्रति भी न तो उन्हें और न ही डोंग के वकील को साझा की गई। इसके अलावा, अदालत की वेबसाइट पर भी फैसले को नहीं शेयर किया गया है। डोंग के परिवारीजनों ने यह भी बताया कि फैसले में

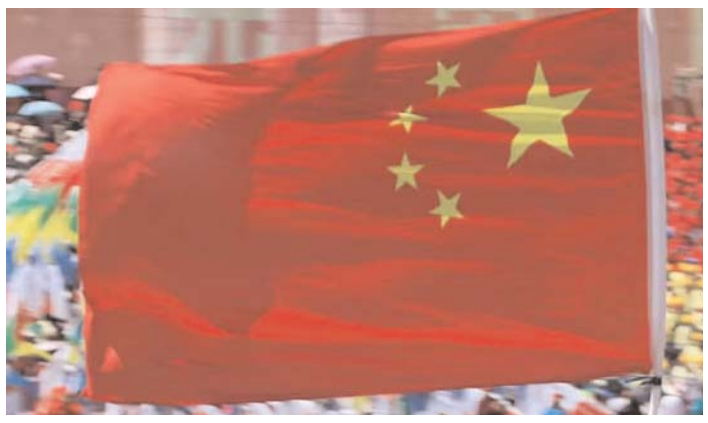

तत्कालीन जापानी राजदूत हिदेओ तारुमी और शंघाई स्थित मुख्य राजनयिक मासारू ओकाडा को जासूसी संगठन से संबंधित एजेंट बताया गया है।

**कम्युनिस्ट पार्टी के रुख के विरुद्ध लेख लिखते रहे हैं डोंग युयु :** बता दें कि डोंग गुआंगमिंग डेली के संपादकीय विभाग के काम करते थे। इस अखबार को एक समय में अन्य सरकार समर्थित अखबारों की तुलना में अधिक उदार माना जाता था। डोंग ने न्यूयॉर्क टाइम्स के चीनी संस्करण में भी काम किया था। अपने लेखों में डोंग ने संवैधानिक लोकतंत्र और राजनीतिक सुधार के लिए अपना समर्थन जताया था। हालांकि बाद में इन लेखों को कम्युनिस्ट पार्टी के रुख के विरुद्ध माना गया। वहीं, चीन में अमेरिकी राजदूत निकोलस बर्न्स ने डोंग की सज़ा की निंदा की। उन्होंने कहा कि डोंग को अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता का प्रयोग करने के लिए दंडित करना अन्यायपूर्ण है।

## वजन घटाने वाली दवाओं के रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर रोक लगाएगा दक्षिण कोरिया

**सियोल, एजेंसी।** दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने एक निर्णय में कहा कि वजन कम करने वाली दवाओं के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए वह इनके रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर प्रतिबंध लगाएगा। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय के अनुसार वजन घटाने वाली दवाओं के रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर प्रतिबंध लगाने का यह निर्णय सोमवार से प्रभावी होगा, जिसमें दो सप्ताह की छूट दी जाएगी। डेनमार्क स्थित नोवो नॉर्डिस्क द्वारा विकसित की गई वेगोवी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण यह कदम ऐसी दवाओं के दुरुपयोग और अवैध बिक्री पर बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सरकार 2025 की पहली छमाही के भीतर ऐसी दवाओं के संबंध में टेलीमेडिसिन परामर्श के लिए दिशानिर्देश स्थापित करने की भी योजना बना रही है। दक्षिण कोरिया ने सामान्य अस्पतालों में प्रशिक्षु डॉक्टरों की चल रही हड़ताल के बीच अस्थायी रूप से टेलीमेडिसिन परामर्श की अनुमति दी है। यह हड़ताल फरवरी से शुरू हुई थी। वेगोवी को दक्षिण कोरिया में 15 नवंबर को लॉन्च किया गया था। यह एक वजन घटाने वाली दवा है, जो मोटापे का इलाज कर सकती है और इसने चमत्कारी वजन घटाने वाली दवा के रूप में अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। स्वास्थ्य

मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि चिकित्सा संस्थानों को इस दवा को इस तरह से बढ़ावा देने से बचना चाहिए, जिससे मरीजों को यह विश्वास हो जाए कि इसे सामान्य वजन घटाने के लिए आसानी से दिया जा सकता है, तथा टेलीमेडिसिन के माध्यम से दवा लिखते समय दुरुपयोग को रोकने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। मौजूदा नियमों के अनुसार, वेगोवी को केवल 30 या उससे ज्यादा बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) वाले रोगियों को ही दिया जाना चाहिए। 27 से 30 के बीच बीएमआई वाले वयस्क जिन्हें उच्च रक्तचाप या डिस्लिपिडेमिया जैसी समस्याएं हैं, उन्हें भी यह दवा दी जा सकती है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिकित्सा संस्थानों से खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन की स्वीकृति शर्तों का अनुपालन करने का भी अनुरोध किया है।

# चीन के हुनान प्रांत में मिला दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार, कीमत 83 अरब डॉलर

**हुनान , एजेंसी।** चीन के हुनान प्रांत में दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार खोजा गया है। इस भंडार का आकार करीब 1,000 मीट्रिक टन है और इसकी अनुमानित कीमत 83 अरब डॉलर (करीब 7 लाख करोड़ रुपये) बताई जा रही है। यह खदान दक्षिण अफ्रीका की साउथ डीप खदान से भी बड़ी है, जहां 900 मीट्रिक टन स्वर्ण अयस्क है।

**पिंगजियांग काउंटी में खजाना :** यह भंडार हुनान प्रांत के पिंगजियांग काउंटी में पाया गया है। भूवैज्ञानिकों के मुताबिक, वहां दो किलोमीटर की गहराई पर 40 स्वर्ण शिराओं का पता चला है। इन शिराओं में स्वर्ण अयस्क जमा है और कई ड्रिलिंग के बाद चट्टानों के कोर में सोना पाया गया। 3डी मॉडलिंग से यह भी पता चला है कि खदान की गहराई में 3 किमी तक और स्वर्ण अयस्क हो सकते हैं।

**स्वर्ण अयस्क से सोने की संभावना :** हर मीट्रिक टन अयस्क से 138 ग्राम तक सोना निकाला जा सकता है। इससे चीन के सोने के कारोबार को बड़े फायदे की उम्मीद है। यह खोज चीन को वैश्विक स्वर्ण कारोबार में और मजबूत कर सकती है।

**सोने के कारोबार में चीन की बढ़ती ताकत :** चीन पहले से ही दुनिया के स्वर्ण उत्पादन में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, चीन दुनिया के कुल स्वर्ण उत्पादन का 10त्न करता है। इस साल की शुरुआत में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन के पास 2,000 टन से ज्यादा सोना है, जो इसे दुनिया के सबसे बड़े सोने के भंडार वाले देशों में शामिल करता है।

इसके बाद रूस और ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है।

**स्वर्ण अयस्क बनने की प्रक्रिया :** स्वर्ण अयस्क कई भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के तहत बनता है, जो लाखों सालों में पूरी होती है। इसमें गर्म और खनिज युक्त तरल पदार्थ पृथ्वी की अंदरूनी दरारों में घूमते रहते हैं। इन तरल पदार्थों में आसपास की चट्टानों का सोना घुलता है, जब तापमान में बदलाव होता है, तो ये तरल पदार्थ जम जाते हैं और इनकी सतह पर स्वर्ण अयस्क जमा हो जाता है।

**चीन की स्वर्ण शक्ति :** इस खोज से चीन को न केवल सोने के भंडार में वृद्धि होगी, बल्कि इसकी आर्थिक ताकत भी और बढ़ेगी, जिससे वैश्विक बाजार में चीन का दबदबा और मजबूत होगा।

## 1207.5 करोड़ रुपए में होगी युद्धपोत आईएनएस विक्रमादित्य की मरम्मत

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रमादित्य की छोटी मरम्मत और इसे सूखे बंदरगाह पर लाने जैसी गतिविधियों के लिए रक्षा मंत्रालय ने एमएस कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के साथ कुल 1207.5 करोड़ रुपए के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मंत्रालय ने बताया कि मरम्मत का यह कार्य पूरा होने के बाद विक्रमादित्य उन्नत युद्धक क्षमताओं के साथ नौसेना के युद्धक बेड़े में शामिल हो जाएगा। मूलरूप से रूस ने इसका निर्माण किया है और इसे वर्ष 2013 में नौसेना के जंगी बेड़े में कमीशन किया गया था। मंत्रालय ने बताया कि यह परियोजना कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को मरम्मत, रखरखाव और ओवरहाल (एमआरओ) के क्षेत्र में एक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। जो देश के औद्योगिक तंत्र को भी सहयोग करेगा। समझौते की मदद से देश में बड़े पैमाने पर नए रोजगारों का सृजन होगा। क्योंकि विक्रमादित्य की मरम्मत और सूखे बंदरगाह पर आने की गतिविधि में कुल करीब 50 सूक्ष्म एवं लघु उद्योग (एमएसएमई) शामिल होंगे। जिससे साढ़े तीन हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। परियोजना से केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे अभियान को भी काफी बढ़ावा मिलेगा।

## छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर मुठभेड़ में सात नक्सली ढेर, हथियार बरामद

### -इसी हफ्ते बस्तर दौरे पर आने वाले हैं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में गृहमंत्री अमित शाह का दौरा होने वाला है। इस कुछ दिन पहले ही जवानों ने एक मुठभेड़ में सात नक्सलियों को मार गिराने में कामयाबी हासिल की है। बता दें गृहमंत्री अमित शाह में नक्सली मुक्त राज्य की बात करते रहे हैं। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर ग्रेहाउंड्स फोर्स ने महिला नक्सली समेत सात नक्सलियों को ढेर कर दिया है। जवानों ने मौके से एके-47 समेत अन्य आधुनिक हथियार बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि सुबह से दोनों और से गोलीबारी हो रही थी। यह मुठभेड़ तेलंगाना के मुलुगु जिले के ईटूनगरम थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए। इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे, लेकिन साजिश का पता चलते ही जवानों को मुठभेड़ में उन्हें ढेर कर दिया। इस हफ्ते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी बस्तर दौरे पर आने वाले हैं। मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की पहचान हो गई है। इनमें तेलंगाना स्टेट कमेटी मेंबर, डिविजनल कमेटी मेंबर, एरिया कमेटी मेंबर और पार्टी के दो मेंबर शामिल हैं। सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव अपने कब्जे में ले लिए हैं। प्रदेश में इस साल 207 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं।

## शिर्डी के साईबाबा के लड्डू प्रसाद से करोड़ों का कारोबार

शिर्डी। शिर्डी के साईबाबा के दर्शन के बाद भक्तों को लड्डू का प्रसाद नि:शुल्क मिलता है, लेकिन अधिक लड्डू के लिए संस्थान ने अब आठ सशुल्क काउंटर शुरू किए हैं और वहां से करोड़ों का कारोबार हो रहा है। मालूम हो कि श्री साईं बाबा के दर्शन के लिए करोड़ों भक्त शिरडी आते हैं। बाबा की समाधि के दर्शन के बाद भक्तों को नि:शुल्क लड्डू दी जाती है। लेकिन मुफ़्त प्रसाद सीमित है। यदि आप अधिक प्रसाद चाहते हैं तो आपको शुल्क देना होगा।

100 ग्राम वजन के प्रसाद के लड्डू गुणवत्तापूर्ण शुद्ध घी, बेसन, काजू, किशमिश और इलायची से तैयार किए जाते हैं। यह प्रसाद 10 रुपये शुल्क लेकर भक्तों को दिया जाता है। आठ पेड काउंटरों से प्रतिदिन 50 हजार लड्डू पैकेट की बिक्री हो रही है। इसके अलावा भक्त जितने भी लड्डू मांगते हैं, काउंटर से ये प्रसाद दिया जाता है। प्रसाद के लड्डुओं की बिक्री से प्रति माह 15 लाख और प्रति वर्ष दो करोड़ से अधिक का टर्नओवर होता है। शिरडी आने वाले साईं भक्तों के लिए संस्थान की ओर से आवास, भोजन के साथ-साथ स्वास्थ्य और चाय की भी व्यवस्था की जाती है। साईं आश्रम, धर्मशाला, द्वावारती, एक हजार और 500 कमरों से साईं समाधि मंदिर और भोजनालय तक बस सुविधा भी प्रदान की जाती है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर सहित लगभग 4000 कर्मचारी लगातार 24 घंटे भक्तों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।

## तेलंगाना में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी

### - जंगल में मुठभेड़ के दौरान मारे गए 7 नक्सली

हैदराबाद । तेलंगाना के मुलुगु जिले के जंगलों में रविवार को पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई, जिसमें सात माओवादी मारे गए हैं। यह घटना इलाके के जंगलों में तलाशी अभियान के दौरान हुई। फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर जांच-पड़ताल की जा रही है। तेलंगाना पुलिस की विशेष एंटी-नक्सल फोर्स ग्रेहाउंड्स ने जंगल में तलाशी अभियान शुरू किया था। इसी दौरान पुलिस का सामना सशस्त्र माओवादियों से हो गया। पुलिस के अनुसार, माओवादियों ने फोर्स पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की। इस दौरान हुई गोलीबारी में सात माओवादी मारे गए। मुठभेड़ में मारे गए माओवादियों में तेलंगाना राज्य समिति (येल्लंडु-नरसंपेट) के सचिव और प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के नेता कुर्सम मंगू उर्फ भद्रू भी शामिल हैं। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से दो एके-47 राइफल सहित कई हथियार और अन्य सामान बरामद किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि माओवादी समूह राज्य में हिंसात्मक गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर इनकी लोकेशन का पता चला था, जिसके बाद यह अभियान चलाया गया।

# कांग्रेस लिखकर दे तो असम में गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूं : हिमंत विश्व शर्मा

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अगर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख भूपेन कुमार बोरा उन्हें पत्र लिखकर गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करें तो वह ऐसा करने के लिए तैयार हैं। मुस्लिम बहुल सामगुड़ी विधानसभा सीट पर हुआ उपचुनाव जीतने के लिए भाजपा पर लगे गोमांस वितरित करने के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि उन्हें खुशी है कि कांग्रेस ने इस मामले को उठाया। इस सीट पर पहले लगातार पांच बार कांग्रेस को जीत मिली थी।

शर्मा ने शनिवार को यहां भाजपा की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, ''सामगुड़ी सीट 25 साल तक कांग्रेस के पास रही। सामगुड़ी जैसे निर्वाचन क्षेत्र में 27,000 मतों के अंतर से हारना कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी शर्म की बात है। यह भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार है।'' पिछले महीने हुए उपचुनाव में भाजपा के दिप्लू रंजन शर्मा ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील को 24,501 मतों के अंतर से हराया था। सांसद की कथित टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''दुख के बीच रकीबुल हुसैन ने एक अच्छी बात कही कि गोमांस खाना गलत है, है न?

उन्होंने कहा है कि मतदाताओं को गोमांस परोसकर

कांग्रेस-भाजपा का चुनाव जीतना गलत है।'' शर्मा ने सवाल किया, ''मैं जानना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस मतदाताओं को गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीत रही थी। वह सामगुड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीता जा सकता है?'' शर्मा ने कहा, ''मैं रकीबुल हुसैन से कहना चाहता हूं कि गोमांस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने खुद कहा है कि यह गलत है। उन्हें मुझे केवल लिखित में देने की जरूरत है कि न तो भाजपा और न ही कांग्रेस को गोमांस के बारे में बोलना चाहिए, बल्कि असम में इसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। अगर हम ऐसा करते हैं, तो सभी समस्याएं हल हो जाएंगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह हुसैन के बयान की पृष्ठभूमि में गोमांस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का रुख जानने के लिए उन्हें पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं भूपेन बोरा को पत्र लिखकर पूछूंगा कि क्या वह भी रकीबुल हुसैन की तरह गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन करते हैं, और अगर ऐसा है तो मुझे बता दें। मैं गोमांस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दूंगा।÷ शर्मा ने कहा, ''मुझे खुशी है कि रकीबुल हुसैन ने यह बयान दिया है, क्योंकि कम से कम एक कदम तो उठाया गया है। अब दूसरा कदम भूपेन बोरा को उठाना चाहिए।'' असम में गोमांस का सेवन गैरकानूनी नहीं है, लेकिन असम मवेशी संरक्षण अधिनियम 2021 के तहत हिंदू, जैन और सिखों की बहुसंख्या वाले क्षेत्रों तथा किसी मंदिर या सत्र (वैष्णव मठ) के पांच किलोमीटर के दायरे में मवेशी वध और गोमांस की बिक्री पर प्रतिबंध है।

## पाकिस्तान से घुसपैठ रोकने के लिए बीएसएफ ने जम्मू में दो और बटालियन तैनात कीं

नयी दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तान सीमा से घुसपैठ को बेहतर ढंग से रोकने और क्षेत्र में हाल में बढ़ी आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जम्मू क्षेत्र में 2,000 से अधिक कर्मियों वाली दो नयी बटालियन तैनात की हैं। बीएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि इन बटालियन के जवानों को पाकिस्तान से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की तैनाती वाले स्थान के ठीक पीछे ''रक्षा की दूसरी पंक्ति'' के रूप में तैनात किया गया है। बल की इन दो बटालियन को हाल में ओडिशा के नक्सल-रोधी अभियान क्षेत्र से हटा लिया गया था और अब इन्हें पूरी तरह से जम्मू क्षेत्र में तैनात कर दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि यह कार्य सर्दियों के शुरू होने से पहले पूरा किया जाना था, जब पाकिस्तान से होने वाली घुसपैठ के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सीमा को सुरक्षित रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। सूत्रों ने बताया कि नयी इकाइयों के कर्मियों को सांबा क्षेत्र, जम्मू क्षेत्र के कुछ अन्य संवेदनशील इलाकों और जम्मू से लगती पंजाब सीमा पर तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की सुविधा से लैस अनेक तैनाती बिंदु बनाए गए हैं। बीएसएफ भारत के पश्चिमी भाग में जम्मू, पंजाब, राजस्थान और गुजरात से होकर गुजरने वाली 2,289 किलोमीटर से अधिक लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा करता है। जम्मू क्षेत्र में इस सीमा का 485 किलोमीटर हिस्सा है, जो घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों से घिरा हुआ है। जम्मू अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में लगभग एक दर्जन बीएसएफ बटालियन तैनात हैं।

## कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ पर लगाए गंभीर आरोप, कहा मस्जिद-मंदिर विवादों को जस्टिस चंद्रचूड़ ने दिया बढ़ावा

**इंफाल (एजेंसी)।** नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व सीजेआई के रिटायर होने के बाद कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं ने उनपर हमला बोला है। शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत का कहना है कि चाहे अजमेर हो या उत्तर प्रदेश का संभल, सीजेआई चंद्रचूड़ देश में आग लगाने के बाद रिटायर हुए हैं। आज देश की जो हालत है उसके लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। जस्टिस चंद्रचूड़ को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश का कहना है कि 20 मई 2022 को चंद्रचूड़ साहब ने मौखिक टिप्पणी की और उससे भानुमती का पिटारा, पैंडोरा बॉक्स खुल गया। भाजपा इसका पूरा राजनीतिक फायदा उठा रही है। हर जगह सांप्रदायिक तनाव फैलाया जा रहा है।

संजय राउत ने मुंबई में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जहां उन्होंने पूर्व सीजेआई को न सिर्फ मंदिर-मस्जिद विवाद के लिए जिम्मेदार बताया, बल्कि महाराष्ट्र में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के लिए भी आरोपी बताया। राउत ने कहा- सरकार बनाने के लिए अभी तक राज्यपाल से कोई नहीं मिला है। इन सबके लिए जस्टिस चंद्रचूड़ जिम्मेदार हैं उधर, जयराम रमेश ने भी कहा- 20 मई 2022 को पूर्व सीजेआई की टिप्पणी ने इस तरह की याचिकाओं का रास्ता साफ किया है। उन्होंने कहा था कि प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट किसी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र का पता लगाने पर प्रतिबंध नहीं लगाता है। दरअसल, यह एक्ट प्राचीन धार्मिक स्थल के स्वरूप को बदलने पर रोक लगाता है। प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के मुताबिक- पूजा स्थल उसी रूप में संरक्षित किया जाएगा, जिस रूप में वह 15 अगस्त 1947 को था। अगर यह साबित भी हो जाता है कि उसे किसी दूसरे धर्म के उपासना स्थल को तोड़कर बनाया गया है, तब भी उसके स्वरूप को बदला नहीं जा सकता।

# भाजपा अध्यक्ष नड्डा का विपक्ष पर तंज, 'देश बदल चुका है, बस तुम्हारा स्टेटस नहीं बदला'

**इंदौर (मध्यप्रदेश) (एजेंसी)।** । केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व में देश बदल चुका है लेकिन विपक्षी दलों का 'विपक्ष का दर्जा' अब तक नहीं बदला। नड्डा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हैं। उन्होंने विश्व एड्स दिवस पर इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान कहा, ''मैं आज राजनीति नहीं करना चाहता हूं लेकिन कई लोग बोलते हैं कि देश में कुछ भी नहीं बदला है। मैं उन्हें बस इतना बोलता हूं कि तुम्हारा स्टेटस (दर्जा) नहीं बदला, बाकी सब बदल गया है। तुम विपक्ष के विपक्ष में ही रहे और ऐसे रहोगे, तो आगे

भी ऐसे ही रहोगे।'

नड्डा ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ भारत के सफल अभियान का जिक्र किया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में चिकित्सा के अलग-अलग क्षेत्रों में मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'यह किसी को दिखाई दे जाए कि देश कैसे बदलता है, तो बहुत अच्छी बात है। मैं कई बार बोलता हूं कि मैं आपकी देखने की क्षमता में सुधार तो कर सकता हूं पर आपको नजरिया नहीं दे सकता। अब किसी में नजरिया ही ना हो, तो मैं क्या करूं? नड्डा ने यह भी कहा कि नजरिये के लिए बुद्धि की आवश्यकता होती है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा, ''भारत में टिटनेस की दवा आने में 40 वर्ष, टीबी की दवा आने में 20 से 25 वर्ष, डिप्थीरिया की दवा आने में 20 वर्ष और जापानी इन्सेफेलाइटिस (दिमागी बुखार) की दवा आने में 100 साल लग गए थे।

## पोप फ्रांसिस ने संत श्री नारायण गुरु की सराहना की, उनका संदेश आज प्रासंगिक

**तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)।** दुनिया के शीर्ष ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने भारत के संत श्री नारायण गुरु की सराहना कर उनके संदेश को पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक बताया है। पोप फ्रांसिस ने कहा कि नारायण गुरु का समाज सुधारक का संदेश 'आज की हमारी दुनिया के लिए प्रासंगिक है, जहां हमें लोगों और देशों के बीच असहिष्णुता और नफरत बढ़ने के उदाहरण देखने को मिल रहे हैं। एर्नाकुलम जिले के अलुवा में श्री नारायण गुरु के सर्व-धर्म सम्मेलन के शताब्दी समारोह के मौके पर वेटिकन में जुटे धर्मगुरुओं और प्रतिनिधियों को संबोधित कर पोप ने यह बात कही। पोप ने कहा कि आज दुनिया में जो अशांति का माहौल है उसके लिए धर्मों की शिक्षाओं को न अपनाना भी जिम्मेदार है। पोप ने कहा कि गुरु ने अपने संदेश में कहा था कि सभी मनुष्य, चाहे उनकी जाति, धर्म और सांस्कृतिक परंपराएं कोई भी हों, एक ही मानव परिवार के सदस्य हैं। पोप ने कहा, 'उन्होंने इस पर जोर दिया कि किसी भी तरह से और किसी भी स्तर पर किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'दुख की बात है कि कई समुदायों और लोगों को नस्ल, रंग, भाषा और धर्म के आधार पर रोजाना भेदभाव झेलना पड़ रहा है। खासकर ऐसा उन लोगों और समुदाय के साथ हो रहा है जो गरीब और कमजोर तबके से जुड़े हैं। पोप ने कहा, 'धर्मों की महान शिक्षाओं को नहीं अपनाना दुनिया में अशांति के लिए जिम्मेदार कारणों में से एक है।' नारायण गुरु को भारत के उन महान संतों में शुमार किया जाता है, जिन्होंने समानता का संदेश दिया। 22 अगस्त, 1956 को केरल के तिरुअनंतपुरम के पास एक गांव चेमपजंथी में मदन असन और कुट्टियम्मा के घर हुआ था। उनका परिवार एझावा जाति से संबंध रखता था और उस समय के सामाजिक मान्यताओं के अनुसार इस अवर्ण' माना जाता था। छोटी उम्र से ही उनका आकर्षण तप की ओर था जिसके चलते वे संन्यासी के रूप में आठ वर्षों तक जंगल में रहे थे। उन्हें वेद, उपनिषद, साहित्य, हठ योग और अन्य दर्शनों का ज्ञान था। उन्होंने समानता का संदेश देकर एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर (ओरु जति, ओरु माथम, ओरु दैवम, मानुष्यानु) का प्रसिद्ध नारा दिया। उन्होंने वर्ष 1888 में अरुविप्पुरम में भगवान शिव को समर्पित एक मंदिर बनाया, जो तब के जाति-आधारित प्रतिबंधों के खिलाफ था। उन्होंने एक मंदिर कलावन्कोड में अभिषेक किया और मंदिरों में मूर्तियों की जगह दर्पण रखा। यह उनके इस संदेश का प्रतीक था कि परमात्मा प्रत्येक व्यक्ति के भीतर है।

## अजमेर दरगाहा विवाद : पूर्व ब्यूरोक्रेट्स लॉबी का पीएम मोदी को खत, ऐसी अवैध और हानिकारक गतिविधियों पर हस्तक्षेप करें

**अजमेर (एजेंसी)।** अजमेर में ख्वाजा साहब की दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा करने वाली याचिका को लेकर देशभर में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इस बीच मामले में पूर्व ब्यूरोक्रेट्स और डिप्लोमैट्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पीएम मोदी को लिखे पत्र में कहा गया कि भारत की एकता और अखंडता पर हमला करने वाली ऐसी अवैध और हानिकारक गतिविधियों पर हस्तक्षेप करें। पूर्व ब्यूरोक्रेट्स लॉबी ने अपने पत्र में जिक्र कर पीएम नरेंद्र मोदी को याद दिलाया कि उर्स के मौके पर उन्होंने भी अजमेर शरीफ में चादर पेश की थी।

पत्र लिखने वालों में दिल्ली के पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर नजीब जंग, यूनाइटेड किंगडम में भारत के पूर्व उच्चायुक्त शिव मुखर्जी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, पूर्व उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व डिप्टी गवर्नर रवि वीर गुप्ता सहित कई पूर्व ब्यूरोक्रेट्स और डिप्लोमैट्स शामिल है।

उन्होंने पत्र में कहा कि कुछ अज्ञात लोग हिंदू हितों के प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं। इस दावे के साथ ये लोग मध्ययुगकालीन मस्जिदों और दरगाहों का सर्वे कराने की बात कहते हैं। पूर्व ब्यूरोक्रेट्स और डिप्लोमैट्स ने स्पष्ट किया कि प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के बाद भी अदालतें ऐसी याचिकाओं को आगे की सुनवाई का अधिकार दे देती हैं।

पत्र में कहा कि यह सोच से परे है कि कोर्ट ने सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की 12वीं सदी की दरगाह पर सर्वे का आदेश कैसे दे दिया। यह स्थल केवल मुसलमानों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी भारतीयों के लिए पवित्र माना जाता है। यह सोच हास्यास्पद है कि एक सूफी संत, फकीर, जो भक्ति आंदोलन का अंग रहा, वह कैसे एक मंदिर को तोड़कर दरगाह बनवा सकता है। इस पत्र में लिखा गया है कि काफी समय से यह देखने को मिल रहा है कि हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के बीच टकराव की स्थिति बना रही है। यही नहीं ऐसा ही इस समुदाय के भी हो रहा है। इससे अल्पसंख्यक समुदाय में चिंता और असुरक्षा का भाव पैदा हुआ है। इस तरह के विवादों से देश तरक्की नहीं कर कता और न ही आपके (पीएम मोदी) विकसित भारत के सपने को पूरा हो सकेगा।

पत्र में विभाजन के समय हुए दंगों और पिछले दशकों में हुए विवाद के बारे में याद दिलाकर कहा गया कि इससे आज भी देश में सांप्रदायिक संबंध मधुर नहीं हो सके हैं। पिछले 10 सालों जिस तरह के घटनाएं हुई, वे जैसी थी उस तरह दिखाई नहीं गई। इसतरह के मामलों में राज्य सरकारों की पक्षपात की नीतियां देखने को मिली हैं। ऐसा, पहले कभी अनुभव नहीं किया गया था। पत्र में जिक्र किया गया हैं कि यह गौमांस ले जा रहे मुस्लिमों को पीटने और धमकाने से शुरू हुआ था। जो धीरे-धीरे निर्दोष लोगों को भीड़ द्वारा घर में घुसकर मार देने में बदल गई। इसमें कई नरसंहार हुए और इस्लामोफोबिया के तौर पर इस परिभाषित कर भाषणों में उपयोग लिया गया। राज्यों के मुखिया (मुख्यमंत्रियों) के इशारे पर मुस्लिम समुदाय के लोगों से सामान ना लेने, मकान किराए पर न देने जैसा आह्वान किया गया।

## महाराष्ट्र में सरकार गठन में हो रही देरी पर आदित्य ठाकरे ने उठाए सवाल, भाजपा पर साधा निशाना

**मुंबई (एजेंसी)।** शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने सरकार के गठन में हो रही देरी की आलोचना की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह महाराष्ट्र का अपमान है। आदित्य ने रविवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने महायुति सरकार पर निशाना साधा और राज्य में अभी तक राष्ट्रपति शासन नहीं लगाए जाने पर सवाल उठाया।

आदित्य ने लिखा, 'परिणाम आने के एक सप्ताह से अधिक समय तक मुख्यमंत्री का चयन न कर पाना और सरकार न बना पाना न केवल महाराष्ट्र का अपमान है (हमारे राज्य को इतने हल्के में लेने के लिए) बल्कि उनके सबसे प्रिय चुनाव आयोग द्वारा दी गई सहायता का भी।' उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि नियम केवल विपक्षी दलों पर लागू होते हैं, जबकि कुछ विशेष दलों पर नियम लागू नहीं होते।

महायुति के सबसे बड़े घटक भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने लिखा, 'बिना सरकार बनाने का दावा किए और माननीय राज्यपाल को संख्याबल दिखाए बिना, एकतरफा शपथ ग्रहण की तिथि घोषित करना पूरी तरह अराजकता है। और इस सब के बीच, कार्यवाहक मुख्यमंत्री चंद्रमा की कला के अनुसार एक छोटी छुट्टी पर हैं, जैसा कि हमने पहले भी नियमित रूप से देखा है।'

आदित्य ने आगे लिखा, 'इस बीच, महाराष्ट्र उन लोगों के लिए कोई प्राथमिकता नहीं है जो सरकार बना सकते हैं। वे अपनी दिल्ली यात्राओं का आनंद ले रहे हैं। राष्ट्रपति शासन? क्या यह अब तक लागू नहीं हो जाना चाहिए था? क्या ऐसा नहीं होता, अगर विपक्ष के पास संख्याबल होता और निर्णय लंबित होता?'

# माह बदलते ही मौसम भी बदला, दिल्ली में कोहरा तो यूपी में चलेगी शीत लहर

### मौसम विभाग ने कहा-15 दिसंबर से कड़ाके की ठंड, चलेंगी सर्द हवाएं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिसंबर माह शुरु हो गया है लेकिन अभी कड़ाके की ठंड नहीं पड़ रही है। आईएमडी के मुताबिक रविवार को दिसंबर के पहले सप्ताह के बाद मौसम में बदलाव आ सकता है। दिल्ली में भी अभी एक सप्ताह तक पारा लुढ़कने के आसार नहीं हैं। पहाड़ों पर मौसम कूल हो गया है। कुछ पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी से निचले इलाकों में ठंड का अहसास होने लगा है।

दिसंबर की शुरुआत के साथ ही मौसम भी करवट बदलनी शुरू कर दी है। दिल्ली में मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक स्मॉग और फॉग दोनों ही देखने को मिलेगा। ठंड उतनी नहीं पड़ेगी लेकिन सर्दी महसूस होगी। रविवार को सुबह स्मॉग और हल्का कोहरा छाया रहा। शाम और रात के समय स्मॉग के साथ हल्का कोहरा छा सकता है। अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने यूपी में भीषण ठंड पड़ने की चेतावनी दी है। विभाग के मुताबिक 15 दिसंबर से कड़ाके की ठंड शुरू हो सकती है और पूरे प्रदेश में ठंड के साथ सर्द हवाएं चलने लगेंगी। इस साल दिसंबर में सामान्य से ज्यादा ठंड पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक आज से तीन दिनों तक लाहौल और स्पीति, चंबा, किन्नौर, कांगड़ा और कुल्लू जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है। वहीं जम्मू कश्मीर के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। उसके बाद कुछ दिन मौसम शुष्क बना रहेगा फिर सात दिसंबर के बाद ऊंचे इलाकों में फिर से बारिश या बर्फबारी हो सकती है।